देशबन्धु
जबलपुर, सोमवार 13 जनवरी 2025 । वर्ष –69 । अंक –62 पृष्ठ –12 । मूल्य – 3।00 रु।

■ संभल मामले में योगी... ■ एकला चलो या ... 04
■ डोनाल्ड ट्रंप की जिद के आगे झुक गया ग्रीनलैंड ■ पकड़े जाने पर उत्तर कोरियाई सैनिक बोले ... 09
■ लाल मिर्च की खेती कैसे की जाती है ... ■ भिण्डी खेती की संपूर्ण जानकारी... 11
■ वानखेड़े स्टेडियम की... ■ भारतीय महिला टीम... 10

महाकुम्भ : पहला शाही स्नान आज

एक दिन में 25 लाख भक्तों ने लगाई पुण्य डुबकी

प्रयागराज/लखनऊ, देशबन्धु। महाकुंभ मेले का पहला अमृत (शाही) स्नान 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा पर होगा, जबकि दूसरा अमृत स्नान 14 जनवरी को मकर संक्रांति के अवसर पर होगा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु मेला क्षेत्र में पहुंच रहे हैं।

अखाड़ों के संगम में प्रवेश के लिए दो विशेष रास्ते बनाए गए हैं। त्रिवेणी पांटून पुल के एक हिस्से से सभी 13 अखाड़े क्रमवार प्रवेश करेंगे। नागा साधु बैरिकेडिंग के बीच से संगम तक पहुंचेंगे, जबकि उनके वापसी के लिए अलग मार्ग निर्धारित किया गया है। प्रशासन के लिए एक और मार्ग होगा, और आपातकालीन स्थितियों के लिए भी एक रास्ता अलग रखा गया है।

स्नान पर्व शुरू होने से एक दिन पहले ही लाखों श्रद्धालु मेला क्षेत्र में पहुंच चुके हैं। मेला प्रशासन का दावा है कि रविवार शाम तक 25 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई है।

मेला प्रशासन का अनुमान है कि महाकुंभ के सभी प्रमुख स्नान पर्वों पर हर दिन दो करोड़ से अधिक श्रद्धालु आएंगे। पौष पूर्णिमा पर इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन की उम्मीद जताई गई है, जबकि मकर संक्रांति पर यह संख्या और भी बढ़ सकती है। मौनी अमावस्या पर तो

हर दिन दो करोड़ के आगमन का अनुमान

आठ से 10 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन का अनुमान है। इन प्रमुख स्नान पर्वों के दौरान श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए पुष्प वर्षा की व्यवस्था भी की गई है। मेला क्षेत्र में सुरक्षा के तगड़े इंतजाम किये गये हैं। प्रवेश द्वारों पर मेटल डिटेक्टर से जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने किया स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन का शुभारंभ

केवल डिग्री नहीं कौशल भी जरुरी : डॉ. यादव

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को युवा दिवस पर स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। आज सिर्फ डिग्री लेने से काम नहीं चलेगा। हम युवाओं को आत्मनिर्भर भी बनाएंगे। आज शिक्षा के साथ कौशल भी जरूरी है। सीएम ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवा हर संभव योगदान दें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर युवा शक्ति मिशन का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संवाद, समर्थ समृद्धि और बढ़ेगा युवा बढ़ेगा मध्य प्रदेश है। रविवार को रविंद्र भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने युवाओं को संबांधित करते हुए कहा कि युवा शक्ति मिशन का उद्देश्य युवाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन का पहिया चार समाज के बीच घूमता है। युवा, गरीब, महिला और किसान। सरकार की योजना भी इन्हीं चार के आसपास घूमती है। आज दुनिया सबसे ज्यादा युवा आबादी भारत में है। इसलिए हम खुद अपने दम पर जवाब देने के लिए तैयार भी है। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए संवाद, समर्थ और समद्धि तीन बिंदु हैं। आज सिर्फ डिग्री लेने से काम नहीं चलेगा। हम युवाओं को आत्मनिर्भर भी बनाएंगे। आज शिक्षा के साथ कौशल भी जरूरी है।

नौकरी पाने वाला नहीं देने वाला बनना हैं– मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर जब हम युवा शक्ति मिशन की बात कर रहे हैं तो यह बात सही है की असीम ऊर्जा का स्रोत हमारा युवा होता है लेकिन इन युवाओं को दिशा देने की जरूरत है। हमारा युवा नौकरी पाने वाला नहीं नौकरी देने वाला बनना चाहिए। जलियांवाला बाग हत्याकांड का पाप जिस जनरल डायर ने किया। उसे हमारा एक युवा साथी मदन लाल ढींगरा यहां से सात समुंदर पार कर इंग्लैंड पहुंचकर 14 साल की उम्र में अपनी गोली से जनरल डायर का हिसाब चुकता करके देश को गौरवान्वित किया। आज भारत अपने सारे प्रश्नों के उत्तर स्वयं की क्षमता, योग्यता से निकालने में सक्षम है। युवा देश की हम बात करें तो 1.5 करोड़ युवा अकेले मध्य प्रदेश के अंदर है इसलिए आज हम युवा शक्ति मिशन को लॉन्च करने का संकल्प लिया। हमारे युवाओं को काम मिले, उनकी इच्छाओं को अंजाम मिले, उनकी जिंदगी खुशहाल बने और वह देश और प्रदेश के काम आए। यह उद्देश्य युवा शक्ति मिशन का है।

हमने संकल्प किया है कि 2028 तक मध्य प्रदेश के 70 प्रतिशत से ज्यादा युवाओं को हम रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास करेंगे।

युवा दिवस पर आयोजन में सबके साथ योग करते हुए मुख्यमंत्री

युवाओं से मेरा 'परम मित्र' वाला नाता है : मोदी

नई दिल्ली, (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में देश के युवाओं से संवाद किया। मंच से उन्होंने नौजवानों पर अपने भरोसे की वजह भी बताई। पीएम मोदी विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग में कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि युवाओं से उनका नाता पीएम का नहीं बल्कि परम मित्र का है। प्रधानमंत्री मोदी ने मंच से कहा, भारत की युवा शक्ति की ऊर्जा से आज ये भारत मंडपम भी ऊर्जा से भर गया है, ऊर्जावान हो गया है। आज पूरा देश स्वामी विवेकानंद जी को याद कर रहा है, उन्हें प्रमाण कर रहा है। पीएम मोदी ने कहा, स्वामी विवेकानंद जी को देश के नौजवानों पर बहुत भरोसा था। स्वामी जी कहते थे कि मेरा विश्वास युवा पीढ़ी में है, नई पीढ़ी में है। स्वामी जी कहते थे कि मेरे कार्यकर्ता नौजवान पीढ़ी से आएंगे और वो हर समस्या का समाधान निकालेंगे। जैसे विवेकानंद जी का आप पर भरोसा था, मेरा विवेकानंद जी पर भरोसा है, मुझे उनकी कही हर बात पर भरोसा है। उन्होंने आगे कहा, भारत की युवा शक्ति उल्लेखनीय परिवर्तन ला रही है। विकसित भारत युवा नेता संवाद एक प्रेरक मंच के रूप में कार्य करता है, जो हमारे युवाओं की ऊर्जा और अभिनव भावना को एक विकसित भारत को आकार देने के लिए एकजुट करता है। भारत की युवाशक्ति का सामर्थ्य भारत को जल्द से जल्द विकसित राष्ट्र बनाएगा।

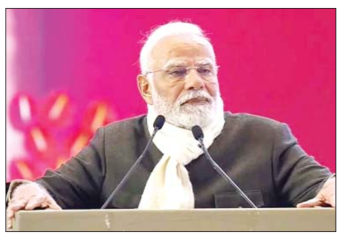

दिल्ली में कांग्रेस की तीसरी गारंटी

युवाओं को हर महीने 8500 रुपए देने का वादा

नई दिल्ली, (देशबन्धु)। कांग्रेस ने रविवार को युवा उड़ान योजना नाम से दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी तीसरी गारंटी की घोषणा की और इस योजना के तहत सत्ता में आने पर यहां के बेरोजगार युवक-युवतियों को हर महीने 8500 रुपए देने का ऐलान किया। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय राजीव भवन में इस योजना की घोषणा करते हुए कहा, आज महान विचारक स्वामी विवेकानंद जी की जयंती है, जो युवाओं के प्रेरणा स्रोत थे। दिल्ली में युवाओं के भविष्य पर प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार का कोई ध्यान नहीं है। दिल्ली में इतिहास गवाह है कि यहां जब-जब कांग्रेस की सरकार रही है, तब-तब यहां के विकास को पूरे देश में लोग अग्रिम मानते आए हैं। दिल्ली में जिस जिम्मेदारी से हम वादा करेंगे, उसी जिम्मेदारी के साथ उसे पूरा भी करेंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि 05 फरवरी को जब दिल्ली के लोग मतदान करेंगे, तो इतिहास को याद करेंगे कि किसने क्या कहा और क्या किया।

केंद्र व प्रदेश सरकार का नहीं युवाओं पर ध्यान– उन्होंने कहा कि दिल्ली का विधानसभा चुनाव बहुत ही महत्वपूर्ण है। इन चुनावों में हमारे कार्यकर्ता और नेता अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनीं, फिर उन समस्याओं पर विशेषज्ञों से चर्चा करने के बाद अब गारंटी पेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पूरे देश में युवा परेशान हैं। दिल्ली में भी युवाओं की हालत चिंताजनक है, लेकिन केंद्र और प्रदेश सरकार ने युवाओं पर ध्यान नहीं दिया। आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक-दूसरे पर सिर्फ आरोप लगाए, खुद के वादे पूरे नहीं किए और जनता को भूल गई, लेकिन कांग्रेस अपनी जिम्मेदारी समझती है। इसलिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ हम गारंटी पेश कर रहे हैं, क्योंकि जनता जानती है कि हम जो कहते हैं, वो कर दिखाते हैं।

भाजपा और आप ने लोगों को दिया धोखा– दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जोरदार प्रहार किया और कहा कि दोनों पार्टियों ने लोगों को धोखा दिया है। ये दोनों पार्टियां इस समय मतदाताओं को गुमराह करने का काम कर रही हैं। श्री यादव ने रविवार को शकूर बस्ती विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया। कांग्रेस ने शकूर बस्ती विधानसभा क्षेत्र से सतीश लूथरा को चुनावी समर में उतारा है।

ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में एस जयशंकर भारत शामिल होंगे

नई दिल्ली। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में 20 जनवरी को विदेश मंत्री एस जयशंकर भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करेंगे। विदेश मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में कहा कि अमेरिका की ट्रम्प-वेंस उद्घाटन समिति के निमंत्रण पर, विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करेंगे।

मणिपुर में फिर बढ़ा तनाव : नगा महिला पर हमले के बाद गुस्साई भीड़

इंफाल, (एजेंसियां)। मणिपुर के कांगपोक्पी जिले के दो पड़ोसी गांवों कंसाखुल और लेइलोन वैफेई में शनिवार को कर्फ्यू लगा दिया गया। दोनों गांवों और उनके आसपास के इलाकों में लोगों की आवाजाही पर अगले आदेश तक रोक लगा दी गई है। एक गांव के कुकी युवाओं के दूसरे गांव की एक नगा महिला पर कथित हमले के बाद से यहां तनाव है। वहीं, कामजोंग जिले के होन्गबाई इलाके में शनिवार को एक भीड़ ने असम राइफल्स के अस्थायी कैंप पर हमला कर उसे नष्ट कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक जवानों ने घर निर्माण के लिए लकड़ी ले जाने से रोका था। इससे वे लोग नाराज थे। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए जवानों ने आंसू गैस के गोले दागे और हवाई फायरिंग की। कांगपोकपी जिले में हिंसा बीते एक हफ्ते से ज्यादा समय से जारी है। 3 जनवरी को कुकी समुदाय के लोगों ने कांगपोकपी पुलिस अधीक्षक ऑफिस पर हमला कर दिया था। इसमें कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

असम राइफलस के कैंप पर भीड़ का हमला

चाइनीज गोला-बारूद बरामद– सुरक्षा बलों ने मणिपुर के मणिपुर के चुराचांदपुर और टेंग्नौपाल जिलों में सर्च ऑपरेशन चलाते हुए हथियार और विस्फोटक बरामद किए हैं। सिक्योरिटी फोर्स के एक सीनियर ऑफिसर के मुताबिक, चुराचांदपुर पुलिस स्टेशन की रेंज में आने वाले ओल्ड गेलमोल गांव में सर्च ऑपरेशन चलाया था।

जिसमें 1 एके-56 राइफल और चाइनीज गोला-बारूद बरामद किया गया। इसके साथ ही टेंग्नौपाल में मोरेह पुलिस स्टेशन रेंज में आने वाले गोवाजंग में भी सर्च ऑपरेशन चलाया गया था। इस दौरान सिक्योरिटी फोर्सेज ने 1 किलो वाले 2 और 5 किलो

हज के लिए दूसरी प्रतिक्षा सूची में 3676 यात्रियों को मंजूरी

नई दिल्ली। हज कमेटी ऑफ इंडिया के तहत 2025 में हज पर जाने के लिए दूसरी प्रतीक्षा सूची में इंतजार कर रहे 3676 यात्रियों को मंजूरी मिल गई है।

हज कमेटी के मीडिया सलाहकार कमर अब्बास नकवी ने एक विज्ञप्ति में बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया की ओर से जारी सर्कुलर के अनुसार विभिन्न राज्यों से रद्द की गई सीटों को भरने के लिए दूसरी प्रतीक्षा सूची को मंजूरी दे दी गई है।

अब फेमटो सेकेण्ड लेजर - विक्टस से
मोतियाबिंद ऑपरेशन
मध्य भारत का सबसे आधुनिक
नया युग
आधुनिक नेत्र चिकित्सा ब्लेड फ्री, दर्द रहित, बिना इंजेक्शन, बिना पट्टी, बिना भर्ती, कुछ ही मिनटों में उपचार वापस अपने काम पर
डॉ। पवन स्थापक-सीधा संपर्क/ जांच एवं ऑपरेशन मोबाईल-9754601010, 9516244894
जनज्योति सुपर स्पेशिलटी आई हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर

Excellence in Education, Excellence in Life
A.P.N. C.B.S.E.
SENIOR SECONDARY SCHOOL
(C.B.S.E. Affiliated Reg. No. 1031302)
ADMISSION OPEN FOR SESSION 2024-25
Class Nursery to XII Science I Commerce I Humanities
Special Discount in Admission fee & School fee for the State and National Players for all the Games
राष्ट्र स्तरीय एवं प्रदेश स्तरीय सभी खेलों के खिलाड़ियों के लिये प्रवेश शुल्क एवं मासिक शुल्क में विशेष छूट
Ph.: 0761-2676360, 8349593500, 9826587200

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई–पेपर epaperÐdeshbandhumpÐ-com वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो-सुनती हो दिल्ली में कांग्रेस ने युवाओं को साढ़े आठ हजार रुपये देने का वादा किया है।

चुहिया- हां प्रिये-चुनावी मौसम है और अब रेवड़ियां बरसाने का चलन भी है।

मौसम

मौसम विभाग की चेतावनी

अभी और कड़ाके की ठंड में छूटेगी कंपकंपी

नई दिल्ली/भोपाल, देशबन्धु। समूचे उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड का दौर जारी है। इसके साथ ही कहीं ओला तो कहीं पानी ने ठंड का जोर और बढ़ा दिया है। पहाड़ों पर तगड़ी बर्फबारी के चलते मैदानी इलाके ठिठुर रहे हैं और अभी फिलहाल इससे निजात मिलती नहीं दिखती।

मौसम विभाग ने बताया कि 14 जनवरी 2025 की रात से एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है। राज्य में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं हुआ।

मध्य प्रदेश में पड़ रही ठंड के बीच अगले चौबीस घंटों के दौरान राज्य के अनेक स्थानों पर हल्की वर्षा व ओलावृष्टि के आसार हैं। ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया और निवाड़ी जिलों में घना कोहरा हुआ है। उत्तरी नीमच, श्योपुर, उत्तर पूर्वी शिवपुरी, टीकमगढ़, उत्तरी छतरपुर, पन्ना, उत्तरी सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली जिलों में हल्का से मध्यम कोहरे का असर है। मौसम की गतिविधियों को देखते हुए राज्य के बैतूल, हरदा, खंडवा, नीमच, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुर, कटनी, छिंदवाड़ा, सिवनी, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, पांढुर्णा जिले में कहीं-कहीं गरज चमक की स्थिति के साथ वर्षा के आसार हैं। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी कि इन सभी स्थानों पर कहीं-कहीं वज्रपात के साथ ओला गिरने की संभावना है। कटनी और दमोह जिले में कहीं-कहीं वज्रपात के आसार हैं।

हरियाणा के सिरसा जिला में शनिवार सुबह से ही हल्की बारिश का दौर शुरू हो गया। दिन भर रूक-रूक कर बारिश होती रही जिससे मौसम का मिजाज बदल गया। पिछले दो तीन दिनों से दिन के समय धूप खिलने के बाद बारिश के कारण बढ़ी ठंड से अधिकांशत लोग घरों में ही दुबके रहे। जिससे बाजारों में रौनक न बराबर थी। मूंगफली, गच्चक व चाय की दुकानों पर अवश्य कुछ लोग खरीददारी करते नजर आए। ठंड से राहत पाने के लिए अलाव सेकते भी लोग देखगे गए। ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

देश-विदेश

चीन बुजुर्गों की देखभाल के लिए रोबोट तैनात करेगा

बीजिंग, (आईएएनएस)। हमने फिल्मों में रोबोटों को सामान्य लोगों की तरह कामों में मदद करते देखा है, और अब चीन इस विचार को वास्तविकता बनाने के लिए कदम उठा रहा है। यह देश विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करने वाला है। चीन ने देश में बुजुर्गों की देखभाल के लिए रोबोट तैनात करने का निर्णय लिया है। देश में बढ़ती वृद्ध आबादी से चिंतित होने से चीन बुजुर्गों की देखभाल के लिए मानव जैसे रोबोट विकसित करने की योजना बना रहा है। चीन इस नीति को औपचारिक रूप से लागू करने वाला पहला देश भी बन गया।

कैलिफोर्निया में हाहाकार

16 मौतें-56000 एकड़ जमीन पर फैली आग का तांडव जारी

कैलिफोर्निया। कैलिफोर्निया अमेरिका में इस समय आग का तांडव देखने को मिल रहा है, लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगी आग आज तक बुझ नहीं पाई है. कैलिफोर्निया के गवर्नर ने बताया कि ये इतिहास की सबसे बड़ी आग है. इस आग में अमेरिका का अरबों डॉलरों का नुकसान हुआ है. 1 लाख से ज्यादा लोगों को घर छोड़ना पड़ा है तो वहीं कई फिल्मी सितारों और नेताओं के घर भी इस आग में जलकर खाक हो चुके हैं. जिसमें 16 लोगों की मौत भी हो चुकी है. कई लोगों के लापता होने की आशंका है.

इस आग ने 56 हजार एकड़ से ज्यादा जमीन को अपनी चपेट में ले लिया है. अधिकारियों को डर है कि ये आग जल्द नहीं बुझाई गई, तो बहुत बड़ी मुसीबत खड़ी हो सकती है. इस आग पर काबू पाने के लिए बीते मंगलवार से कोशिश की जा रही हैं, हवाएं तेज होने के कारण इस पर काबू नहीं पाया जा सका है. अमेरिका युद्ध स्तर पर इस आग को बुझाने में जुटी हुई है, क्योंकि इस आग ने कई शहरों को पूरी तरह उजाड़ दिया है.

1,600 अग्निशमन उपकरणों और 71 हेलीकॉप्टर तैनात– कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसोम ने कहा कि राज्य के इतिहास में सबसे भीषण आग है. इस आग को बुझाने के लिए मेक्सिको भी साथ आया है. आग बुझाने के लिए लगभग 1,600 अग्निशमन उपकरणों और 71 हेलीकॉप्टरों के साथ 14,000 फायर फाइटर्स को तैनात किया गया है. यह आग लगातार बढ़ती जा रही है. पालिसैड्स जंगल की आग लॉस एंजिल्स में सैन फर्नांडो घाटी तक पहुंच चुकी है. लगातार बढ़ रही आग को देखते हुए एनकिनो और ब्रेंटवुड में सुरक्षित स्थानों पर जाने का ऐलान किया गया है.

लगातार बढ़ रही आग– रिपोर्ट के अनुसार पैलिसेड्स आग पर 11 प्रतिशत काबू पा लिया गया है. ईटन में लगी आग पर 15 प्रतिशत काबू पा लिया गया है, केनेथ आग पर अब 80 प्रतिशत काबू पा लिया गया है, और हर्स्ट आग पर 76 प्रतिशत काबू पा लिया गया है. बाकी जगहों लगी आग को बुझाने के लिए फायर फाइटर्स लगे हुए हैं.

मीडिया रिपोर्ट की माने तो इस आग से अमेरिका को लगभग 50 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है, जो आगे और भी बढ़ सकता है. इस आग में कई शहर पूरी तरह तबाह हो चुके हैं।

विकास व विरासत प्रगति पथ पर उत्तर प्रदेश थीम पर होगा यूपी दिवस

लखनऊ, (आईएएनएस)। योगी सरकार के नेतृत्व में इस वर्ष भी 24 से 26 जनवरी तक उत्तर प्रदेश दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस उपलक्ष्य में लखनऊ, नोएडा समेत सूबे के सभी जनपदों में विविध कार्यक्रम होंगे। इस बार यूपी दिवस की थीम विकास व विरासत प्रगति पथ पर उत्तर प्रदेश रखा गया है।

इस थीम पर ही प्रदर्शनी, संगोष्ठी, सम्मेलन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं और रोड शो समेत अनेक आयोजन होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी दिवस के आयोजन को भव्यतम बनाने का निर्देश दिया है। उन्होंने इसके अतिरिक्त अन्य कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर भी दिशा-निर्देश दिया है। उत्तर प्रदेश राज्य की स्थापना 24 जनवरी 1950 को हुई थी। इस दिन प्रदेश का नाम संयुक्त प्रांत से बदलकर उत्तर प्रदेश रखा गया था। योगी सरकार 2018 से अनवरत 24 से 26 जनवरी तक उत्तर प्रदेश दिवस का भव्य आयोजन कर रही है। इस बार भी सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा जनसहभागिता से यूपी दिवस मनाया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम लखनऊ व नोएडा में होंगे, लेकिन यूपी के सभी 75 जनपदों में यूपी दिवस का आयोजन किया जाएगा।

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव-प्रमुख सचिव को भेजे पत्र में निर्देश दिया है कि यूपी दिवस से जुड़े कार्यक्रम विकास व विरासत प्रगति पथ पर उत्तर प्रदेश थीम पर प्रदर्शनी, संगोष्ठी, सम्मेलन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं, रोड शो समेत सभी आयोजन हों। स्वामी विवेकानंद की जयंती पर युवा कल्याण की तरफ से होने वाली खेलकूद प्रतियोगिताओं के विजेताओं को उत्तर प्रदेश दिवस पर सम्मानित किया जाए। योगी सरकार के निर्देशन में यूपी दिवस पर अनेक विभाग विविध आयोजन कराएंगे। यूपी दिवस पर एमएसएमई विभाग द्वारा ओडीओपी के अंतर्गत प्रदेश के शिल्पकारों के उत्पादों की प्रदर्शनी का आयोजन होगा। वहीं उद्योग और अवस्थापना विभाग द्वारा स्टार्टअप व ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर आधारित प्रदर्शनी, इनवेस्ट उत्तर प्रदेश द्वारा वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी पर आधारित प्रदर्शनी, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रगतिमान उत्तर प्रदेश पर आधारित प्रदर्शनी, गृह विभाग द्वारा मिशन शक्ति पर आधारित प्रदर्शनी, संसदीय कार्य विभाग द्वारा संविधान गैलरी व संविधान का अमृतकाल, नगर विकास विभाग द्वारा कुंभ पर आधारित प्रदर्शनी, संस्कृति विभाग द्वारा प्रदेश की कला, संस्कृति व इतिहास पर आधारित प्रदर्शनी, काकोरी ट्रेन एक्शन पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को उत्तर प्रदेश दिवस में सम्मानित भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी दिवस को शानदार ढंग से मनाने का निर्देश दिया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने 23 जनवरी को नेता जी सुभाष चंद्र बोस जयंती, 25 जनवरी को राष्ट्रीय पर्यटन दिवस/मतदाता दिवस और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर भव्य आयोजन कराने के निर्देश दिए हैं।

फिर भारत के करीब आ रहा मालदीव, चीन को खटकी दोस्ती, अचानक मुइज्जू से मिलने पहुंचे विदेश मंत्री

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने मालदीव की आकस्मिक यात्रा की और राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के साथ द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति पर चर्चा की। भारत के साथ मालदीव की बढ़ती नजदीकियों के बीच चीनी विदेशी मंत्री ने यह यात्रा की है। कम्युनिस्ट पार्टी के शक्तिशाली पोलित ब्यूरो के सदस्य वांग ने अपनी एक यात्रा से लौटते वक्त शुक्रवार को (मालदीव की राजधानी) माले में ठहराव के दौरान मुइज्जू से भेंट की। राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद कुछ महीनों बाद मुइज्जू ने पिछले साल जनवरी में चीन की यात्रा की थी।

उसके बाद किसी बड़े चीनी अधिकारी की यह पहली मालदीव यात्रा थी। मुइज्जू की चीन यात्रा के दौरान, दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक सहयोगकारी साझेदारी तक बढ़ाया और कुछ प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मालदीव मीडिया ने खबर दी कि वांग के साथ अपनी भेंटवार्ता के दौरान मुइज्जू ने दोनों देशों के बीच समझौतों और समझौता ज्ञापनों (एमओयू) में उल्लिखित प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने के महत्व पर बल दिया। वांग ने कहा कि मुइज्जू की चीन की सफल राजकीय यात्रा चीन-मालदीव संबंधों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी।

अपने राष्ट्रपति काल के प्रारंभिक महीनों के दौरान, मुइज्जू ने चीन के करीब जाने की कोशिश की, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने अपनी सरकार की नीति में बदलाव किया, भारत के साथ संबंधों में संतुलन बनाया, क्योंकि चुनाव अभियान के दौरान की उनकी मांग पर भारत ने मालदीव में दो हेलीकॉप्टरों और एक डोर्नियर समुद्री निगरानी विमान का संचालन करने वाले अपने वायुसेना

कर्मियों की जगह नागरिकों को तैनात कर दिया था। इस पूरे प्रकरण ने भारत और मालदीव के बीच संबंधों को काफी हद तक खराब कर दिया था। हालांकि, पिछले साल अक्टूबर में मुइज्जू की भारत यात्रा के बाद संबंधों में कुछ नरमी आई थी। इस यात्रा के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बातचीत की थी।

मालदीव में विदेशी मुद्रा संकट के बाद भारत ने मालदीव को सहायता और वित्तीय सहायता भी बढ़ा दी है। बुधवार को मालदीव के रक्षा मंत्री मोहम्मद घासन मौमून ने नई दिल्ली का दौरा किया और अपने भारतीय समकक्ष राजनाथ सिंह के साथ वार्ता की।

अंगोला में हैजा के 170 मामले, 15 की मौत

लुआंडा, (आईएएनएस)। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि अंगोला में स्थानीय समयानुसार शाम 6 बजे तक हैजा के 170 मामले दर्ज किए गए हैं। पिछले 24 घंटों में हैजा से तीन मौत और 51 नए मामले देखने को मिले।

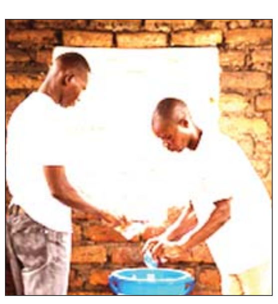

यह प्रकोप अब राजधानी प्रांत लुआंडा में दो अतिरिक्त नगर पालिकाओं में फैल गया है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार को पहला मामला सामने आने के बाद से हैजा का प्रकोप बढ़ता जा रहा है, इसलिए राष्ट्रीय आपातकालीन प्रतिक्रिया उपायों को सक्रिय किया गया है। इससे पहले शनिवार को अंगोला की स्वास्थ्य मंत्री सिल्विया लुटुकुटा ने घोषणा की कि देश में हैजा के प्रकोप से निपटने के लिए विशेष रूप से इस रोग के केंद्र, लुआंडा प्रांत के कैकुआको नगर पालिका में आपातकालीन योजनाएं सक्रिय कर दी गई हैं।

लुटुकुटा के अनुसार स्वास्थ्य अधिकारियों ने महामारी विज्ञान और प्रयोगशाला निगरानी को बढ़ाया है। संसाधन जुटाने के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य संचार में सुधार किया गया है और इसके साथ ही सुरक्षित पेयजल तक आम लोगों की पहुंच सुनिश्चित की गई है। उन्होंने कहा, हम जो कुछ भी कर रहे हैं, वह इस बीमारी से लड़ने के लिए है। वहीं स्वास्थ्य मंत्रालय ने कैकुआको के जनरल अस्पताल में हैजा से निपटने के लिए बहुक्षेत्रीय आयोग की बैठक बुलाई। पब्लिक वाटर कंपनी के महानिदेशक अडाओ सिल्वा ने कहा कि पीने के पानी के लिए पहले इस्तेमाल की जाने वाली 17 सामुदायिक पानी की टंकियों को साफ करने का काम किया गया है।

प्रभावित निवासियों के लिए सुरक्षित जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए इन टंकियों का अब उपयोग नहीं किया जाता है। अंगोला के स्वास्थ्य मंत्रालय ने चिकित्सा संसाधन और आपूर्ति जुटाने के लिए अपने नेशनल कोलेरा रिस्पॉन्स प्लान को सक्रिय किया है, जिसका उद्देश्य लोगों को पीने योग्य पानी उपलब्ध कराना है। मंत्रालय ने प्रकोप के प्रबंधन में चुनौतियों में प्रभावित क्षेत्रों में साफ-सफाई की कमी और उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में पीने योग्य पानी की व्यवस्था की बात कही।

बांग्लादेश सरकार का दावा, हिंदुओं पर सांप्रदायिक हमले नहीं

ढाका। बांग्लादेश सरकार ने एक बार फिर हिंदुओं पर हमलों को नजरअंदाज करने की कोशिश की है। बांग्लादेशी सरकार ने अल्पसंख्यकों पर हमले को राजनीति से प्रेरित बताया है। शनिवार को एक पुलिस रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया है कि यह हमले सांप्रदायिक नहीं थे।

बांग्लादेश पुलिस ने अल्पसंख्यक समुदाय से संपर्क बनाए रखने और सांप्रदायिक हिंसा की शिकायत सीधे हासिल करने के लिए एक वॉट्सऐप नंबर जारी किया है। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की प्रेस शाखा ने एक बयान जारी किया है। इस बयान कहा गया है कि पुलिस ने यह जांच बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद के दावे के बाद की। इस दावे के मुताबिक अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के आरक्षण विरोधी आंदोलन के बीच पिछले साल पांच अगस्त को देश छोड़कर चले जाने से एक दिन पहले से लेकर इस साल आठ जनवरी तक सांप्रदायिक हिंसा की 2,010 घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं। बयान के मुताबिक, इन घटनाओं में से 1,769 हमले और तोड़फोड़ से जुड़ी हुई थीं, पुलिस ने दावों के आधार पर अब तक कुल 62

मामले दर्ज किए हैं और जांच के आधार पर कम से कम 35 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, बयान में दावा किया गया है कि जांच में पाया गया कि ज्यादातर मामलों में हमले सांप्रदायिक प्रकृति के नहीं थे, बल्कि राजनीति से प्रेरित थे। इसमें कहा गया है कि पुलिस की जांच से पता चला कि 1,234 घटनाएं राजनीतिक प्रकृति की थीं। 20 घटनाएं सांप्रदायिक थीं और कम से कम 161 दावे झूठे या फर्जी थे। बयान के अनुसार, परिषद के दावों के हिसाब से 1,452 घटनाएं (कुल घटनाओं का 82.8 फीसदी) पांच अगस्त 2024 को घटीं, जब हसीना सरकार को सत्ता से बेदखल किया गया था। कम से कम 65 घटनाएं चार अगस्त को और 70 घटनाएं छह अगस्त को हुईं।

बयान के मुताबिक, पांच अगस्त 2024 से आठ जनवरी 2025 तक पुलिस को परिषद के दावे के अलावा भी सांप्रदायिक हिंसा की 134 शिकायतें मिलीं। इसमें कहा गया है कि पुलिस ने सभी शिकायतों पर प्राथमिकता से कार्रवाई की और कम से कम 53 मामले दर्ज किए तथा 65 आरोपियों को गिरफ्तार किया।, बयान के अनुसार, कुल मिलाकर पिछले साल चार अगस्त से लेकर अब तक सांप्रदायिक हिंसा की शिकायतों के आधार पर कुल 115 मामले दर्ज किए गए हैं और इन मामलों में कम से कम 100 लोगों को गिरफ्तार किया गया है रिपोर्ट तैयार करने से पहले बांग्लादेश पुलिस ने उन कथित सांप्रदायिक घटनाओं की सूची तैयार की, जिनके बारे में परिषद ने दावा किया है और हिंसा का सामना करने वाले हर व्यक्ति से बात की। पुलिस ने हर उस जगह, हर उस प्रतिष्ठान का दौरा किया, जहां ये घटनाएं घटीं। बयान के मुताबिक, बांग्लादेश पुलिस ने अब सांप्रदायिक हिंसा की शिकायतें हासिल करने और अल्पसंख्यक समुदाय के नेताओं के संपर्क में रहने के लिए एक वॉट्सऐप नंबर जारी किया है मोहम्मद युनूस सरकार ने यह भी कहा है कि देश में सांप्रदायिक हमलों के खिलाफ कतई बर्दाश्त न करने वाली नीति है। उसने पुलिस को आरोपियों की गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। इसमें कहा गया है कि अंतरिम सरकार ने पीड़ितों को मुआवजा देने का भी ऐलान किया है। बांग्लादेश में पिछले कुछ महीनों में हिंदू सहित अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर कई हमले हुए हैं तथा उनके घरों एवं धार्मिक स्थलों पर तोड़फोड़ व आगजनी की घटनाएं घटी हैं। भारत ने इन घटनाओं को लेकर गंभीर चिंता जाहिर की है।

कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय जेल सतना (म.प्र.)

क्र. 604/निर्वाह/उद्योग/2025 — सतना, दिनांक 08/01/2025

ई-टेण्डर वार्षिक निविदा विज्ञप्ति (वर्ष 2025-26)

(प्रथम-आमंत्रण)

पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित फर्मों की ओर से सतना सर्किल के अन्तर्गत आने वाली निम्नानुसार जेलों को:-

1. केन्द्रीय जेल सतना 2. जिला जेल छतरपुर 3. जिला जेल पन्ना
4. सब जेल मैहर 5. सब जेल नागौद 6. सब जेल पवई
7. सब जेल बिजावर 8. सब जेल नौगांव 9. सब जेल लवकुशनगर

वर्ष 2025-26 के दौरान लगने वाली खाद्यान्न, सब्जियां, दवाईयां, अन्य सामग्रिया, कार्यालय उपकरण एवं उद्योग मे लगने वाला कच्चा माल की आपूर्ति हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा म.प्र. शासन की बेवसाईट www.mptenders.gov.in पर देखी एवं प्रस्तुत की जानी है।

क्र.	विवरण	दिनांक	स्थान
1.	प्री-बिड मीटिंग	दिनांक-21.01.2025 समय दोपहर 12 बजे	संबंधित जेल के जेल अधीक्षक कार्यालय में
2	निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि	दिनांक-03.02.2025 शाम 05.00 बजे तक	निविदा फार्म वेबसाईट www.mptenders.gov.in से प्राप्त किये जा सकते हैं।
2.	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	दिनांक-03.02.2025 समय शाम 06.00 बजे तक	निविदा वेबसाईट www.mptenders.gov.in में प्रस्तुत करना है।
3	सेम्पल, जमा करने की अंतिम तिथि	दिनांक-04.02.2025 समय दोपहर 12.00 बजे तक	संबंधित जेल के जेल अधीक्षक कार्यालय में
4.	तकनीकी निविदा खोलने एवं नमूना परीक्षण की तिथि	दिनांक-07.02.2025 समय दोपहर 12.00 बजे	संबंधित जेल के जेल अधीक्षक कार्यालय में
5.	वित्तीय निविदा खोलने की तिथि	दिनांक-08.02.2025 समय दोपहर 12.00 बजे	संबंधित जेल के जेल अधीक्षक कार्यालय में

निविदा फार्म का मूल्य रूपये 1000/- है। जो ऊपर दर्शित बेवसाईट पर (Online System) क्रेडिट कार्ड या आनलाईन भुगतान कर क्रय किये जा सकते हैं। केन्द्रीय जेल सतना से संबंधित निविदा कार्यवाही अधीक्षक कार्यालय सतना में सम्पादित की जायेगी। तथा जिला जेल पन्ना, छतरपुर, सब जेल मैहर, नागौद, पवई, लवकुशनगर, बिजावर, नौगांव की निविदा कार्यवाही संबंधित जेल द्वारा सम्पादित की जायेगीं।

दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

(लीना-कोष्टा) जेल अधीक्षक
केन्द्रीय जेल सतना (म.प्र.)

G-21553/24

निविद/ नियुक्ति/ जाहिरात

(फौती)

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर

रा.प्र.क्रं/1574/अ-6/2024-2025

आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक नरेश शर्मा/ स्व. सुदर्शन लाल शर्मा नि. 353/56 ब्यौहारबाग नेहरू वार्ड जबलपुर ने नजूल ब्लाक नं. ... प्लाट नं. ... निर्मित रकवा 0.0907 /व.फु./अवि. हिस्सा .... /ग्राम रांझी प.ह.नं. .... खसरा नं. 192/1 रकवा 0.0907 वर्गफुट/हे. विक्रय पत्र/हकत्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक 08/07/1958 मृत्यु दिनांक 10/09/1986, 06/10/2019 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र, ... खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं. ... प्लाट नं. ... निर्मित रकवा 0.0907 /व.फु./अवि. हिस्सा .... /ग्राम रांझी प.ह.नं. .... खसरा नं. 192/1 रकवा 0.0907 व.फु./हे. सत्यप्रकाश मोहता/ प्रकाश मोहता बगैरा के नाम दर्ज है। अत: किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 20/01/2025 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी। इश्तहार आज दिनांक 03/01/2024 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक 03/01/2024
पेशी दिनांक 20/01/2025

तहसीलदार, रांझी, जबलपुर

र.नं. 2636

यूनुस सरकार ने भारतीय उच्चायुक्त को किया तलब

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने भारत के उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया है, यह कदम दोनों देशों के बीच सीमा तनाव के बढ़ने के बीच उठाया गया है। बांग्लादेश सरकार ने भारतीय सेना की ओर से सीमा क्षेत्र में कथित तौर पर फायरिंग का आरोप लगाया है। इस कथित घटना के बाद सरहद पर दोनों देशों के रिश्तों में तनाव पैदा हो गया है। यह घटना 10 और 11 जनवरी की दरमियानी रात को सीमा चौकी नवादा पर घटित हुई।

हालांकि जब 15-20 हथियारबंद तस्करों के एक समूह ने बीएसएफ कर्मियों की चेतावनियों को नजरअंदाज करते हुए, तस्करी के सामान को जबरन सीमा पार ले जाने का प्रयास किया।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस कार्यालय प्राचार्य, स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नरसिंहपुर (म.प्र.) (अग्रणी महाविद्यालय)

Phone-07792-230335, Fa&-07792-230331,
EMail-hegpgenar@mp.gov.in
148/स्था./2025, नरसिंहपुर दि. 11.1.2025

// निविदा आमंत्रण सूचना//

महाविद्यालय द्वारा GeM Portal पर सत्र 2024-25 के लिए अनुसूचित जाति/जनजाति विद्यार्थियों को नि:शुल्क वितरण हेतु स्टेशनरी हेतु सामग्री क्रय करने की निविदा आमंत्रित की गयी है। संबंधित इच्छुक निविदाकार पोर्टल पर जाकर निविदा प्रक्रिया में दिनांक 20.1.2025 तक भाग ले सकते हैं। निविदा इस प्रकार है- BID NO: GEM/2025/B/5801083, (SC/ST Stationary), Dated-9-01-2025, End Date-20-1-2025

प्राचार्य, शास. स्नात. महाविद्यालय नरसिंहपुर

भूकंप के झटकों से थर्राया मेक्सिको, रिएक्टर स्केल पर 6.4 तीव्रता

मिचोआकेन। मेक्सिको के मिचोआकेन से भूकंप की खबर सामने आई है। बताया जा रहा है मिचोआकेन तट के पास 6.4 तीव्रता का भूकंप आया है। भूविज्ञान केंद्र (जीएफजेड) ने इसकी जानकारी दी। जीएफजेड ने कहा कि भूकंप 91 किमी (56.54 मील) की गहराई पर था। फिलहाल अभी भूकंप को लेकर किसी के मरने की कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इससे पहले भी क्षेत्र में भूकंप आया था। मेक्सिको में महसूस किए गए भूकंप के झटके (फाइल फोटो) रायटर्स, मेक्सिको। मेक्सिको के मिचोआकेन से भूकंप की खबर सामने आई है। बताया जा रहा है, मिचोआकेन तट के पास 6.4 तीव्रता का भूकंप आया। भूविज्ञान केंद्र (जीएफजेड) ने इसकी जानकारी दी जीएफजेड ने कहा कि भूकंप 91 किमी (56.54 मील) की गहराई पर था। इससे पहले मध्य मेक्सिको में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। रिएक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.8 आंकी गई। भूंकप से इमारतें हिलने लगीं जिससे पूरी राजधानी में अलॉर्म बज गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष....

अभी और कड़ाके....बस अड्डा पर भी भीड़ नजर नहीं आई जिससे बसें कम सवारी के सहारे ही चल रही थी। बेसहारा मवेशी दीवारों के सहारे या खंडहर भवनों में बैठकर ठंड से अपना बचाव करते नजर आए। बारिश सरसों ,गेहूं व अन्य फसलों के लिए काफी फायदेमंद मानी जा रही है। कोहरे के कारण अगेती सरसों की फसल को ज्यादा नुकसान हो रहा था। कई खेतों में किसान गेहूं व सरसों की फसलों पर बढ़वार के लिए यूरिया खाद छिड़कते नजर आए।

देश-प्रदेश

उवाच

शाह बोले- दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने जा रही

शिरडी, एजेंसी। स्वामी विवेकानंद जयंती के मौके पर महाराष्ट्र के शिरडी में रविवार को महाराष्ट्र बीजेपी का राज्य स्तरीय अधिवेशन आयोजित किया गया। इसमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी शामिल हुए और कर्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर भी बड़ी भविष्यवाणी की है। शाह ने कहा, दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है। 2024 में महाराष्ट्र में बंपर जीत से साल का अंत हुआ और दिल्ली जीतकर नए साल 2025 की शुरुआत होगी।

शौर्य स्मारक में 18 हजार स्क्वायर फीट क्षेत्र में बनाई स्वामी विवेकानंद पर रंगोली, मुख्यमंत्री ने सराहा, बोले-

सृजनात्मकता का जीवंत प्रतीक है विशाल रंगोली

गोल्डन बुक ऑफ विश्व रिकॉर्ड में दर्ज हुई रंगोली

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वामी विवेकानंद की जयंती और प्रदेश में युवा शक्ति मिशन के शुभारंभ पर शौर्य स्मारक में 18 हजार स्क्वायर फीट क्षेत्र में बनाई गई स्वामी जी की विश्व की सबसे बड़ी 3D रंगोली, भारतीय संस्कृति और सृजनात्मकता का जीवंत प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसकी सराहना करते हुए कहा कि अद्भुत कौशल और अतुलनीय कला से समृद्ध हमारी युवा बेटियों की यह पहल प्रत्येक युवा को हमारे प्रदेश का नाम गर्व से ऊंचा करने की निरंतर प्रेरणा देती रहेगी। इस विशिष्ट रंगोली को गोल्डन बुक ऑफ विश्व रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है।

चार हजार किलोग्राम प्राकृतिक रंगों का उपयोग कर 225×80 फीट क्षेत्र में बनाई गई इस रंगोली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के चित्र को भी बखूबी दर्शाया गया। रंगोली के माध्यम से धरती को सुरक्षित और संरक्षित करने के लिये युवाओं के संकल्प और उत्साह को भी प्रदर्शित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को इस विशिष्ट रंगोली के गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होने का सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े ने रंगोली का चित्र भेंट किया। उल्लेखनीय है कि यह विशिष्ट रंगोली इंदौर की रंगोली कलाकार शिखा शर्मा जोशी और उनकी टीम द्वारा बनाई गई। सुश्री शिखा नेपाल और थाईलेंड में उत्कृष्ट पुरस्कार जीत चुकी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुश्री शिखा और उनकी टीम के अन्य कलाकारों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय युवा दिवस पर भोपाल स्थित शौर्य स्मारक में 3D रंगोली का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जनसंपर्क आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन के शुभारंभ पर शौर्य स्मारक में बनाई गई 18 हजार स्क्वायर फीट में 3D रंगोली का चित्र भेंट किया।

मुख्यमंत्री ने सवा करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों के खातों में भेजी राशि, कहा-

गरीब, किसान, युवा और महिला कल्याण के लिये मिशन मोड पर हो रहा काम

शाजापुर/भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार समाज के हर वर्ग के हित के लिए कार्य कर रही है। प्रदेश में महिला, युवा, गरीब और किसानों के लिए मिशन मोड में कार्य किया जा रहा है। आज से 125 वर्ष पहले जब हमारा भारत गुलाम था और निराशा में डूबा हुआ था, तब स्वामी विवेकानंद ने उस निराशा को दूर करते हुए सब में उत्साह भरा और कहा था कि 21वीं शताब्दी भारत एवं सनातन संस्कृति की होगी। उनका यह कथन आज प्रधानमंत्री श्री मोदी के कुशल नेतृत्व में सत्य सिद्ध हो रहा है। आज विश्व में भारत का दौर चल रहा है। स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर हम सभी संकल्प लें कि भारत के साथ मध्य प्रदेश के विकास के लिए कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करेंगे। सबके साथ से देश की तरक्की और सब का विकास होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को शाजापुर जिले की तहसील कालापीपल में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश की 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1553 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की। साथ ही 55 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों के खातों में 335 करोड़ रुपये और 26 लाख बहनों को सिलेण्डर रीफिलिंग के लिये दी जाने वाली राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 10 करोड़ 11 लाख राशि के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किये गये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्र के विकास के लिए भी अनेक घोषणाएँ की। उन्होंने कालापीपल तहसील को राजस्व अनुभाग बनाने तथा पोलायकलां उप मंडी को मुख्य मंडी बनाए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कालापीपल में 15 ग्रामीण सड़कों के निर्माण और 11 गाँव के नाम बदलने की घोषणा की। ग्राम निपानिया हिस्सामुद्दीन को निपानिया देव, ढाबला हुसैनपुर को ढाबला राम, मोहम्मदपुर पवाड़िया को रामपुर पवाड़िया, खजूरी अलाहदाद को खजूरी राम, हाजीपुर को हीरापुर,

मोहम्मदपुर मछनाई को मोहनपुर, रीछड़ी मुरादाबाद को रीछड़ी, खलीलपुर (ग्राम पंचायत सिलोंदा) को रामपुर, ऊँचोद को ऊँचावद, घट्टी मुख्त्यारपुर को घट्टी और शेखपुर बोंगी को अवधपुरी नाम देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण हमारी प्राथमिकता है। हमारी सनातन संस्कृति में महिलाओं का सम्मान सर्वोच्च है। प्रदेश में लाड़ली बहना योजना एवं अन्य योजनाओं का लाभ महिलाओं को निरंतर मिलता रहेगा। लाड़ली बहनों को हर माह राशि मिलेगी, वर्ष में एक बार नहीं हर माह रक्षाबंधन मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम निरंतर गरीब कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं। वर्ष 2003-4 में जहां मध्य प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 7500 रुपए वार्षिक थी, आज बढ़कर 1 लाख 40 हजार रुपए हो गई है। हर व्यक्ति को 24 घंटे बिजली मिल रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हर गरीब को पक्का मकान दिलाने का संकल्प लिया है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से हर घर में गैस कनेक्शन दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सुशासन हमारा लक्ष्य है। पहले अपने कामों के लिए पटवारी को ढूंढना पड़ता था लेकिन अब नामांतरण, बटवारा जैसे कार्य आसानी से हो जाते हैं। साइबर तहसील योजना के माध्यम से रजिस्ट्री के साथ ही नामांतरण अपने आप हो जाता है। अब विद्यार्थियों को मार्कशीट और टीसी आदि के लिए चक्कर नहीं लगाने पड़ते, डिजिलॉकर के माध्यम से यह दस्तावेज मोबाइल पर ही प्राप्त हो जाते हैं।

- किसानों को सिंचाई के लिये दिन में देंगे 8 से 10 घंटे बिजली
- कालापीपल के 155 ग्रामों को भी मिलेगा पीकेसी परियोजना से जल

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्प के अनुरूप (गरीब, युवा, किसान और महिला) पर ध्यान के विज़न पर अमल करने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में महाअभियान चल रहा है। मध्यप्रदेश इसमें अग्रणी है। क्षेत्रीय विधायक घनश्याम चंद्रवंशी ने क्षेत्र के विकास के लिये अनेक प्रस्ताव रखे। कार्यक्रम में जन-प्रतिनिधि, अधिकारी, बड़ी संख्या में लाड़ली बहनें, किसान बंधु और आमजन उपस्थित रहे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने परिवहन मामले को लेकर उठाए सवाल, कहा-

66 पेज की डायरी आने के बाद भी पूछताछ और जांच क्यों नहीं

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सौरभ शर्मा के मामले को लेकर राज्य सरकार और जांच एजेंसियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। श्री पटवारी ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि अब तक सरकार के मंत्रियों से पूछताछ क्यों नहीं की गई है और परिवहन विभाग के मौजूदा तथा पूर्व मंत्रियों से जांच क्यों नहीं की जा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कथन का हवाला देते हुए कहा, मोदी जी कहते हैं ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा, लेकिन सच्चाई यह है कि भाजपा नेताओं और सरकार के दबाव के चलते जांच एजेंसियां सरकार के इशारों पर काम कर रही हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सौरभ शर्मा के मामले में सिर्फ छह पेज सामने आए हैं, जबकि 66 पेज की पूरी डायरी मौजूद है। अगर सौरभ शर्मा नहीं मिल रहे हैं, तो उस डायरी में जिन-जिन लोगों के नाम हैं, उनके खिलाफ जांच होनी चाहिए। श्री पटवारी ने आरोप लगाया, चोरों को बचाने के लिए सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। इसलिए हम कहते हैं कि संविधान खतरे में है। उन्होंने कहा कि सौरभ शर्मा की जान को अभी भी खतरा है और उनके करीबियों से भी अब तक पूछताछ नहीं हो रही है। सौरभ शर्मा के मामले में ऐसा लग रहा है कि जांच बंद कर दी गई है।

सड़कों पर उतरे युवा, जगह-जगह हुए प्रदर्शन

- बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने की मांग
- तोड़फोड़ के लिए पप्पू यादव पर एफआईआर

बिहार बंद का रहा मिला-जुला असर

पटना, 12 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा को रद्द कर पुनर्परीक्षा की मांग को लेकर बीपीएससी छात्रों के समर्थन में पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के रविवार को राज्यव्यापी 'बिहार बंद' का मिलाजुला असर देखा गया। पप्पू यादव के रविवार को बिहार बंद के आह्वान पर छात्र युवा शक्ति के बैनर तले बड़ी संख्या में युवा और छात्र सुबह सड़कों पर उतर गए। पटना के अशोक राजपथ पर छात्रों ने सड़क पर टायर जलाकर मार्ग अवरुद्ध कर दिया तो पटना के डाक बंगला चौराहे पर भी बंद समर्थकों ने मार्ग को जाम किया।

पटना, हाजीपुर, पूर्णिया, मधेपुरा, सहरसा, सुपौल, गया समेत कई जगहों पर सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारी सड़क पर आगजनी कर प्रदर्शन कर रहे हैं। इनका कहना है कि बीपीएससी 70वीं पीटी परीक्षा को रद्द करे और फिर से परीक्षा ले। प्रदर्शनकारी नीतीश सरकार के विरोध में नारेबाजी कर रहे थे।

प्रेमचंद सिंह के नेतृत्व में समर्थकों ने बोरिंग रोड, राजेश पप्पू के नेतृत्व में अशोक राज पथ, राजू दानवीर के नेतृत्व में राजेंद्र नगर कंकड़बाग को छात्र युवा संगठन के लोगों ने बंद कराया। प्रदर्शन के दौरान कई लोगों को पुलिस ने हिरासत में भी लिया।

तोड़फोड़ के लिए पप्पू यादव पर एफआईआर -पूर्णिया सांसद पप्पू यादव अपने समर्थकों के साथ बिहार बंद कराने पटना की सड़कों पर उतरे। बिहार बंद के दौरान समर्थकों को संबोधित करते हुए पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने कहा कि सरकार ने जनता को कफ़न ओढ़ने पर मजबूर कर दिया है। बिहार बंद के दौरान तोड़फोड़ करने के आरोप में सांसद पप्पू यादव और उनके समर्थकों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। 70वीं पीटी परीक्षा में पेपर लीक के दावों के कारण, प्रदर्शनकारी छात्र इस परीक्षा को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। बीते काफी दिनों से प्रदर्शनकारी छात्र इसको लेकर पटना के गर्दनीबाग में धरना दे रहे हैं।

इंडिया गठबंधन मजबूत है और मजबूत रहेगा : अखिलेश यादव

लखनऊ, 12 जनवरी (देशबन्धु)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने मिल्कीपुर उपचुनाव में जीत का दावा करते हुए कहा कि उनकी पार्टी हर हाल में चुनाव जीतेगी। लेकिन अगर गन प्वाइंट पर चुनाव जीतने की कोशिश की गई तो उनके कार्यकर्ता उस समय जो फैसला ले सकते हैं, वह लें, इस बात को मन में रखें।

रविवार को सपा मुखिया अखिलेश यादव लखनऊ में विवेकानंद की जयंती पर पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मिल्कीपुर उपचुनाव पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि मिल्कीपुर चुनाव में गन प्वाइंट पर गड़बड़ी की गई तो मैं अपने कार्यकर्ताओं से कहूंगा, उस समय जो फैसला ले सकते हैं, लें।

18 राज्यों में कोहरे का कहर जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में बर्फबारी के कारण कई इलाकों में तापमान 0 डिग्री से नीचे बना हुआ है, इस कारण यहां बर्फीली हवाएं चल रही हैं, जिसका असर उत्तर भारत के राज्यों में भी देखने को मिल रहा है।

दिल्ली समेत देश के 18 राज्यों में आज घना कोहरा देखने को मिला। धुंध का सबसे ज्यादा असर पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में दिखा। दिल्ली में

- दृश्यता घटने से ट्रेन और उड़ानों में भी हुई देरी
- मप्र में बारिश का अलर्ट

दृश्यता घटने से 45 ट्रेनें और कुछ फ्लाइट्स लेट हुईं। उत्तर प्रदेश के कानपुर, मैनपुरी, फतेहपुर, रायबरेली में न्यूनतम तापमान 4 से 5 डिग्री के बीच रहा। अयोध्या लगातार दूसरे दिन पूरे प्रदेश में सबसे ठंडा जिला रहा। यहां तापमान 4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मध्यप्रदेश के मुरैना, ग्वालियर, भिंड, दतिया के रतनगढ़, श्योपुर, शिवपुरी और गुना में बारिश हुई और आंधी चली। भोपाल में भी रविवार सुबह बारिश हुई। द्यराजस्थान के जोधपुर, नागौर, फलौदी के आसपास कई जगह ओले गिरे। मध्य प्रदेश-राजस्थान के अलावा आज देश के 17 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

बारिश से वायु गुणवत्ता में सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली और उसके पड़ोसी शहरों में शनिवार शाम हल्की बारिश हुई, जिससे रविवार सुबह वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ और यह 'खराब' श्रेणी में पहुंच गई। दिल्ली और उसके पड़ोसी शहरों जैसे गाजियाबाद और नोएडा में शनिवार शाम को बारिश हुई थी।

नाम परिवर्तन सूचना

I, Army No 13766015P Rank HAV Name BALWINDER SINGH Presently residing at Vill- SINGHA PO- KANG SAHBU Teh- JALANDHAR Distt JALADHAR (PB) PIN-144630 शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि मेरे सर्विस रिकार्ड में माता का नाम JASBIR KOUR दर्ज है जो कि गलत है मेरी माता का सही एवं वास्तविक नाम JASVIR KAUR है जो कि मेरी माता के आधार कार्ड एवं अन्य कागजातों में दर्ज है एवं मेरी माता के इस नाम को पढ़ा व सुना एवं मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जावे। द्वारा शपथ पत्र नं. 38AA 239934 दिनांक 09/01/2025 नोटरी जबलपुर म प्र

गलत नाम-JASBIR KOUR

सही नाम-JASVIR KAUR कृति

तैयारी — मोदी की सोनमर्ग यात्रा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण

जम्मू-कश्मीर के गंदेरबल में जेड-मोड़ सुरंग का करेंगे उद्घाटन

श्रीनगर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोनमर्ग यात्रा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं, जहां वह सोमवार को जम्मू-कश्मीर के गंदेरबल जिले में रणनीतिक 6.4 किलोमीटर लंबी जेड-मोड़ सुरंग का उद्घाटन करेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री का सोमवार को सुबह करीब 11 बजे श्रीनगर के।

तकनीकी हवाई अड्डे पर पहुंचने का कार्यक्रम है। उन्होंने बताया कि वहां से वह जेड-मोड़ सुरंग के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करने के लिए विशेष हेलीकॉप्टर के जरिए सोनमर्ग में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के अलावा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल होंगे। सुरंग के उद्घाटन के तुरंत बाद प्रधानमंत्री एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम करने वाले सुरंग निर्माण श्रमिकों और इंजीनियरों से मिलेंगे तथा इस इंजीनियरिंग उपलब्धि में उनके योगदान को स्वीकार करेंगे। पिछले साल अक्टूबर में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार के सत्ता में आने के बाद से यह प्रधानमंत्री का पहला दौरा है। अधिकारियों ने कहा कि कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए सभी पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई हैं। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने गत शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोमवार को सोनमर्ग दौरे की तैयारियों की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा की। कार्यक्रम के बिना किसी घटना के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए बहु-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था भी की गई है।

- सुरंग निर्माण में 27 सौ करोड़ रुपए से अधिक की आई लागत

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री की सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाले विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) ने सोनमर्ग के शुटकडी गांव में जेड-मोड़ सुरंग के उद्घाटन स्थल की सुरक्षा का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है। पूरे गंदेरबल जिले में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के साथ समन्वय में एसपीजी मोदी की सुचारू यात्रा सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही है। श्रीनगर और गंदेरबल जिले के रास्ते में, सुरक्षा बलों को दोपहिया वाहनों सहित वाहनों की बेतरतीब ढंग से जांच करते देखा गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रधानमंत्री की सोनमर्ग यात्रा के दौरान कोई अप्रिय घटना न हो। गौरतलब है कि जेड-मोड़ सुरंग परियोजना का निर्माण 2,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया गया है। इसमें सोनमर्ग मुख्य सुरंग, एक निकास सुरंग और पहुंच मार्ग शामिल हैं। यह सोनमर्ग को साल भर के गंतव्य में बदलकर पर्यटन को भी बढ़ावा देगा, जिससे शीतकालीन पर्यटन, साहसिक खेल और स्थानीय आजीविका को बढ़ावा मिलेगा।

ज़ुआरी फार्महब लिमिटेड FaymHUB

पंजीकृत कार्यालय: जय किसान भवन, ज़ुआरीनगर, गोवा-403726, भारत

उर्वरकों के 100% जल में घुलनशील मिश्रण के भंडारण और बिक्री के लिए सूचना

हमें आम जनता को यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी आदेश संख्या 2900 (ई) दिनांकित 24 अक्टूबर 2015 और उसके बाद हुए संशोधन के संदर्भ में, ज़ुआरी फार्महब लिमिटेड (ज़ेडएफएल) मध्य प्रदेश राज्य में उर्वरकों के निम्नलिखित 100% जल में घुलनशील मिश्रण का भंडारण और बिक्री शुरू करेगा।

Grades	1	2
Specification / Composition	NPK with Micronutrients 10:09:16	NPK 00:60:20
Moisture per cent by weight, maximum	0.5	0.5
Total Nitrogen per cent by weight, minimum	10.0	0.0
Water soluble Phosphorous(as P_2O_5) per cent by weight, minimum	9.0	60.0
Water soluble Potassium(as K_2O) per cent by weight, minimum	16.0	20.0
Sodium(as Nacl) per cent by weight on dry basis, maximum	0.5	0.5
Matter insoluble in water per cent by weight, maximum	0.5	0.5
Sulphur (as S) per cent by weight, minimum	2.0	-
Magnesium(as MgO) per cent by weight, minimum	2.0	-
Calcium (as CaO) per cent by weight, minimum	2.0	-
Boron(as B) per cent by weight, minimum	0.003	-
Molybdenum (as Mo) per cent by weight, minimum	0.001	-
Total chloride(as Cl) per cent by weight on dry basis, max	1.5	1.5
Lead(as Pb) per cent by weight, maximum	0.003	0.003
Cadmium(as Cd) per cent by weight, maximum	0.0025	0.0025
Arsenic(as As) per cent by weight, maximum	0.01	0.01

र.नं. 2232

देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार 13 जनवरी 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

संभल मामले में योगी की नयी टिप्पणी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाचार चैनल के मंच से कहा है कि अगर धर्मग्रंथों और पुरातात्विक साक्ष्यों से पता चलता है कि संभल में कल्कि को समर्पित हरिहर मंदिर शाही जामा मस्जिद के निर्माण से पहले मौजूद था, तो मुस्लिम समुदाय को इस मुगलकालीन मस्जिद को सम्मानजनक तरीके से हिंदुओं को सौंप देना चाहिए, श्री योगी ने संभल की शाही जामा मस्जिद के संदर्भ में यह भी कहा कि किसी को 'किसी भी विवादित ढांचे' को मस्जिद के रूप में संदर्भित नहीं करना चाहिए। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी की ये टिप्पणियां दिसंबर 2024 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश की पृष्ठभूमि में आई हैं, जिसमें देश की अदालतों को अन्य धार्मिक स्थानों पर दावा करने वाले किसी भी नए मुकदमे को दर्ज नहीं करने का निर्देश दिया गया है.

इस बयान से ऐसा लगता है मानो योगी आदित्यनाथ अब अल्पसंख्यकों को सीधे-सीधे चेतावनी दे रहे हैं। हालांकि वे पहले भी उग्र हिंदुत्व के पक्ष में झुके हुए बयान दे चुके हैं और उनके बुलडोजर न्याय को भाजपा में इतना पसंद किया गया कि अनेक राज्यों में उसका अनुसरण किया गया। प्रसंगवश बता दें कि बुलडोजर न्याय पर भी सुप्रीम कोर्ट सख्त टिप्पणी कर चुका है। लेकिन बुलडोजर न्याय के बाद अब श्री योगी संभवत: यह भी तय करने लगे हैं कि मुसलमान किस ढांचे को मस्जिद मानें और किसे नहीं। मुख्यमंत्री जैसे पद पर बैठे व्यक्ति के लिए इस तरह के बयान देना न केवल संविधान की भावना के विपरीत है। बल्कि पद की गरिमा भी इससे घटती है, क्योंकि वे ऐसा कहकर एक समुदाय विशेष के साथ खड़े हो रहे हैं तथा दूसरे समुदाय के विरुद्ध बयान दे रहे हैं। हालांकि इस बारे में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से लेकर निचले क्रम के कार्यकर्ताओं का हाल एक जैसा ही है। प्रधानमंत्री पद हो, मुख्यमंत्री का पद हो या सांसद या विधायक, भाजपा की हिंदूवादी राजनीति हर ओहदे पर भारी पड़ जाती है।

मुख्यमंत्री योगी ने 'हर विवादित ढांचे को मस्जिद कहना ठीक नहीं है।' जैसा बयान देश भर में अनेक मंदिरों व मस्जिदों को लेकर हो रहे विवादों के परिप्रेक्ष्य में दिया है लेकिन इसमें हिन्दू-मुस्लिम दोनों के लिये स्पष्ट संदेश हैं। आगे वे कहते हैं कि 'जिस दिन उन्हें मस्जिद कहना बन्द कर दिया जायेगा, तो लोग उनमें जाना भी छोड़ देंगे।' उन्होंने अपने बयान को न्यायसंगत बतलाने के लिये दो-तीन तर्क दिये। पहला तो यह कि 'ऐसे स्थानों पर की जाने वाली इबादत को खुदा भी स्वीकार नहीं करेगा।' यानी वे कहना चाहते हैं कि किसी भी विवादग्रस्त ढांचे में नमाज़ पढ़ी भी जाये तो उसका कोई उपयोग नहीं है। आदित्यनाथ ने दूसरी जो बात कही वह अल्पसंख्यकों के मन में और भी खौफ़ पैदा कर सकती है। उन्होंने एक तरह से मस्जिदों की उपयोगिता और अस्तित्व पर ही सवाल खड़ा कर दिये तथा यह भी बताया कि तमाम मस्जिदें निरर्थक हैं तथा ढांचे तो केवल सनातन धर्म यानी हिन्दुओं को ही चाहिये। उनका आशय यह था कि ढांचे के बिना भी मुसलमान उपासना कर सकते हैं। यानी मुस्लिम कहीं भी नमाज़ पढ़ सकते हैं जबकि हिन्दुओं को कोई स्ट्रक्चर अनिवार्यत: चाहिये ही होता है।

ध्यान से देखें तो यह बयान बहुत ही खतरनाक है तथा एक वर्ग विशेष में उन्माद की नयी लहर पैदा कर सकता है। वैसे भी भारतीय जनता पार्टी, उसके सहयोगी संगठनों तथा छिटपुट समूहों द्वारा देश भर में मंदिर-मस्जिद के विवाद खड़े किये जा रहे हैं। आये दिन किसी न किसी शहर की मस्जिद के सामने या भीतर उपद्रव हो रहे हैं या फिर कभी इस मस्जिद की खुदाई की मांग हो रही है तो कभी उस मस्जिद के भीतर हिन्दू देवी-देवता होने के दावे सामने आते हैं। इन सबके कारण अक्सर विवाद हिंसक रूप ले रहे हैं। योगी के अपने राज्य के संभल में इसी के चलते लगी आग अब तक पूरी तरह से ठंडी नहीं हो पायी है कि राज्य के मुखिया नये सिरे से उसी आग को भड़काने में लगे हैं। अब की यह आग उनके राज्य में सीमित न रहकर देश भर में फैल सकती है।

मुख्यमंत्री योगी ने 14 जनवरी से शुरू होने वाले महाकुम्भ में मुसलमान दुकानदारों द्वारा दुकानें न लगाने देने की बात को एक तरह से यह कहकर स्वीकार कर लिया कि 'वहां कुछ लोग कुत्सित मानसिकता के साथ आते हैं। उनके साथ अन्य तरह का व्यवहार हो सकता है। ऐसे लोगों को आना ही क्यों चाहिये? जिनके मन में भारत व भारतीयता के प्रति आदर है वे ही यहां आएं।' योगी जिस पद पर बैठे हैं उनका दायित्व सभी को सुरक्षा देना तथा संवैधानिक नियम-कानूनों का पालन करना-कराना है। इसके विपरीत यह बयान एक वर्ग को डराना तथा दूसरे वर्ग (कानून तोड़ने वालों) को भड़काना और उसे अपने संरक्षण की गारंटी देना है।

संभल के बाबत भी उन्होंने दावा किया कि वहां हरि विष्णु मंदिर था जिसे तोड़कर जामा मस्जिद बनाई गई है। ऐसा दावा करते हुए योगी ने कहा कि अकबर द्वारा लिखित आइन-ए-अकबरी (वर्ष 1526) में इस बात का उल्लेख है तथा शास्त्रीय प्रमाण उपलब्ध हैं। एक मुख्यमंत्री द्वारा निर्णय तक पहुंचना कतई उचित नहीं कहा जा सकता क्योंकि यह मामला न्यायाधीन है। उनके द्वारा ऐसा कहना एक समुदाय को सीधा समर्थन देने जैसा है।

एकला चलो या गठबंधन : कांग्रेस के 25 साल में कई प्रयोग!

कांग्रेस में प्रयोग का दौर लंबा चल गया। पार्टी अपनी क्षमता और कमजोरियों को पहचानने के बदले गठबंधन करने या न करने के एक छोर से दूसरे छोर के बीच लगभग 25 सालों से झूल रही है।

देश की सबसे पुरानी पार्टी जो आजादी के आन्दोलन के नेतृत्व में कभी भ्रम या अनिश्चितता का शिकार नहीं हुई वह अब अधिकतर अनिर्णय की स्थिति में रहने लगी है। 139 साल पुरानी पार्टी है। पुराना होने का मतलब पुख्तगी (मजबूती) होता है। विरासत से इरादों की मजबूती सीखना। इन्दिरा गांधी कहती थीं- दूरदृष्टि कड़ी मेहनत पुख्ता इरादा। सीखना चाहिए। लोगों को अभी भी कांग्रेस से बहुत अपेक्षाएं हैं। जो विपक्षी दल इन्डिया गठबंधन टूट जाने की बातें कर रहे हैं वह भी यह कह रहे हैं कि कांग्रेस को इसे बचाने के लिए कुछ पहल करना चाहिए। सीधी बात है कि राष्ट्रीय दल एकमात्र है। इन्डिया गठबंधन के नेतृत्व का दावा कोई भी करे मगर किसी की पहुंच पूरे देश तक नहीं है। साढ़े दस साल से सत्ता में बनी भाजपा की भी नहीं।

उत्तर दक्षिण पूर्व पश्चिम हर जगह हर गांव कस्बे में कांग्रेस का झंडा होगा। कोई न कोई कांग्रेसी होगा जो 26 जनवरी 15 अगस्त को लेकर निकलता होगा। कांग्रेस को आप खारिज कर नहीं सकते। प्रधानमंत्री मोदी का इसीलिए सारा जोर कांग्रेस पर लगा रहता है।

यह कांग्रेस की क्षमता है। जिसे उसे समझने की जरूरत है। बेलगावी कर्नाटक की सीडब्ल्यूसी में कांग्रेस ने कहा कि 2025 में कोई काम नहीं है। सिर्फ दो चुनाव हैं। दिल्ली और फिर साल के आखिर में बिहार। दोनों जगह वह भाजपा की मुख्य प्रतिद्वंद्वी नहीं है। इसलिए कांग्रेस ने कहा कि वह 2025 को संगठन का साल बनाएगी। अच्छी बात है। क्योंकि खुद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इससे पहले दिल्ली की सीडब्ल्यूसी में बहुत ही साफ शब्दों में पार्टी की कमजोरियों को स्वीकार कर चुके हैं। एक संगठन नहीं। दो भयानक गुटबाजी। एक दूसरे को हराने में सारी ताकत लगाना। तीन कोई रणनीति नहीं। योजना बनाकर चुनाव नहीं लड़ना। चार चुनावों की पहले से तैयारी नहीं करना। सामने आ जाने पर जैसे तैसे लड़ लेना।

यह कमजोरियां हैं। तो ताकत और कमजोरी दोनों हैं। मगर उन्हें समझने और फिर उन पर काम करना की जरूरत है। इस साल की शुरूआत संगठन के हिसाब से ठीक हो रही है कि उसका अपना नया मुख्यालय बनकर तैयार हो गया है। और 15 जनवरी को कांग्रेस संसदीय दल की नेता उसका उद्घाटन कर रही हैं। सोनिया ने ही इसका शिलान्यास किया था। बहुत पहले जब उनकी केन्द्र में सरकार थी। कांग्रेस के स्थापना दिवस 28 दिसंबर, 2009 को। पूरे 15 साल हो गए। अब बना।

खैर! साल अच्छा है। लेकिन यह पार्टी आफिस बनने, संगठन का साल घोषित करने के मामले कांग्रेस के अपने हैं। आन्तरिक। लेकिन दूसरा पहलू भी बहुत महत्वपूर्ण है। विपक्षी एकता का। कांग्रेस के लिए सबसे ज्यादा। इसलिए कि कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने कभी भी बीजेपी से समझौता नहीं किया। और आज लड़ाई बीजेपी से ही है। और उस बीजेपी से जो

शकील अख्तर

गठबंधन हो या एकला चलो यह पार्टी की परिस्थितियों पर निर्भर करता है। इसका कोई सिद्धांत या नियम नहीं है। 1967 में समाजवादियों से गठबंधन करके ही भाजपा के तब के जनसंघ के देश की मुख्यधारा की राजनीति में आने के द्वार खुले। अगर लोहिया अपने अंध नेहरू विरोध में जनसंघ को साथ नहीं लाते तो वह हिन्दू महासभा की तरह ही सीमित दायरे की पार्टी बनकर रह जाती।

अपने इतिहास में सबसे मजबूत इसी समय है।

बाकी सारे विपक्षी दल कभी ना कभी बीजेपी के साथ रह चुके हैं उसका समर्थन कर चुके हैं। 1967 में लोहिया के गैर कांग्रेसवाद के समय, 1975 में जेपी आन्दोलन के समय, 1989 में वीपी के समय और लास्ट अभी 2012 -13 के अन्ना आन्दोलन के समय। लेफ्ट लालू, मुलायम, ममता सब कभी ना कभी बीजेपी के साथ एक नाव पर सवारी कर चुके हैं। कांग्रेस को हटाने के नाम पर बीजेपी का साथ सबने दिया। मगर कांग्रेस अभी है। जनता उसे चाहती है। कांग्रेस के बारे में वह शेर जो सुन-सुना कर हो तो बहुत प्रचलित गया है। मगर सटीक बैठता है कि-'मुद्दई लाख बुरा चाहे तो क्या होता है, वही होता है जो ...!'

और इसीलिए कांग्रेस की जिम्मेदारी भी बड़ी है। इन्डिया गठबंधन उसकी कोशिशों से बना था। दो काम एक साथ हो रहे थे। राहुल की पहली यात्रा। भारत जोड़ो। और इन्डिया गठबंधन की बैठकें। पटना, बैंगलूरू, मुम्बई। एकता संभव हुई। इन्डिया गठबंधन बना। और सफल रहा। रिएक्शन में भाजपा ने एनडीए की बैठक की। उस एनडीए की जिसका नाम भी बीजेपी नहीं लेती थी। इन्डिया गठबंधन पर तगड़े हमले शुरू हुए। भाजपा, मीडिया, मोदी सबके। उनका डर था। और वह सही निकला।

लोकसभा में भाजपा बहुमत से दूर रह गई। कहां उसके पास 2019 में 303 सीटें थीं। और 2024 में मोदी चार सौ पार का नारा लगा रहे थे। वहीं विपक्षी एकता के दम पर भाजपा के केवल 240 पर रुक गई। चन्द्रबाबू नायडू, नीतीश कुमार, चिराग पासवान, जयंत चौधरी और मांझी ऐसे कई छोटे-छोटे दलों का समर्थन लेना पड़ा। जैसा राहुल ने कहा 56 इंच की छाती नहीं रही। सही बात है। और यह संभव हुआ एक होकर लड़ने से। जनता का डर खत्म हुआ। वह सामने आई और छाती सिकुड़ गई।

अब दोनों बातें अलग-अलग हैं। पहली कांग्रेस के अपने संगठन की। जिसे उसे बिना किसी के लिहाज, फेवर, नाराज होने के डर और जो एक शब्द कांग्रेस में चलता है एडजस्ट करना से दूर होकर करना पड़ेगा। खुद खरगे के मानने, सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने के बाद कि संगठन कहीं नहीं है इस काम को सबसे टाप प्रायरटी पर करना होगा। बेलगावी सीडब्ल्यूसी में एक बात और कही थी कि योग्य लोगों को ढूंढ कर लाना होगा। यह सबसे महत्वपूर्ण है। गणेश परिक्रमा करने वालों से बचना होगा। दूसरी बात विपक्षी एकता की। यह भी उतनी ही जरूरी है। आप खुद समर्थ हों और साथ में साथी हों तो लड़ाई आसान हो जाती है। नहीं तो अकेले-अकेले सब दीवार से सिर फोड़ते रहते हैं।

कांग्रेस ने 2004 में जो वाजपेयी सरकार को हराकर जीत पाई थी वह गठबंधन राजनीति का ही परिणाम था। कांग्रेस ने 1998 में अपने पचमढ़ी सम्मेलन में एकला चलो की नीति अख्तियार की थी। मगर उसके बाद हुए 1998 और 1999 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई।

सोनिया गांधी कांग्रेस की अध्यक्ष थीं। उन्होंने 2003 में दूसरा चिंतन सम्मेलन किया। शिमला में। और यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाते हुए गठबंधन की राजनीति को स्वीकार किया। नतीजा फौरन मिला। 2004 में केन्द्र में यूपीए की सरकार बन गई। गठबंधन हो या एकला चलो यह पार्टी की परिस्थितियों पर निर्भर करता है। इसका कोई सिद्धांत या नियम नहीं है। 1967 में समाजवादियों से गठबंधन करके ही भाजपा के तब के जनसंघ के देश की मुख्यधारा की राजनीति में आने के द्वार खुले। अगर लोहिया अपने अंध नेहरू विरोध में जनसंघ को साथ नहीं लाते तो वह हिन्दू महासभा की तरह ही सीमित दायरे की पार्टी बनकर रह जाती। इसके बाद भाजपा सत्ता और अवसरवाद का मतलब समझने लगी। 1977 में उसने सत्ता के लिए अपनी पार्टी ही खतम कर दी। जनता पार्टी में विलिन हो गई। और फिर जब मोदी 2019 में अकेले 303 लाए तो उन्होंने गठबंधन एनडीए की बात करना ही बंद कर दी।

मतलब राजनीति परिस्थितियों के अनुसार होती है। राजीव गांधी जब 2004 में चार सौ से उपर सीटें लेकर आए तो क्या कांग्रेस अलाइंस का ए भी सुनना पसंद करती थी? आज अगर वह अकेले मोदी का मुकाबला कर सकती है तो उसे भी अलाइंस का ए नहीं सुनना चाहिए।

मगर ऐसा है नहीं। दिल्ली में तो खैर अलग -अलग लड़ रहे हैं। इसे कांग्रेस को अपवाद बताना चाहिए और बिहार के लिए और आगे के लिए स्पष्ट सोच के साथ सामने आना चाहिए। बिहार का जिक्र आया तो लास्ट यह और बता दें कि बिहार और यूपी में कांग्रेस पिछले 35 साल से यह जिगजैग (कभी हां कभी ना) कर रही है। नतीजा कुछ नहीं।

मतलब वही है। परिस्थिति के अनुसार समझौता या अकेले। मगर संगठन का काम पहले और मजबूती से। बिहार यूपी में है ही नहीं। बस अध्यक्ष पर अध्यक्ष बदले जाते हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

क्या बाबा साहेब की विचारधारा और हिंदू राष्ट्रवादी राजनीति से मेल खाती है?

जहां एक ओर अमित शाह द्वारा लोकसभा में किए गए बाबा साहेब के घोर अपमान की सारे देश में तीव्र निंदा हो रही है, वहीं दक्षिणपंथी हिंदू राष्ट्रवादी विचारक और चिंतक यह आख्यान सृजित करने में जुटे हुए हैं कि बाबा साहेब और सावरकर-आरएसएस तथा विशेषकर भाजपा में साम्यता थी (बलबीर पुंज एक्स पर: द रिसरेक्शन ऑफ डॉ. अम्बेडकर)। वे बाबा साहेब अम्बेडकर (बीए) के विस्तृत रचना संसार में से चुनिंदा हिस्से, कुछ इधर से और कुछ उधर से, उठाकर ऐसी तस्वीर पेश करने का प्रयास कर रहे हैं कि बाबा साहेब हिंदुत्व की विचारधारा के प्रशसंक थे।

वे अंबेडकर के इस कथन का हवाला देते हैं कि 'स्वामी श्रद्धानंद अस्पृश्यों के सबसे संजीदा हितैषी थे'। वे इस बात को नजरअंदाज कर देते हैं कि स्वामी मुस्लिमों को हिंदू बनाने के 'शुद्धिकरण' के कार्य से जुड़े हुए थे। इससे मुस्लिम मौलवी नाराज थे। इस शुद्धि के बारे में अम्बेडकर का कहना था - 'यदि हिंदू समाज अपना अस्तित्व कायम रखना चाहता है, तो उसे अपनी संख्या बढ़ाने पर ध्यान देने के बजाय अपनी एकजुटता को मज़बूत करने का प्रयास करना चाहिए। और इसका मतलब है जाति का उन्मूलन. जाति के उन्मूलन से ही हिंदू संगठित हो सकते हैं और जब वे जाति के उन्मूलन के जरिए संगठित होंगे, तब शुद्धि की जरूरत ही नहीं रहेगी'। यह तबलीगी जमात की तंजीम के समानांतर और उसके विपरीत धारा थी, जो हिंदुओं का धर्मपरिवर्तन कर उन्हें मुसलमान बनाने के प्रयासों में जुटी थी। हालांकि श्रद्धानंद बाद में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गए, लेकिन वे हिंदू संगठन से भी जुड़े हुए थे, जो हिंदू राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्ध हिंदू महासभा का हिस्सा था।

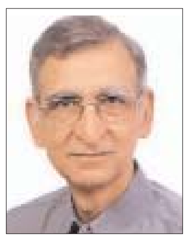

राम पुनियानी

अम्बेडकर और हिन्दुत्व विचारधारा के सबसे मुख्य मतभेदों को छिपाया जा रहा है। 13 अक्टूबर 1935 कों नासिक के निकट येओला में एक सभा को संबोधित करते हुए अम्बेडकर ने एक धमाकेदार बात कही, 'मैं एक हिंदू के रूप में नहीं मरूंगा'। उनके अनुसार इस धर्म में स्वतंत्रता, करूणा और समानता के लिए कोई स्थान नहीं है।

कई नए-नए दावे किए जा रहे हैं जैसे अम्बेडकर और सावरकर एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। यह सच है कि सावरकर ने पतित पावन मंदिर का निर्माण करवाया था जिसमें दलितों को आने की इजाजत थी। अम्बेडकर का मानना था कि यह एक ऐसा मंदिर बनकर रह जाएगा जिसमें सिर्फ दलित आएंगे। 'बहिष्कृत भारत' के 12 अप्रैल 1929 के अंक में प्रकाशित संपादकीय में जिक्र है कि अम्बेडकर ने शुरू से ही पतित पावन मंदिर के निर्माण का विरोध किया था। उनका मानना था कि ऐसे मंदिरों को बाद में अछूतों के मंदिरों के नाम से पुकारा जाने लगेगा। हालांकि अम्बेडकर ने सावरकर के प्रयासों की प्रशंसा की मगर उनका मानना था कि ऐसे प्रयास अप्रासंगिक हैं। इसी तरह की कुछ और बातें हिंदुत्ववादी विचारक कहते हैं। वे अम्बेडकर और कांग्रेस में मतभेदों का मुद्दा बढ़-चढ़कर उठाते हैं। उनका तर्क यह रहता है कि गांधी और पटेल की मृत्यु के बाद नेहरू निरंकुश हो गए और विपक्ष की उपेक्षा करने लगे। जैसा कि अमित शाह ने कहा कि अम्बेडकर ने नेहरूजी की मंत्रिपरिषद से इस्तीफा अनुच्छेद 370, विदेश नीति और अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग की स्थिति जैसे मुद्दों पर नेहरूजी से मतभेदों के कारण दिया। वास्तविकता यह है कि अम्बेडकर द्वारा मंत्रिपरिषद से इस्तीफा दिए जाने का सबसे बड़ा कारण था हिंदू कोड बिल के प्रति अपनाए जा रहे उपेक्षापूर्ण रवैये को लेकर उनकी निराशा। आरएसएस द्वारा इसका जबरदस्त विरोध किया जा रहा था और सभाएं आयोजित की जा रही थीं. उसके कार्यकर्ता संसद के समक्ष प्रदर्शन कर रहे थे। इसका शीर्ष था दिल्ली के रामलीला मैदान में 11 दिसंबर 1949 को किया गया आयोजन जिसमें नेहरू और अंबेडकर के पुतले जलाए गए।

हिंदू कोड बिल का विरोध करते हुए आर्गनाईजर ने 7 दिसंबर 1949 के अंक में लिखा- 'हम हिंदू कोड बिल का विरोध करते हैं। हम इसका विरोध इसलिए कर रहे हैं क्योंकि यह एक अपमानजनक बिल है जो अनैतिक एवं विदेशी विचारों पर आधारित है। यह हिंदू कोड बिल नहीं है। इसमें हिंदू जैसा कुछ भी नहीं है'। आरएसएस के इस आक्रामक अभियान का नतीजा यह हुआ कि हिंदू कोड बिल को पारित करने में देरी हुई और इसके प्रावधानों को कमज़ोर कर दिया गया। यह बाबा साहेब के लिए अत्यंत पीड़ादायी क्षण था और इसी कारण उन्होंने इस्तीफा दिया।

मनुस्मृति व चातुर्वर्ण्य ऐसे मुद्दे थे जिन पर अम्बेडकर एक ओर और सावरकर से लेकर भाजपा दूसरी ओर नजर आते हैं और दोनों पक्षों में गंभीर मतभेद हैं। जहां 25 दिसंबर 1927 को बाबा साहेब ने मनुस्मृति का दहन किया वहीं आरएसएस के द्वितीय सरसंघचालक एम. एस. गोलवलकर ने अपने लेखन में मनुस्मृति का स्तुतिगान किया। सावरकर चातुर्वर्ण्य के प्रति अपने समर्थन की चर्चा विस्तार से करते हैं और मनुस्मृति की प्रशंसा करते हैं। 'मनुस्मृति वह शास्त्र है जो हिंदू राष्ट्र के लिए वेदों के बाद सबसे अधिक पूजनीय है और जो प्राचीनकाल से हमारी संस्कृति, रीति-रिवाजों, विचारों और क्रियाकलापों का आधार रहा है। इस पुस्तक ने सदियों से हमारे देश के आध्यात्मिक एवं दैवीय विकास को संहिताबद्ध किया है। आज भी करोड़ों भारतीय मनुस्मृति पर आधारित नियमों का पालन करते हैं। आज मनुस्मृति हिंदुओं का विधिशास्त्र है। यह हमारा मूल आधार है'। और 'भारत के नए संविधान के बारे में सबसे बुरी बात यह है कि उसमें कुछ भी भारतीय नहीं है...इसमें प्राचीन भारतीय विधि, संस्थानों, और शब्दावली का जरा सा भी जिक्र नहीं है'।

अम्बेडकर और हिन्दुत्व विचारधारा के सबसे मुख्य मतभेदों को छिपाया जा रहा है। 13 अक्टूबर 1935 कों नासिक के निकट येओला में एक सभा को संबोधित करते हुए अम्बेडकर ने एक धमाकेदार बात कही, 'मैं एक हिंदू के रूप में नहीं मरूंगा'। उनके अनुसार इस धर्म में स्वतंत्रता, करूणा और समानता के लिए कोई स्थान नहीं है। उनकी पुस्तक 'थाट्स ऑन पाकिस्तान' के संशोधित संस्करण में वे इस्लामिक पाकिस्तान के निर्माण का विरोध इसलिए करते हैं क्योंकि इससे हिंदू राज या राष्ट्र का मार्ग प्रशस्त होगा और यह यहां की जनता के लिए एक बड़ी त्रासदी होगी'। उनकी इस घोषणा के बाद उन पर सिक्ख या इस्लाम धर्म ग्रहण करने के लिए बहुत दबाव डाला गया। हिंदू महासभा के डॉ. मुंजे ने उनसे एक समझौता किया कि यदि वे इस्लाम धर्म ग्रहण नहीं करेंगे तो हिंदू महासभा उनके धर्मपरिवर्तन का विरोध नहीं करेगी। बाबा साहेब ने अपने गहन अध्ययन के आधार पर बौद्ध धर्म को चुना। आज भाजपा यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि वह बाबा साहेब की प्रतिमाओं की स्थापना कर, उनकी स्मृति में अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय बना कर व अन्य सांकेतिक कार्य करके वह उनका सम्मान कर रही है। ये सब पहचान से जुड़े मुद्दे हैं जबकि बाबा साहेब के मूल्यों की उपेक्षा की जा रही है। जब मंडल आयोग की रपट लागू की गई तब भाजपा कमंडल राजनीति पर उतर आई। जब आडवानी को उनकी रथयात्रा के दौरान (जो कमंडल राजनीति का हिस्सा थी) गिरफ्तार किया गया तब भाजपा, जो वी. पी. सिंह सरकार का समर्थन करने वाले दलों में से एक थी, ने अपना समर्थन वापिस ले लिया और वी. पी. सिंह की सरकार का पतन हो गया।

कांग्रेस ने भी लोकसभा चुनाव में हिंदू महासभा की तरह अम्बेडकर का विरोध किया था। लेकिन वह कांग्रेस ही थी जिसने बाद में यह सुनिश्चित किया कि वे राज्यसभा के सदस्य बनें। उन्हें अंतरिम सरकार में शामिल किया गया और भारतीय संविधान की मसौदा समिति का अध्यक्ष बनाया गया। भाजपा यह साबित करने के लिए बैचेन है कि वे हिंदुत्व राजनीति का हिस्सा थे। यह एक कुटिल चाल है जिसका उद्देश्य एक ऐसे व्यक्ति का सहारा लेकर अपनी स्वीकार्यता बढ़ाना है जो पूरी तरह से हिंदू राष्ट्र के विचार के विरूद्ध था। यह कितना विडंबनापूर्ण है कि हिंदू राष्ट्र के समर्थक और पैरोकार, उन अम्बेडकर को अपने सैद्धांतिक परिवार का सदस्य साबित करना चाहते हैं जो हिंदू राष्ट्र के विरोधी थे और लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष गणतंत्र के हामी थे।

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया)

ललित सुरजन की कलम से

कांग्रेस : ठोस कदम उठाने की जरूरत

'पत्रकारों और प्रोफेसरों की मानें तो कांग्रेस के सामने अब कोई भविष्य नहीं है। भाजपा भी यही कह रही है। पांच में से चार राज्यों में विधानसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस की स्थिति सचमुच दुर्बल नजर आती है। इस समय कांग्रेस का यह तर्क बिल्कुल भी काम नहीं कर रहा कि बारह राज्यों में उसकी सरकार है जबकि भाजपा की सिर्फ पांच में। कांग्रेस ने छह महीने पहले ही तीन विधानसभाएं भाजपा से छीनीं। इस तथ्य को भी फिलहाल कोई गंभीरता से लेने के लिए तैयार नहीं है। यदि लोकसभा चुनाव सामने न होते तो शायद जनता को एक संतुलित राय बनाने का अवसर मिल गया होता, लेकिन अब उसके लिए समय कहां बचा है? कांग्रेस का यह तर्क भी बहुत सटीक नहीं है कि लोकसभा और विधानसभा में मतदाता की पसंद एक जैसे नहीं होती। 2009 में चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे जैसे आए थे लगभग वे ही लोकसभा में दोहराए गए थे।' '8 दिसंबर 2013 को कांग्रेस के उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने पत्रकारों से मुखातिब होते हुए जोशीले शब्दों में घोषणा की थी कि वे कांग्रेस पार्टी को बदलकर रख देंगे। आज उस घोषणा को एक माह और एक सप्ताह बीत चुका है। इस बीच में कांग्रेस के युवा नेता ने ऐसा कोई बड़ा कदम नहीं उठाया जिससे लगे कि कांग्रेस बदलाव के लिए तैयार है। जो स्थिति आठ दिसंबर के पहले थी वही चली आ रही है। श्री गांधी को कांग्रेस की चाहे जितनी चिंता हो, लेकिन देश और प्रदेश में पार्टी के जो वरिष्ठ नेता हैं उनके चेहरे पर शिकन भी दिखाई नहीं देती। वे सब पहले की तरह अपने गुणा-भाग में लगे हुए हैं। इसका एक शोचनीय उदाहरण मध्यप्रदेश में देखने आया जहां नयी विधानसभा का पहला सत्र शुरू होते तक कांग्रेस में नेता प्रतिपक्ष के नाम पर सहमति नहीं बन पाई। छत्तीसगढ़ में भी इस तरह की जोड़-तोड़ देखने मिली। नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला जारी है। दिल्ली में जरूर कांग्रेस ने यह समझदारी दिखलाई कि आम आदमी पार्टी की सरकार बनने का रास्ता प्रशस्त किया, लेकिन मुंबई में संजय निरूपम जैसे वाचाल और प्रिया दत्त जैसी गंभीर नेता दोनों एक स्वर में 'आप' से प्रेरणा ग्रहण करने की बात कर रहे हैं, उसे एक प्रहसन ही माना जाना चाहिए।'

(देशबन्धु में 16 जनवरी 2014 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2014/01/blog-post_15.html

गुरवाणी विचार

सिमरो सिमर सिमर सुख पावहो

माघि भजन संगि साधुआ धूड़ी करि इसनान
हरि का नाम धिआये सुनि सभना नो करि दान
जनम करम मल उतरै मन ते जाई गुमान
काम क्रोध न मोहिऐ विनसे लोभ सुआनू
सचै मारगि चलदिआ उसतति करै जहानू
अठसठि तीरथ समल पुन: जीअ दइया परवानू
जिसनू देवे दया करि सोई पुरख सुजानू
जिना मिलिआ प्रभु आपणा नानक तिन कुरलानू
माधि सचे से काढ़ीआई जिनपूरा गुर मिहरबान।

गुरवाणी की ये पंक्तियां बारह मास माघ राग से ली गई है जो गुरु ग्रंथ साहिब से 136 अंग पर सुशोभित हैं। इन पंक्तियों द्वारा पांचवे नानक गुरु अर्जुन देवजी मानव मन को समझाईश देते हुए फरमा रहे हैं कि माघ महिने में बहुत सारे लोग तीर्थों पर स्नान करने को बड़ा पुण्य का कार्य समझते हैं। गुरदेव समझा रहे हैं कि साध जना की संगत करने से अर्थात ऐसी संगत करने से जहां पर केवल प्रभु नाम का कीर्तन कथा चलती रहती हो वही आप को तीर्थ स्नान का पुण्य फल प्राप्त हो जाता है। उनकी चरण धूल अपने मस्तक पर लगाकर परमात्मा की सिमरन बंदगी में मन रमाते रहने पर भी हमें तीर्थ स्नान का पुण्य फल प्राप्त हो जाता है। खुद भी प्रभु नाम का सिमरन करते रहो और दूसरों को भी कराते रहो ताकि हमारे आत्मा के अंदर कई जनमों के किए पापों की मैल भरी है वह साफ हो सके और हमारे मन के अंदर का अहंकार भी खतम हो सके। उससे अच्छा तीर्थ स्नान और क्या हो सकता है। इसके अलावा हमें सभी प्रकार सुखों की भी प्राप्ति हो सकेगी-

सिमरो सिमर सिमर सुख पावहो।
कलि कलेष तन माहि मिटावहो।।

हमारे अंदर जो पांच बटमार मौजूद हैं-काम, क्रोध, लोभ, मोह, अंहकार उन पर भी काबू पाया जा सकेगा। उनसे पूर्णरूपेण तो छुटकारा पाना मुश्किल है पर कुछ हद तक इन पर काबू पा सकते हैं। ये पांच ऐसे बटमार हैं जो हमारी काया को धीरे-धीरे गलाते रहते हैं-

काम-क्रोध काया को गालै जिओ कंचन सुहागा ढालै।

लोभ भी एक कुत्ते की तरह है जो हर दर भटकता रहता है पर जहां उसे कुछ मिल जाए मुंह मारता रहता है

-जिओ कूकर, हरकारिया दह दिस जाये।
लोभी जंत न जानही भख अभख सब खाये।।

अड़सठ तीर्थों का स्नान सारे पुण्य कर्म जीवों पर दया कर जिनको प्रभु नाम सिमरन में लगा देता है वही इंसान सही रास्तों की पहचान वाला बुद्धिमान हो जाता है। इसलिए प्रभु कृपा से जिस जिस इंसान ने भी प्रभु सिमरन कर प्रभु मूरत जो कि हर इंसान के अंदर विराजमान है इसे प्राप्त कर लेता है उसी का माघ का महीना सुहावना हो जाता है इसीलिए गुरुदेव माघ महीने का उदाहरण देकर हमें समझा रहे हैं कि हर इंसान को चाहिए कि वह साध संगत में जाकर प्रभु नाम सिमरन में मन रमाए रखे। अपनी नेक कमाई से दसबंध निकाल कर जरूरतमंदों की मदद करता रहे तो उसे घर बैठे ही अड़सठ तीर्थों का पुण्य प्राप्त होता रहेगा।

इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

कितना सही है राष्ट्रगान पर विवाद खड़ा करना

राष्ट्रगान का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का मौलिक कर्तव्य बताया गया है। हालांकि, यह विशिष्ट अवसरों पर इसे गाना या बजाना अनिवार्य नहीं बनाता है। संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान राष्ट्रगान तब बजाया जाता है जब राष्ट्रपति मंच पर पहुंचते हैं। अभिभाषण के दौरान राष्ट्रपति मुद्रित अभिभाषण पढ़ते हैं, उसके बाद यदि आवश्यक हो तो दूसरा संस्करण पढ़ते हैं, जिसे राज्यसभा के सभापति पढ़ते हैं। अभिभाषण के बाद राष्ट्रपति के हॉल से जाने से पहले फिर से राष्ट्रगान बजाया जाता है। भारत का संविधान राष्ट्रगान के सम्मान के बारे में मौलिक कर्तव्यों के तहत अनुच्छेद 51 (ए) (ए) प्रत्येक नागरिक को संविधान का पालन करने और राष्ट्रगान, राष्ट्रीय ध्वज और अन्य राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करने का आदेश देता है। गृह मंत्रालय के आदेश उन अवसरों को निर्दिष्ट करते हैं जब राष्ट्रगान बजाया जाना चाहिए, जैसे कि नागरिक और सैन्य अलंकरण, परेड, राष्ट्रपति या राज्यपाल के आगमन/प्रस्थान और औपचारिक राज्य समारोहों के दौरान राष्ट्रगान बजाने के बारे में निर्दिष्ट किया गया है? विशेष अवसरों पर राष्ट्रगान को पूरा बजाया जाना चाहिए। नागरिक और सैन्य निवेश के दौरान। जब राष्ट्रपति या राज्यपाल को राष्ट्रीय सलामी दी जाती है। परेड के दौरान, राष्ट्रीय ध्वज फहराने या रेजिमेंटल रंग प्रस्तुतियों के दौरान। राष्ट्रपति के औपचारिक राज्य समारोहों से आने या जाने पर। ऑल इंडिया रेडियो पर राष्ट्र के नाम राष्ट्रपति के सम्बोधन से पहले और बाद में। न्यायालयों ने देखा है कि राष्ट्रगान सम्मान का हकदार है, लेकिन सभी अवसरों पर इसका गाना या बजाना अनिवार्य नहीं है जब तक कि स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट न किया जाए। उदाहरण के लिए, सिनेमा स्क्रीनिंग के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने फ़ैसला सुनाया कि राष्ट्रगान बजाना अनिवार्य नहीं है, बल्कि इसे प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम, 1971 के तहत राष्ट्रगान का जानबूझ कर अपमान या अवमानना करने पर 3 साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। राष्ट्रगान न बजाने या न गाने पर तब तक सज़ा नहीं मिलती जब तक कि यह जानबूझ कर किया गया अनादर न हो। 2019 में, मद्रास उच्च न्यायालय ने एक आधिकारिक समारोह में राष्ट्रगान न बजाने के लिए सज़ा की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें सभी अवसरों पर इसे गाने या बजाने को लागू करने के लिए कानूनी जनादेश की कमी का हवाला दिया गया। राष्ट्रीय ध्वज फहराने जैसे अवसरों पर सामूहिक गायन की आवश्यकता होती है। जैसे कोई सांस्कृतिक या औपचारिक समारोह (परेड के अलावा)। सरकारी या सार्वजनिक समारोहों में राष्ट्रपति का आगमन और प्रस्थान। आधिकारिक समारोहों में राष्ट्रगान बजाना अनिवार्य नहीं है? उदाहरण के लिए, 2019 में मदुरै में आयोजित एक समारोह के दौरान जिसमें प्रधानमंत्री, तमिलनाडु के राज्यपाल और मुख्यमंत्री शामिल हुए थे, राष्ट्रगान नहीं बजाया गया था।

-प्रियंका सौरभ

भोपाल से मंजूरी मिलते ही फायर आडिट नहीं कराने वालों पर पेनाल्टी लगेगी

आधा सैकड़ा से ज्यादा भवन मालिकों ने समय सीमा में नहीं पूरी की जरूरी व्यवस्थायें

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर नगर में फायर आडिट नहीं कराने वालों पर कब से पेनाल्टी लगाई जानी है, इसके लिये शासन से मार्गदर्शन मांगा गया है। पांच सौ रूपये प्रतिदिन से पेनाल्टी ठोंकी जायेगी। गौरतलब है कि 31 दिसंबर की समय सीमा के अंदर फायर आडिट कराना था। समय बीत जाने के बाद आधा सैकड़ा से ज्यादा संस्थाओं के भवन मालिकों ने इसका पालन नहीं किया, जिसके बाद अब नगर निगम प्रशासन कार्रवाई करेगा।

गौरतलब है कि जबलपुर ही नहीं बल्कि अन्य जिलों में भी इस बार भी आम जनों को अग्नि हादसों से बचाने के लिये प्रत्येक ऐंसी बिल्डिंगों या भवन के संचालकों को नियमानुसार जरूरी उपाय करने पड़ते हैं। इसमें आधुनिक तकनीक और पारंपरिक साधनों को सुनिश्चित करना होता है। ताकि अग्नि हादसे की स्थिति निर्मित होने पर ज्यादा से ज्यादा लोगों की जान और मॉल की सुरक्षा की जा सके।

सूत्रों के अनुसार फायर आडिट नहीं कराने वालों पर जुर्माना की राशि तो तय है, लेकिन इसे कब से प्रभावी बनाकर क्रियान्वित करना है, इसके लिये ननिज प्रशासन ने भोपाल में शासन को प्रस्ताव भेजा है, अब यह शासन स्तर पर तय होना है कि फायर आडिट नहीं कराने वालों पर किस तारीख या माह से पेनॉल्टी लगाई जानी है। जैसे ही भोपाल से हरी झंडी मिलेगी, नगर निगम प्रशासन कार्रवाई शुरू कर देगा।

यहां यह बात ध्यान देने वाली है कि जबलपुर के अलावा दूसरे जिलों में इसी तरह की कार्रवाई प्रस्तावित है। इसीलिये प्रदेश स्तर पर निर्णय होगा, इसी के बाद एक साथ एक साथ सभी नगर पालिक निगम या परिषद आधीन भवन मालिकों पर कार्रवाई की जायेगी।

भेड़ाघाट के साथ पर्यटकों के मन में बने जबलपुरवासियों की भी अच्छी छवि

महिला पर्यटकों की सुरक्षा पर केंद्रीय कार्यशाला का आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भेड़ाघाट में आयोजित कार्यशाला में नगर परिषद भेड़ाघाट के अध्यक्ष चतुर सिंह ने नगर वासियों से पर्यटकों के प्रति विनम्र व्यवहार रखने की अपील करते हुए कहा कि भेड़ाघाट के साथ पर्यटकों के मन में जबलपुरवासियों की भी अच्छी छवि बनना जरूरी है।

प्रदेश पर्यटन बोर्ड (एमपीटीबी) की महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना के अंतर्गत भेड़ाघाट में महिला पर्यटकों की सुरक्षा पर केंद्रित कार्यशाला के मुख्य अतिथि, जबलपुर पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हेमंत सिंह ने कहा कि भेड़ाघाट आने वाली महिला पर्यटकों की सुरक्षा के लिए कौशल विकास प्रशिक्षित स्ट्रीट वेंडर महिलाओं को और सक्रियता दिखानी होगी ताकि भेड़ाघाट पहुंचने वाली महिला पर्यटक स्वयं को असुरक्षित न महसूस करे। नगर परिषद भेड़ाघाट के सीएमओ विक्रम झरिया ने धुआंधार स्थल को साफ सुथरा एवं सुंदर बनाने में जन समूह को सक्रिय होने के लिए कहा। नगर परिषद अध्यक्ष चतुर सिंह ने कहा कि भेड़ाघाट आने वाले सभी पर्यटकों को सही जानकारी देना उनके साथ कुशल व्यवहार करना हम सबकी जिम्मेदारी है। इससे यहां पहुंचने वाले पर्यटक जबलपुर और भेड़ाघाट की सुंदर छवि लेकर जाएं। बायपास संस्था के तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला के समापन पर सभी प्रशिक्षित महिलाओं को कैनोपी छाते वितरित किए गए एवं महिलाओं ने जागरूकता रैली भी निकली। कार्यक्रम में नगर परिषद के उपाध्यक्ष जगदीश दहिया, परियोजना समन्वयक प्रकाश राय तथा आनंदिता ठाकुर की सहभागिता रही।

विधायक डॉ. अभिलाष पांडे ने रोड निर्माण का भूमि पूजन किया

जबलपुर, देशबन्धु। उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक डॉक्टर अभिलाष पांडे ने विवेकानंद वार्ड के अंतर्गत कमला नेहरू वार्ड एवं विवेकानंद वार्ड के अंतर्गत पुष्प नगर श्रीनगर एवं जानकी नगर में रोड निर्माण को लेकर भूमि पूजन किया।

इस दौरान योगेश बिलोहा पार्षद अंशुल यादव, राघवेंद्र यादव, रंजीत ठाकुर, सोनिया सिंह, श्रीकांत कुक्की,नितिन मिश्रा ,गोपाल तिवारी, शैलेंद्र सिंह वरुण राजकुमार पटेल शुभम पटेल आदि उपस्थित है।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बताये नशे के दुष्परिणाम

जबलपुर, देशबन्धु। नव ज्योति नशा मुक्ति केंद्र अवधपुरी रामपुर बस्ती में बच्चों और युवाओं को नशे से दूर रहने और इसके सेवन से होने वाले दुष्परिणाम को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समझाया गया। इस अवसर पर संस्था प्रमुख हेमंत सोलंकी ने नशा छोड़ने के लिये संकल्प दिलाया। नाटक में भाग लेने वाले कलाकारों की सराहना की गई।

कर्मचारी कल्याण संघ के विभागीय कैलेन्डर का विमोचन

जबलपुर,देशबन्धु। संघ ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कल्याण संघ जिला जबलपुर के वार्षिक कैलेन्डर 2025 का विमोचन माननीय श्री अभिलाष पाण्डे विधायक जबलपुर उत्तर मध्य एवं पंडित योगेन्द्र दुबे द्वारा किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रथम वर्ष अपने विभागीय कैलेन्डर का (वॉल कैलेन्डर एवं टेबिल कैलेन्डर) के रूप में प्रकाशन किया गया है, जिसमें म.प्र. शासन द्वारा जारी सार्वजनिक अवकाश, ऐच्छिक अवकाश के साथ-साथ जबलपुर कलेक्टर द्वारा घोषित जिले के स्थानीय अवकाश जैसी कर्मचारी हितेषी समस्त महत्वपूर्ण जानकारियों को संयोजा गया है। इस अवसर पर संघ के श्रीमति राखी तिवारी, राकेश राव, रज्जन बाबू दाहिया, नीलेश यादव, दिलीप पटेल, महेश प्रसाद पेन्द्रों, देवकी बरकड़े, निहारिका जैन, बुद्धिमान पाठक, श्रीमति सीमा पाण्डे आदि उपस्थित रहे।

पत्रकार समाज के सजग प्रहरी : राकेश सिंह

महर्षि महेश योगी के जयंती पर पत्रकार, चिकित्सक और अन्य क्षेत्रों की हस्तियां सम्मानित

जबलपुर, देशबन्धु। महर्षि महेश योगी के जन्म दिवस के पर नगर में विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसी कड़ी में शहीद स्मारक प्रांगण में पत्रकारों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि पत्रकार समाज के सजग प्रहरी हैं। जादूगर निगम को इस तरह के कार्यक्रम के लिये साधुवाद देते हुये श्री सिंह ने ऐलान किया अगले साल से यह कार्यक्रम और भव्यता के साथ आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने अपने विचार रखते हुये सम्मानित पत्रकारों को बधाई दी। आयोजन में बाबू विश्वमोहन, पूर्व विधायक नित्यनिरंजन खंपरिया, रविंद्र बाजपेयी, चैतन्य भट्ट इत्यादि रहे।

कार्यक्रम के आयोजक एवं भारत वर्ष के महर्षि संस्थान के संस्थापक जादूगर एसके निगम ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के बाद महर्षि महेश योगी संस्थान के कार्यक्रम दुनिया के दौ सौ से ज्यादा देशों में प्रारंभ हुये, 29 अक्टूबर 1977 को महर्षि महेश योगी ने इसी मंच पर संबोधन दिया था। इसके बाद सभी जगह वे वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से लोगों तक अपने विचार रखते थे। कार्यक्रम में विजय जायसवाल का सम्मान किया गया। स्वागत राजीव गुप्ता, बच्चन श्रीवास्तव ने अतिथियों का किया। आभार प्रतुल श्रीवास्तव, मुन्ना गुजर ने किया।

इनका हुआ सम्मान- लाइफ टाईम अचीवमेंट के लिये दूरदर्शन के पूर्व संवादाता संजय चौधरी, वरिष्ठ पत्रकार मदन मोहन अवस्थी, दीपक राव, मनोज वर्मा, आलोक बैनर्जी, राजेंद्र मिश्रा, हरिशंकर शर्मा, अनुराग तिवारी, जितेंद्र बर्मन, धनंजय श्रीवास्तव, यूट्यूब चैनल संचालक मुंबई मोनिका शुक्ला सम्मानित की गई। इसके अलावा चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में समाज उपयोगी कार्य करने वालों को भी सम्मानित किया गया।

चिकित्सक भी हुये सम्मानित- डा. राजेश धीरावाणी,डा. वीके भारद्वाज, डा. दीपक बहरानी, डा. परिमल स्वामी, डा. आनंद तिवारी, डा. गर्ग भी सम्मानित हुये।

शरद यादव की पुण्य तिथि पर श्रद्धांजली

जबलपुर,देशबन्धु। पूर्व केन्द्रीय मंत्री समाजवादी नेता मंडल मसीहा स्व.शरद यादव की पुण्यतिथि का कार्यक्रम प्रस्तावित प्रतिमा स्थल ललित उद्यान अंबेडकर चौक तहसीली में आयोजित की गई। इस अवसर पर शरद यादव के द्वारा देश के पिछड़े वर्ग, दलित समाज, छात्र युवाओं किसानों, मजदूरों, महिलों वंचित वर्ग के लोगो की आवाज संसद में बुलंद करते रहे। जबलपुर के विकास में रेल्वे जोन ऑफिस गोंदिया ब्राडगेजे बरगी बांध एवं नहरों का विकास एफसीआई का क्षेत्रीय जोन, डुमना विमानतल का विकास भेड़ाघाट का सौन्दर्यीकरण एवं कई नई ट्रेने डिफेंस के मजदूरों की आवाज को बुलंद करते रहे।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पूर्व केबिनेट मंत्री विधायक लखन घनघोरिया रामरतन यादव, घनश्याम यादव, बैजनाथ कुशवाहा किशोरीलाल मरावी, दिनेश यादव, अरविंद पैगवार सोनी मास्टर, श्रीमती प्रभा यादव, श्रीमती भावना दीक्षित शिव यादव, राधेश्याम अग्रवाल नेमसिंह, इसखार अहमद अंशुमान शुक्ला, राजकुमार साहू,अशोक तोमर, धीरज, आनंद, हेमराज,एड.फूलचंद पालीवाल, प्रदीप यादव, इन्द्रकुमार कुलस्ते, राजेन्द्र तेकाम बालकृष्ण उइके, सुबोध रिछारिया, पूर्व विधायक नन्हेलाल धुर्वे, विवेक अवस्थी ,अमित पांडे, जगदीश नन्हेट, सुधीर शर्मा, गया धुर्वे, रमेश रजक, एड.धीरज सिंह, हुकुमचंद जैन, एड.परसाई साहू, एड.ओमप्रकाश पटेल, अमन दीप सिंह सग्गू, तजिन्दर सिंह टीटू गोपाल हूंका, आकाश यादव, आदि सैकड़ों की संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित होकर अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

गोल्डन जुबली रीयूनियन : मेडीकल कॉलेज के पूर्व शिक्षकों का हुआ सम्मान

जबलपुर, देशबन्धु। मेडिकल कॉलेज, जबलपुर के 1975 बैच के गोल्डन जुबली रीयूनियन का दूसरा दिन शिक्षकों के सम्मान और यादगार कार्यक्रमों के साथ हर्षोल्लास से संपन्न हुआ। यह दिन गुरुजनों को सम्मानित करने और पुरानी यादों को ताजा करने का था।

शिक्षकों का सम्मान-इस अवसर पर डॉ. के.के. कौल, डॉ. एम. सतं, डॉ. जे.पी. कपूर, डॉ. के.डी. बघेल, डॉ. एम.पी. गुप्ता, डॉ. रजनी विष्णोई, डॉ. उषा चौहान, डॉ. वी.वी. वैद्य और डॉ. वी.के. रैना जैसे प्रतिष्ठित शिक्षकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संध्या और डॉ. अजय सराफ ने किया।

स्वागत और धन्यवाद ज्ञापन-कार्यक्रम की शुरुआत पूर्व डीन डॉ. पी.के. कसार के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने सभी शिक्षकों और पूर्व छात्रों का हार्दिक स्वागत किया। एवं कहा आदरणीय शिक्षकों, आपने हमें न केवल डॉक्टर बनाया, बल्कि हमें इंसानियत के असली मायने भी सिखाए। आपकी शिक्षा, आपकी प्रेरणा और आपका मार्गदर्शन हमेशा हमारे साथ रहेगा। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विनोद गर्ग द्वारा दिया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद- सभी पूर्व छात्रों ने एक समूह फोटो खिंचवाने के बाद भेड़ाघाट और धुआंधार जलप्रपात का भ्रमण किया। यहाँ प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेते हुए उन्होंने पुराने दिनों की यादों को साझा किया।

शाम को भेड़ाघाट में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सभी का मन मोह लिया। डॉ. योगेश सक्सेना, डॉ. नीरज खरे, डॉ. संध्या खरे, डॉ. प्रज्ञा धीरवानी, डॉ. नीता कसार और उनके समूह ने शानदार प्रस्तुतियां दीं। अन्य कई साथियों ने भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिससे कार्यक्रम अविस्मरणीय बन गया।

अगले दिन का कार्यक्रम- गोल्डन जुबली समारोह के तीसरे दिन सभी प्रतिभागी बंधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान का भ्रमण करेंगे। यह यात्रा भी पुराने दोस्तों के साथ यादगार पलों को जोड़ने का अवसर प्रदान करेगी।

इस भव्य आयोजन ने न केवल पूर्व छात्रों और शिक्षकों को एक बार फिर से जोड़ने का काम किया, बल्कि यह कार्यक्रम कॉलेज की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक भी बना।

शाजापुर में आयोजित महिला सशक्तिकरण अंतर्गत राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण

ननि के संभागीय कार्यालयों में हुआ प्रसारण

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश शासन द्वारा रविवार को काला पीपल शाजापुर में महिला सशक्तिकरण अंतर्गत राज्य स्तरीय कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया, जिसका सीधा प्रसारण नगर निगम के सभी 16 संभागीय कार्यालयों में मुख्य कार्यक्रम का सीधा प्रसारण राया गया और सैंक?ों ला?ली बहनों को महिला सशक्तिकरण अंतर्गत माह जनवरी 2025 की मासिक राशि अंतरण कर लाभांवित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा ला?ली बहनों को राशि अंतरण कर लाभ प्रदान किया गया। सीधा प्रसारण कार्यक्रम के दौरान जबलपुर के महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' ने कहा कि लाड़ली बहनों को सम्मान देने के लिए आयोजित यह कार्यक्रम ऐतिहासिक कार्यक्रम है। इस मौके पर समस्त जनप्रतिनिधिगण, एवं अधिकारी कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

गलत उद्घोषणा से हुए यात्री परेशान

जबलपुर,देशबन्धु। पमरे के मुख्य रेलवे स्टेशन परिसर में अनुशासनहीनता का ग्राफ दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा है। इसके कारण यात्रियों को परेशान होते प्रति दिन देखा जा सकता है। इसकी एक बानगी शनिवार को दोपहर देखने में मिली है। मुम्बई से हावड़ा संचालित होने वाली ट्रेन की उद्घोषणा के स्थान पर 22168 की उद्घोषणा की जो कि पूरी तरह से गलत है। यदि 11 जनवरी को दोपहर के समय लगभग 1 बजे से 1.20 तक के वीडियो निकाले जाए तो सच्चाई का पता तुरंत ही चल जाएगा।

पमरे के उच्च अधिकारी इस प्रकार की गलती के लिए पूर्व में कर्मचारियों को दंडित कर चुकी है। इस प्रकार की गलत सूचना की उद्घोषणा करने वाले के विरूद्ध कार्रवाई होगी या मामला रफा दफा कर दिया जाएगा।

आज 43 ग्राम पंचायतों में लगाये जायेंगे शिविर

जबलपुर, देशबन्धु। मुख्यरमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप केन्द्रा और राज्य शासन द्वारा संचालित हितग्राही मूलक योजनाओं का प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य् से चलाये जा रहे मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत सोमवार 13 जनवरी को जिले की 43 ग्राम पंचायतों में शिविरों का आयोजन किया जायेगा।

जिला पंचायत से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्य मंत्री जनकल्या ण अभियान के तहत सोमवार 13 जनवरी को जनपद पंचायत पाटन की ग्राम पंचायत कटरा बेलखेड़ा, सिमरिया, बरौदा छेड़ी, रमखिरिया, बरोदा (हडा), खजरी एवं कैथरा में शिविर लगाये जायेंगे। जनपद पंचायत शहपुरा में ग्राम पंचायत सेमरा, बड़खेड़ा, बिजौरी, भिड़की, गंगई, बगरई एवं खुलरी में शिविर आयोजित किये जायेंगे।

जनपद पंचायत कुंडम में ग्राम पंचायत कुंडम, सदाफल, बैरागी, जैतपुरी एवं हाड़ीपानी में शिविरों का आयोजन किया जायेगा। जनपद पंचायत मंझौली में ग्राम पंचायत खुड़ावल, रिवझा, पोड़ी कला, अन्धो रा, पडरिया, महगवां एवं पड़वार में शिविर लगाये जायेंगे। जनपद पंचायत सिहोरा के ग्राम पंचायत अगरिया, खिटौला (खमरिया), कुश्यादरी, प्रतापपुर एवं भाटादोन में शिविर आयोजित किये जायेंगे। जनपद पंचायत पनागर में ग्राम पंचायत तिलगाव, मोहारी, पिपरिया बड़खेरी एवं सुन्दारपुर में शिविर लगाये जायेंगे। इसी प्रकार जनपद पंचायत जबलपुर में ग्राम पंचायत सिलुआ, सालीवाड़ा, खम्हदरिया, बिलहरी, मनखेड़ी, डूंडी एवं सगड़ा झपनी में शिविर आयोजित किये जायेंगे।

ग्राम पंचायत स्तसर पर लगाये जा रहे इन शिविरों के माध्यिम से विभिन्न विभागों की 34 हितग्राही मूलक योजनाओं एवं 11 लक्ष्या आधारित योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को दिया जायेगा तथा 63 सेवाएं प्रदान की जायेंगी।

मतदाता जागरुकता के लिए दौड़े धावक

स्व. राजेश जैन की स्मृति में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता

जबलपुर, देशबन्धु। मतदाता अधिकार के लिए रविवार सुबह एक दौड़ प्रखर वक्ता, जागरुक मतदाता, नेशनल प्लेयर और चैम्पियन स्वर्गीय राजेश जैन (राजू पहलवान) की स्मृति में हुई। उन्होंने पूरा जीवन मतदाता अधिकार के लिए संघर्ष किया था। इस अवसर पर आमंत्रित अतिथि और वक्ताओं ने राजू पहलवान के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राजेश जैन राजू पहलवान ने जागरुकता के क्षेत्र में काफी कार्य किए हैं।

चाहे मतदाता की जागरुकता हो या सामाजिक जीवन में जागरुक नजरिए से सही गलत को समझना हो। इसके अलावा वे बतौर एथलीट वे पांच बार नेशनल चैम्यिन का अवार्ड अपने नाम कर चुके हैं। की पहचान थी। अतिथियों ने कहा कि बतौर जानकारी राजेश जैन (राजू पहलवान) खेलों के अलावा भी राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्रों में गहरी समझ रखा करते थे।

इसलिए उन्हे इस तरह की जानकारी का विशेषज्ञ मान कर लोग उनसे अपनी जिज्ञासाओं का समाधान करने सम्पर्क करते थे। खास तौर पर किसी नए अथवा पुराने चुनावों में कौन कितने से कब जीता या हारा इस तरह अपना ज्ञानवर्धन करने उनसे सम्पर्क किया करते थे।

अपने इसी स्वभाव के चलते आगे चल कर राजू पहलवान ने जागरुक मतदाता संघ का गठन कर अनेक मुद्दों पर जनता की आवाज को भी बुलंद किया। अपने लोकप्रिय स्वभाव और बेबाकी के कारण उनकी स्मृतियां आज भी उनके चाहने वालों के जेहन में सुरक्षित हैं।

शुभारंभ अवसर पर प्रसिद्ध उद्योगपति अजीत समदड़िया, क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष शैलेंद्रसिंह ठाकुर, विधायक डॉ. अभिलाष पांडे, ग्रामीण कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. नीलेश जैन, आदि उपस्थित रहे। इस तरह के आयोजनों से आम जनों में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलती है। इसे समाज के लिये उपयोगी पहल मानी जा सकती है।

विद्युत नियामक आयोग तत्काल रेट निर्धारण प्रक्रिया पर स्टे करें : मांग

जबलपुर,देशबन्धु। बिजली खरीदी तथा प्रदाय में लागत के आधार पर बिजली के रेट तथा फ्यूल सरचार्ज की प्रत्येक माह में उपभोक्ताओं से वसूली हो रही है। एक ही बिन्दू पर दो प्रक्रियाओं से दो बार वसूली उचित नहीं है। यह उपभोक्ताओं के हितों के विरूद्ध तथा विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 61 (डी)का उल्लंघन है। अत: वर्ष 2025-26 के लिए बिजली दर निर्धारण हेतु जारी सार्वजनिक सूचना की अगली कार्यवाही रोक दी जाये। इसी का नतीजा यह हुआ कि इस एक ही बिन्दु पर रेट निर्धारण की प्रक्रिया तथा फ्यूल सरचार्ज निर्धारण की प्रक्रिया से उपभोक्ताओं से वसूली की जा रही है। अत: कानूनी प्रश्न यह खड़ा किया गया है कि क्या एक ही बिन्दू पर दो बार दो प्रक्रियाओं के तहत उपभोक्ताओं से वसूली की जा सकती है? डॉ.पीजी नाजपांडे तथा रजत भार्गव ने बताया कि यह वसूली गैरकानूनी है।

गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर बैठक आज

जबलपुर, देशबन्धु। गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर सोमवार 13 जनवरी को सुबह 11 बजे कलेक्टार कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक का आयोजन किया गया है। बैठक की अध्योक्षता कलेक्टहर दीपक सक्सोना करेंगे। सभी विभागों के जिला अधिकारियों को बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिये गये है।

शाही स्नान के साथ नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा आज

निशुल्क माघ मास कल्प वास का होगा शुभारंभ

जबलपुर, देशबन्धु। प्रयागराज कुंभ की तरह नर्मदा मैया एवं बाणगंगा मैया सरस्वती मैया के संगम हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में 13 जनवरी सोमवार से 10 वे वर्ष निशुल्क कल्पवास का शुभारंभ एवं पोष पूर्णिमा पर शाही स्नान के साथ नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा निकाली जाएगी।

शाही स्नान एवं 434 वी नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा प्रात: 8़30 बजे सोमवार पोष पूर्णिमा का नेतृत्व पूज्य महंत स्वामी कालीनंद महाराज महंत स्वामी रामजी शरण महाराज महंत रामेश्वरनंद जी महाराज राम भारती जी महाराज महंत राज राजेश्वरानंद जी महाराज महंत राजेश्वरानंद जी महाराज स्वामी सुरेंद्रदास जी महाराज संतो के सानिध्य में मां नर्मदा के तट पर जाकर शाही स्नान पूजन अर्चन के साथ नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा प्रारंभ होगी।

निशुल्क माघ मास कल्पवास 10 वे वर्ष का शुभारंभ होगा जो पोष पूर्णिया से 12 फरवरी माघ पूर्णिमा तक चलेगा जिसमें रहने एवं भोजन की निशुल्क व्यवस्था आश्रम में रहेगी।

प्रतिदिन सुबह एवं शाम को भागवत गीता का पाठन होगा सुंदरकांड हनुमान चालीसा नर्मदा मैया की आरती की जाएगी महीने भर विभिन्न संगोष्ठी का आयोजन होगा बसंत पंचमी 2 फरवरी को प्रात: 9़00 बजे सुहागले एवं गोद भराई का कार्यक्रम किन्नर मंगला मुखी समाज के द्वारा किया जाएगा।

उपस्थिति की अपील नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल अध्यक्ष डॉ शिव शंकर पटेल पं मनमोहन दुबे पप्पू चौबे श्याम मनोहर पटेल ने की है।

सम्पूर्ण जगत् के अन्धकार को दूर करते हैं भगवान सूर्य : ब्रह्मचारी सुबुध्दानन्द

जबलपुर, देशबन्धु। श्री बगलामुखी सिद्धपीठ शंकराचार्य मठ सिविक सेंटर मढ़ाताल में विश्वकल्याणर्थ पौष मास के पावन अवसर पर एक माह का सूर्य अर्चन पर रविवार को विशेष माना गया है, इस अवसर पर भगवान शिव का अभिषेक किया गया। तत्पश्चात 5100 गुलाबों के पुष्पों से सहस्त्रार्चन ब्रह्मचारी श्री चैतन्यानंद महाराज श्री के सानिध्य में एवं वैदिक ब्राह्मणों द्वारा भगवान सूर्य का अर्चन किया गया, इस अवसर पर भक्तों को सूर्य के विषय मे जानकारी देते हुए ब्रह्मचारी श्री सुबुध्दानन्द महाराज श्री ने बताया कि भगवान सूर्यनारायण हमारे बीच प्रत्यक्ष रूप से रहते हैं और

हम उनके प्रत्यक्ष रूप में ही दर्शन करते हैं अतुलित तेजस्वी, मुक्ति के द्वार स्वरूप तथा वेदत्रयरूप, तेज से सम्पन्न एवं ऋक यजु: तथा सामस्वरूप सवितादेव की हम पूजन कर रहे हैं जो अग्नि और चन्द्रमा रूप जगत् के कारण और सुषुम्न नामक परमतेज को धारण करने वाले हैं, भगवान सूर्य के उदित हुए बिना मनुष्य सत्कर्म में प्रवृत्त नहीं हो सकता है सूर्य सम्पूर्ण जगत् के अन्धकार को दूर करने वाले हैं पूजन में राकेश सिंह, श्रीमति नीता पटेल,पद्मा मेनन, अनुराधा शरीन, पंकज दुबे, मधु यादव, सुनील तिवारी , वसुंधरा पाण्डेय, लालू श्रीवास्तव, तनिष्क सिंह मनीष पाण्डेय,मनोज सेन आदि उपस्थित रहे।

बगला मुखी मठ में एक माह से चल रहे सूर्योपासना के समापन दिवस पर 13 जनवरी सोमवार दोपहर 1 बजे से भगवान सूर्यनारायण का विशेष पूजन एवं भंडारा प्रसाद वितरण किया जाएगा।

नाटक के माध्यम से जीवंत अभिव्यक्ति की प्रस्तुति

जबलपुर, देशबन्धु। नाटक अभिक्ति का एक सशक्त माध्यम है। नाटक के भिखारी प्रतीक पात्र अपनी नाटकीय जीवंत अभिव्यक्ति के माध्यम से समाज में व्याप्त अप्रांसगिक / प्रांसगिक क्रियाकलापों का आंकलन कर सटीक / व्यंग्य, कटाक्ष पूर्ण तर्क प्रस्तुत करते है। व्यापक फॅलक पर जहाँ, समाज, परिवार, देश, में बढती हुई घृणित मानसिकता और समाजिक विसंगतियों से मानवीय मूल्यों की लगातार हत्या हो रही है। ऐसे समय में यह मुख्य भिखारी प्रतीक पात्र उपेक्षित सर्वहारा वर्ग का बौद्धिक, प्रतिनिधित्व करते हुये भी दिखाई देते है। इसके अतिरिक्त आदमी की मानवीय संवेदनाओं की अनिवार्य मौजूदगी का भी आभास कराते ये भिखारी पात्र, अपने व्यंग्य चुटीले व आघातपूर्ण संवादो/तों के द्वारा मानव-मानव के बीच की दूरी को कम करते हुये उनके अधिकारों के प्रति सचेत कराते है।

आचार्य श्री विद्यासागर के प्रथम समाधि स्मृति दिवस पर सुवर्ण प्राशन संस्कार शिविर 15 को

जबलपुर, देशबन्धु। राष्ट्र संत आचार्य श्री विद्यासागर के प्रथम समाधि स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में सुवर्ण प्राशन संस्कार शिविर का आयोजन बुधवार, 15 जनवरी को पूर्णायु आयुर्वेद चिकित्सालय एवं अनुसंधान विद्यापीठ द्वारा किया जाएगा। यह आयोजन आचार्य श्री समयसागर, निर्यापक श्रमण मुनि श्री संभव सागर एवं आर्यिका विमलमति माताजी ससंघ के मंगल सानिध्य में संपन्न होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 1 बजे तमरहाई स्कूल प्रांगण से होगा, जो पूरे जबलपुर संभाग के विभिन्न विद्यालयों में संपन्न कराया जाएगा। इस आयोजन में एक लाख से अधिक बच्चों को सुवर्ण प्राशन प्रदान किया जाएगा।

इस अवसर पर प्रांत प्रचारक महाकोशल ब्रजकांत, कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह, सांसद आशीष दुबे, विधायक अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी ‘इन्दू’, लखन घनघोरिया, महापौर जगतबहादुर सिंह अन्नू, कैलाशचंद जैन (अध्यक्ष, दिगंबर जैन पंचायत सभा), शरद जैन (पूर्व राज्यमंत्री) एवं अखिलेश जैन सीए (प्रदेश कोषाध्यक्ष, भाजपा) प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम के आयोजक डॉ. अभिलाष पांडे (विधायक, मध्य क्षेत्र) हैं। आयोजन में दिगंबर जैन संरक्षिणी सभा, दिगंबर जैन पंचायत सभा, जैन नवयुवक सभा, अखिल भारतीय दिगंबर जैन महिला परिषद, पूर्णायु आयुर्वेद चिकित्सालय एवं अनुसंधान विद्यापीठ और सकल जैन समाज जबलपुर ने समाजजनों से इस पवित्र आयोजन में सम्मिलित होकर इसे सफल बनाने का आग्रह किया है।

नगर के सिटी बंगाली क्लब का शताब्दी समारोह का हुआ भव्य शुभारंभ

ध्वज, प्रतीक चिन्ह, क्लब का शताब्दी गीत लोकार्पित

जबलपुर, देशबन्धु। बंग भाशियों की प्राचीन व प्रमुख संस्था सिद्धी बाला बोस लाइब्रेरी एपोसियेषन का शताब्दी समारोह का भव्य बुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर बताब्दी समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। शुभारंभ के मौके पर आतिशबाजी और बांग्ला संस्कृति के अनुरूप पंख ध्वनि और शुभ ध्वनि उलू के साथ आतिषबाजी के मध्य शताब्दी समारोह का शुभारंभ हुआ। रविवार से प्रारंभ हुआ, सह समारोह पूरे वर्श भर चलेगा ।

मुख्य अतिथि राकेश सिंह ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर पुश्प अर्पित करते हुए गुब्बारे को आकाश में छोड़ा मुख्य अतिथि का बांग्ला रीति-रिवाज से स्वागत किया गया। श्री सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान पंख और ऊलू

ध्वनि से पूरा सभागृह गूंज उठा।

रविन्द संगीत और वंदेमातरम् गायन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई साथ ही ओडिसी स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया ।

विशिष्ठ जनों का हुआ सम्मान- इस मौके पर श्रीमति जयश्री बैनर्जी, श्रीमती प्रीर्ति भादुडी, एस.पी. दत्ता, संदीप विश्वास, संतोष देवधरिया एवं मानतोश दत्त का सम्मान किया गया ।

ध्वज, प्रतीक चिन्ह, गीत का लोकार्पण-इस अवसर पर पताब्दी ध्वज, प्रतीक चिन्ह और गीत का लोकार्पण किया गया।

बंगाली संस्था के पदाधिकारियों का सम्मान-इस मौके पर जबलपुर के विभिन्न बंगाली कालीवाडी, संस्था के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। जिसमें डीबी क्लब विवेक व्हीएफजे, वेस्टलैण्ड खमरिया, रांझी कालीवाडी, रांझी बंगाली कॉलोनी, रामकृष्ण मिषेन, अधारताल दुर्गा पूजा समिति, नर्मदा दुर्गा पूजा समिति, प्रेमनगर कालीवाडी, अग्रवाल कालोनी दुर्गा पूजा, दक्षिण जबलपुर बंगाली एषोसियेषन, नारी मंगल समिति, निखित भारत बंग साहित्य सम्मेलन, बंगाली समाज वेलफेयर सोसायटी, जगधात्री पूजा समिति, मनसा पूजा समिति, केन्ट दुर्गा उत्सव समिति, भारत सेवाश्रम आदि संस्था के पदाधिकारी का सम्मान किया गया ।

ये थे मंचासीन -राकेश सिंह, पो. गायत्री सिन्हा, सुब्रत पाल, प्रकाष साहा, स्वामी सर्वेदानंद महाराज, स्वामी भूदेवानंद महाराज एवं आभार प्रदर्शन अभिजीत मुखर्जी/श्रीमती कृशणा चटर्जी ने किया ।

इनकी रही उपस्थिति -सुब्रत पाल, प्रकाश साहा, डी. के. रॉय, एन. एन. मुखर्जी, सुरजीत गुहा, आशीष धोष, अनुराग पाल, आर एन दत्ता, आशीष सेन, चंदन कारफोर्मा, नीलादी चटर्जी, मुकुल घोष, विश्वजीत घोष, मृतुन्जय पाल, बेखर आई. बी. रुद्रा, विजय भट्टाचार्य श्री तृष्ण चटर्जी, श्रीमती रुपांजलि बैनर्जी, श्रीमती संगीता भद्रा, अमित चक्रवर्ती, सुब्रत सोम, अंजन दासगुप्ता अभिजीता घोश, कांति राय, स्वरूप दत्ता, देवज्वाय मंधुषी आदि की उपस्थित रही ।

नगर पालिका कर्मचारी संघ के कैलेंडर का विमोचन

जबलपुर, देशबन्धु। ननिज कर्मचारी संघ के केलेंडर का विमोचन संपन्न हुआ, जिसमें महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू भैया, पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया, सांसद आशीष दुबे, विधायक अभिलाष पांडे, आयुक्त प्रीति यादव, रिंकुज बिज, अमरीश मिश्रा, आलोक तिवारी उपस्थित थे। वार्षिक कैलेंडर में समस्त शासकीय अध्यक्ष अवकाश व्रत त्यौहार के साथ-साथ संगठन की गतिविधियों संबंधित जानकारियां उपलब्ध है। इस अवसर पर नगर निगम नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रांतीय सचिव एडवोकेट पंडित राम दुबे नगर निगम नगर पालिका कर्मचारी संघ के संभाग संरक्षक पंडित योगेंद्र दुबे नगर निगम नगर पालिका कर्मचारी संघ की प्रांतीय संगठन सचिव कपिल आनंद दुबे नगर निगम नगर पालिका कर्मचारी संघ जबलपुर जिला अध्यक्ष पंडित अनिल तिवारी जिला सचिव बसंत पांडे नगर निगम इकाई अध्यक्ष हरनारायण पटेल मुकेश रजक, रमेश मिश्रा अजाक्स के प्रांतीय उपाध्यक्ष अजय सोनकर जिला उपाध्यक्ष देवेश चौधरी जिला महासचिव राकेश समुद्रे ने अपनी बात रखी।

इस अवसर पर बताया गया कि नगर निगम पालिका कर्मचारी संघ के कैलेंडर में जबलपुर संभाग के जन प्रतिनिधि एवं नगर पालिकाओं के पदाधिकारियों से जुड़ी जानकारी हैं। जिससे संभाग जबलपुर में किसी कर्मचारी को किसी भी पालिका में संपर्क साधने में सुगमता होगी।

कार्यक्रम में सभी इकाइयों के इकाई अध्यक्ष

अर्पित दुबे बरेला, सुनील बैरागी भेड़ाघाट, गगन भाई शाहपुरा, दीपेश बबेले पाटन, जुगल किशोर राजपूत, शिवनारायण शुक्ला कटंगी, राम सजीवन चौधरी मंझौली, मनोज खम्परिया, राजेंद्र दुबे सिहोरा, बेड़ी लाल, संतोष कुमार बेलवंशी पनागर व नगर निगम जबलपुर के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दैनिक राशिफल

सोमवार 13 जनवरी 2024 का पंचांग विक्रम संवत् 2081, शक संवत 1946 हिजरी 1445। पौष शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा, नक्षत्र-आर्द्रा।

मेष आज आपका मन बेचैन रहेगा। किसी बात को लेकर कुछ ज्यादा ही इमोशनल रहेंगे। आज किसी के साथ वाद-विवाद में न उतरें।

वृषभ आर्थिक कामों में आज कोई अड़चन आ सकती है। मित्रों और रिश्तेदारों के मिलने से मन खुश रहेगा। व्यापार में भागीदारी के काम में आपको लाभ मिलेगा।

मिथुन आपके दिन का आरंभ शारीरिक और मानसिक स्वस्थता से होगा। आप खुश रहेंगे। परिजन और मित्रों के साथ आनंदपूर्वक समय गुजारेंगे।

`क-

कर्क आज आपके धन की आय कम और व्यय अधिक होगा। आंखों के दर्द रह सकता है। मानसिक चिंता भी रहेगी। वाणी में संयम बनाए रखें।

सिंह आज आपके मन में क्रोध और आवेश की भावना रहेगी। लोगों के साथ संभलकर बातचीत करें। स्वास्थ्य की दृष्टि से आज का दिन शुभ नहीं है। मन में चिंता रहेगी।

कन्या आपकी आज की सुबह आनंदप्रद और लाभप्रद रहेगी। व्यवसाय में लाभ होगा। सामाजिक क्षेत्र में आपकी प्रशंसा होगी। उधार दिए पैसे वापस आ सकते हैं।

तुला आज आपको शारीरिक और मानसिक सुख अच्छा रहेगा। व्यापार में आप उत्साहपूर्वक काम करेंगे।

वृश्चिक आज विरोधियों और प्रतिस्पर्धियों के साथ वाद-विवाद में ना पड़ें। व्यवसाय में परिस्थिति अनुकूल नहीं होगी। संतान के साथ मतभेद हो सकता है।

धनु आज आपको हर मामलों में सावधान होना पड़ेगा। क्रोध करने से हानि होने की आशंका बनी रहेगी। शारीरिक अस्वस्थता रह सकती है। बिजनेस में कर्मचारीयों का व्यवहार नकारात्मक रहेगा।

मकर आज अपने प्रिय दोस्तों या रिश्तेदारों के साथ घूमने-फिरने का मन करेगा। वाहन-सुख मिलेगा तथा मान-सम्मान भी मिलेगा।

कुंभ आज आपको काम में सफलता मिलेगा। इससे आपका यश बढ़ेगा। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। सामाजिकरूप से मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मीन आज का दिन अच्छी तरह से गुजरेगा। कला के क्षेत्र में आपकी अभिरुचि बढ़ेगी। मित्रों से हुई मुलाकात आनंद देगी।

म.

2,3,7,8,25,34,71,88,80,31,54,86

25 स्वर्णिम वर्ष संवारेगा युवा : पीएम ने दिया संदेश

जबलपुर, देशबन्धु। राष्ट्रीय युवा उत्सव 2025 के अंतर्गत रानी दुर्गावती विश्वविद्याल, जबलपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा भारत के प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी के भाषण का लाइव टेलीकास्ट किया गया जिसमें नरेन्द्र मोदी ने भारत के समस्त युवाओं को उद्बोधित करते हुए कहा कि आने वाले 25 वर्ष देश के लिए स्वर्णिम काल है जिसे सवार कर ही वह विकसित भारत का निर्माण करेंगे।

आयोजन में सर्वप्रथम मंच पर आसीन अतिथियों में चन्द्रशेखर पटेल सदस्य कार्य परिषद रादुविवि, डीआईसी डायरेक्टर प्रोफ. एस.एस. संधू कार्यक्रम संयोजक प्रो. शोभाराम मेहरा कार्यक्रम समन्वयक व सहसंयोजक डॉ देवांशु गौतम कार्यक्रम अधिकारी ओपन यानिट कार्यक्रम सहायक एन वाय के एस सहायक अतुल पांडे उपस्थित रहे, जिन्होंने स्वामी विवेकानन्द एवं माँ सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रजनन किया।

इसके पश्चात कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ शोभा राम मेहरा द्वारा प्रस्तुत की गयीं जिसके पश्चात क्रमश: अतिथियों के उद्बोधन हुए। प्रोफेसर एसएस संधू ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम सभी को स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को अपनाना चाहिए और उनका पालन करना चाहिए ताकि हमारा जीवन भी ऊर्जा से परिपूर्ण रहे। इसके पश्चात् अतुल पांडे ने कहा कि हम सभी को अपने जीवन के अनुभव को शिक्षा समझ के आगे बढ़ना चाहिए! इनके पश्चात मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित चंद्र शेखर पटेल ने कहा कि हम सभी को भारत को विश्व गुरु बनाना और स्वामी विवेकानन्द के आह्वान के साथ यदि हम आगे बढ़ेंगे तो निश्चित तौर पर 2047 में हमारा भारत पुन: विश्व गुरु के रूप में स्थापित होगा।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न संस्थाओं के छात्र छात्राओं ने भाषण की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ देवांशु गौतम ने किया। इस दौरान र्यक्रम के सफल आयोजन में रा से यो प्रकोष्ठ के राघवेन्द्र मिश्रा, सत्येंद्र पटेल वरिष्ठ स्वयंसेवकों में सुवेंदु मन्ना, अमित शिवहरे, सुयश श्रीवास्तव, निखिल कुमार गुप्ता, छावी त्रिपाठी,अमन काछी आदि का योगदान रहा तथा विभिन्न संस्थाओं के लगभग 150 स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

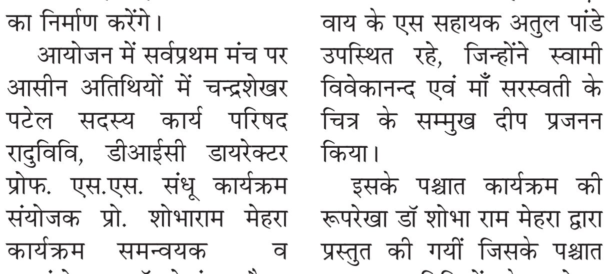

एपीएन स्कूल में सूर्य नमस्कार

एपीएन स्कूल में सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया महापुरुषों का जीवन हमें जीवन जीने की प्रेरणा देता है उनके बताए हुए रास्ते पर चलकर हम अपने जीवन को सफल बना सकते हैं। स्वामी विवेकानंद जी का जीवन भी प्रेरणादायक है उन्होंने नागरिकों को अपने कर्तव्यों एवं अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए कहा उनकी जयंती हम प्रतिवर्ष युवा दिवस के रूप में मनाते हैं और सूर्य नमस्कार करते हैं। एपीएन हायर सेकेंडरी स्कूल में युवा दिवस के अवसर पर सूर्य नमस्कार किया गया। जिसमें विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। सभी ने सूर्य नमस्कार की विभिन्न मुद्राओं को किया और स्वामी विवेकानंद जी का स्मरण किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से शाला प्राचार्य अजय कुमार वर्मा सहित एसके साहू, सिद्धिका उस्मानी, शरीफ खान, रजनी श्रीवास्तव एवं सभी शिक्षक शिक्षिकाएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सेंट मेरीज विद्यालय में योग दिवस

लोक शिक्षण संचनालय प्रदेश के निर्देशानुसार सेंट मेरीज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, व्ही एफजे में 12 जून 2025 को प्रात: 9:00 बजे से 10:30 तक स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर युवा दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा छठवीं से 12वीं तक के सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़े प्रेरणादायी संदेश प्रदान किए गए। प्रदेश की विजय गाथा को दर्शाते हुए नृत्य नाटिका,योगा एवम सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री मोहन यादव का रिकॉर्ड संदेश प्रसारित किया गया। सूर्य नमस्कार प्रारंभ करने का संकेत मिलते ही सामूहिक रूप से सूर्य नमस्कार करवाया गया। शाला के वाइस प्रेसिडेंट रेवरेंट फादर शाजीपी जोशुआ ने स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर विद्यार्थियों को उनके जीवन पर आधारित प्रेरणादायी संदेश दिया एवं जयंती की शुभकामनाएं दी।

प्राचार्य श्रीमती मिनाती एस चार्ल्स द्वारा योग का दैनिक जीवन में महत्व बताते हुए विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत द्वारा किया गया।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

विनोद कुमार अग्रवाल- दरहाई निवासी श्री विनोद कुमार अग्रवाल (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

धनेश खन्ना- बेदी नगर मदनमहल निवासी श्री धनेश खन्ना (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

मीरा बाई पासी- बगीचा नं. 67, सदर निवासी श्री रूपलाल पासी की धर्मपत्नी श्रीमती मीरा बाई पासी (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

दुर्गा बाई राजपूत- टंडन काम्पलेक्स लोधी मोहल्ला गढ़ा निवासी श्री मोहन सिंह राजपूत की धर्मपत्नी श्रीमती दुर्गा बाई राजपूत (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

राजेश अरोड़ा- दुर्गा नगर ग्वारीघाट निवासी श्री राजेश अरोड़ा (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

साधू बंशकार- प्रेमसागर बंगाली कॉलोनी निवासी श्री साधू बंशकार (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

भोपाल सिंह- ओम कला मंदिर चांदमारी लालमाटी निवासी श्री भोपाल सिंह (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

अमोल शर्मा- कांचघर निवासी श्री नरोत्तम दास शर्मा के पुत्र श्री अमोल शर्मा (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

खेत सिंह ठाकुर- घड़ी चौक विजयनगर निवासी श्री खेत सिंह ठाकुर (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

विमला बाई भोजक- खेरमाई वार्ड खटीक मोहल्ला निवासी श्री गुलाब भोजक की धर्मपत्नी श्रीमती विमला बाई भोजक (73) का निधन हो गया। संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

राजा यादव- मांडवा रामपुर निवासी श्री सुशील यादव के पुत्र श्री राजा यादव (20) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

मोहन बर्मन- गोरखपुर बनारसी दास भानोत वार्ड निवासी श्री मोहन बर्मन (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

बलराम सिंह- सिद्धबाबा लालमाटी चाचा किराना के पास निवासी श्री बलराम सिंह (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

मोहन नायकर- कांचघर निवासी श्री मोहन नायकर का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

राजू राजपूत- सीता पहाड़ बजरिया रिज रोड निवासी श्री सोहन लाल राजपूत के पुत्र श्री राजू राजपूत (44) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

साइबर ठगी के पहले लिया था प्रशिक्षण!

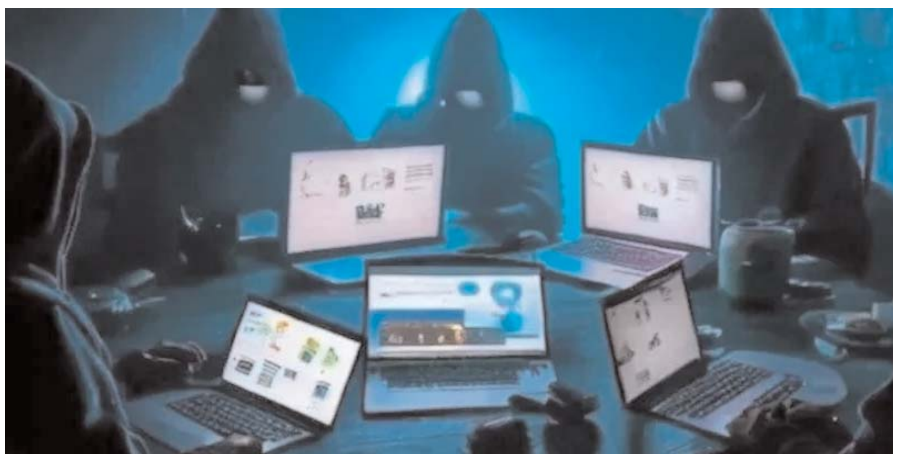

गिरोह के भंडाफोड़ के बाद साइबर सेल के सामने आ रहे तथ्य, फर्जी गेमिंग एप और सोशल मीडिया के जरिए ठगी का खेल करने वाले अब तक18 गिरफ्तार

जबलपुर,देशबन्धु। शहर की साइबर सेल ने साइबर ठगी के बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ कर दिया हैं। मामले में पूर्व में गिरफ्तार 12 आरोपियों के 6 अन्य साथी हैदराबाद और हरियाणा से गिरफ्तार किए गए हैं। फर्जी गेमिंग एप और सोशल मीडिया के जरिए ठगी का खेल खेलने वाले आरोपियों ने पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे किए हैं।

उन्होंने बताया कि ठगी करने से पहले उन्होंने इसके लिए स्थापित ठगो से विधिवत प्रशिक्षण लिया था। इन साइबर ठगों का नेटवर्क देश के कई राज्यों में फैला है। टेरर फंडिंग और अरब देशों में साइबर ठगी का पैसा भेजने के कोण पर भी जांच की जा रही हैं। साइबर अपराध से जुड़े अंतर राज्य गिरोह के 6 अन्य सदस्य भी गिरफ्तार हुए है। राज्य साइबर पुलिस जबलपुर की टीम ने हैदराबाद और हरियाणा से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 14 लैपटॉप, 40 मोबाइल फोन, 79 एटीएम कार्ड, 6 बैंक पासबुक, 5 बार कोड और दो चेक बुक जब्त हुए है। करोड़ों के ऑनलाइन फ्रॉड के इस मामले में अब तक कुल 18 आरोपी गिरफ्तार हो चुके है। आरोपी फर्जी गेमिंग एप, शासकीय योजनाओं का लाभ दिलवाने और सोशल मीडिया साइट्स के जरिए ठगी करने का खेल खेलते थे। आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

आरोपियों ने ली ठगी की ट्रेनिंग

शहर की साइबर सेल द्वारा गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में नए खुलासे किये हैं। बताया गया है कि ठगों को ट्रांजेक्शन के लिए बैंक खाता देकर मिलने वाले कमीशन के लालच में पड़कर कुछ आरोपियों को ठगी का भी चस्का लग गया था। आरोपियों ने बाहर जाकर गिरोह के सदस्यों से ऑनलाइन ठगी का प्रशिक्षण प्राप्त किया था। आरोपियों ने ऑनलाइन ठगी के प्रशिक्षण के लिए दिल्ली और हरियाणा का दौरा किया।

पुलिस ने हैदराबाद और सतना में गिरोह के 12 सदस्य गिरफ्तार किए और उनसे महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। आरोपी ऑनलाइन गेमिंग और अन्य फायदों का झांसा देकर को चूना लगा रहे थे। यह जानकारी पुलिस की स्टेट साइबर सेल की पकड़ में आए आरोपियों से पूछताछ में सामने आई है। उल्लेखनीय है कि पुलिस ने दो दिन पहले हैदराबाद और सतना में कार्यवाही करते हुए ऑनलाइन ठग गिरोह से जुड़े 12 सदस्यों को गिरफ्तार किया था। आरोपियों से प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस अब ऑनलाइन ठगी का प्रशिक्षण देने वाले गिरोह के सदस्यों के बारे में पता लगा रही है। पूछताछ में कई अन्य सुराग भी पुलिस के हाथ लगे है।

कई बैंक खाते भी आए सामने

ऑनलाइन ठगी के मामले में सतना के एक बैंक खाता में राशि जमा होने का पता चला था। इस खाते का पीछा करते हुए स्टेट साइबर सेल सतना पहुंची थी। जांच में सतना में ऐसे कई बैंक खाते सामने आए थे, जिसमें साइबर धोखाधड़ी और ठगी की राशि जमा हो रही थी। दूसरे राज्य में बैठे शातिर ठग ऑनलाइन राशि सतना के कई लोगों के बैंक खाता में जमा कर रहे थे। प्रत्येक ट्रांजेक्शन पर ज़ कमीशन देते थे। इस खेल में कुछ खाताधारक ऐसे भी थे जिनकी जानकारी के बिना बैंक कर्मियों की मिली भगत से ऑनलाइन ठगी राशि का आदान-प्रदान हो रहा था। मामले में स्टेट साइबर सेल ने जबलपुर, मैहर और सतना निवासी 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 15 लाख रुपये जब्त हुए है।

फर्जी सिम कार्ड बेचने वालों को ढूंढ रहे

गिरफ्तार आरोपियों के पास से 19 फर्जी सिम कार्ड जब्त हुई है। इन सिमकार्ड का उपयोग साइबर ठगी के लिए बैंक खाता खुलवाने में किया जाता था। सिमकार्ड अन्य लोगों के नाम पर है। जांच में सामने आया है कि ठगी और उसे लेन-देन के लिए आरोपितों ने फर्जी तरीके से सिमकार्ड निकलवाई थी। ये सिमकार्ड सतना और जबलपुर से क्रय किए गए थे। फर्जी सिमकार्ड बेचने वालों को ढूंढा जा रहा है।

लोगों में जगाने साइबर जागरुकता रथ रवाना

जबलपुर,देशबन्धु। बढ़ते हुये साइबर अपराधों की रोकथाम तथा साइबर अपराधों के प्रति जन जागरूकता हेतु साइबर जागरूकता रथ% को रविवार को पुलिस अधीक्षक जबलपुर संपत उपाध्याय ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। ज्ञात हो कि बढ़ते हुए साइबर अपराधों की रोकथाम हेतु जबलपुर पुलिस लगातार प्रयासरत है। रविवार को साइबर अपराधों के प्रति जन जागरूकता फैलाने और लोगों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के लिए प्रेरित करने हेतु जबलपुर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय से पुलिस अधीक्षक ने साइबर जागरूकता रथ% को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। श्री उपाध्याय ने कहा कि यदि लोग सावधानी बरतें, तो वे अधिकांश साइबर अपराधों से बच सकते हैं। साइबर जागरूकता रथ का उद्देश्य साइबर अपराधों जैसे डिजिटल अरेस्ट, हैकिंग, ऑनलाइन ठगी, फिशिंग, रैनसमवेयर, पोर्नग्राफी, ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग और साइबर बुलिंग पर अंकुश लगाना है। साइबर जागरूकता रथ के माध्यम से भीड़भाड़ वाले स्थान, बाजार, कालोनी, मोहल्ले आदि में साइबर अपराधों के सम्बंध में ऑडियो क्लिप और बैनर पोस्टर के जरिए लोगों को जानकारी दी जाएगी, जिसमें डिजिटल अरेस्ट, एटीएम और ओटीपी फ्रॉड, फर्जी लोन ऐप्स, सेक्सटॉर्शन, और सोशल मीडिया से जुड़ी साइबर फिशिंग और बुलिंग जैसे अपराधों से बचने के उपाय बताए जाएंगे।

किसी भी बैंक द्वारा कभी भी एटीएम नंबर और पासवर्ड जैसी महत्वपूर्ण जानकारी फोन या ईमेल से नहीं मांगी जाती है, और ऐसी जानकारी देने से बचना चाहिए। साइबर जागरूकता रथ के माध्यम से लोगों से अपील की जा रही है कि वे साइबर अपराध होने पर तत्काल 1930 हेल्पलाइन या नजदीकी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराएं। इसके अतिरिक्त जबलपुर पुलिस द्वारा स्कूल, कॉलेज और सार्वजनिक स्थानों पर भी साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे है तथा बैनर-पोस्टर लगाए गये है ताकि लोग इन सायबर अपराधों के प्रति सचेत रहें।

शहर में कहां से आ रहे नकली नोट!

जबलपुर,देशबन्धु। शहर में एक बार फिर 5 सौ रुपए के नकली नोट पहुंचने की सुगबुगाहटें तेज हो गई हैं। हालहीं में एक निजी कंपनी पर बड़े ओहदे पर कार्यरत व्यक्ति परिवार के साथ शापिंग करने के लिए एक बड़े शोरूम पहुंचे। जहां उन्होंने करीब 20 हजार रुपयों की खरीददारी करने के बाद जैसे ही कैश काउंटर पर पैसे दिए, वहां बैठे कर्मचारी ने उन्हें शक की निगाहों से देखते हुए 5 सौ रुपए के पांच नोट यह कहकर लौटा दिए कि वो नकली हैं। वे हैरत में पड़ गए, उन्होंने तत्काल पत्नी से दूसरे नोट लेकर बिल चुकाया लेकिन अब वे इस बात से परेशान हैं कि उनके पास नकली नोट कहां से आए। पीड़ित गुरुवार को बैंक पहुंचे, जहां उन्होंने जैसे ही नोट कैशियर को दिए उनने ब्लैक मार्का लगाकर नोट जब्त कर लिया। इसके बाद उन्हें पता चला कि नकली नोट पर बैंक द्वारा कोई रकम नहीं लौटायी जाती। यह इकलौता मामला नहीं है, जिसमें किसी आम नागरिक को नकली नोटों की वजह से अपनी खून-पसीने के कमाई को गंवाने के साथ दूसरे के सामने गुनहगारों की तरह शर्मिंदा होना पड़ा हो। आए दिन नकली नोटों की वजह से कई लोगों की मेहनत की कमाई पर कालिख पोत दी जाती है।

5 सौ के नोट को लेकर असमंजस की स्थिति

नेपाल-बांग्लादेश से आती खेप

जानकारों की मानें तो नकली नोटों की खेप पाकिस्तान से नेपाल और बांग्लादेश भेजी जाती है, फिर यहां से पूर्वोत्तर राज्यों से इन्हें देश के कोने-कोने में भेज जाता है। मप्र में नेपाल से ज्यादा तस्करी होती है लेकिन हाल ही में खुफिया तंत्र ने ऐसी भी सूचनाएं जुटाई थीं, जिसमें जबलपुर, कटनी और शहडोल जिलों में नकली नोट बनाने के कारखाने संचालित होने की जानकारी मिली थी लेकिन पुलिस-प्रशासन की बेफिक्री के कारण अवैध कारोबारी इत्मीनान से अपना गोरखधंधा संचालित करने में जुटे हुए हैं।

गोहलपुर में 10 साल पूर्व पकड़ा जा चुका है अड्डा-नकली नोटों के कारोबार को लेकर करीब 10 वर्ष पूर्व गोहलपुर पुलिस ने थाने के समीप एक मकान में छापा मारकर कुछ लोगों को नकली नोटों के साथ पकड़ा था लेकिन तह तक जाने की बजाय पुलिस ने अपनी उपलब्धि का प्रचार-प्रसार करते हुए आरोपियों को जेल भिजवा दिया था। जहां से चंद दिनों बाद ही आरोपी जमानत पर छूटकर फिर अपने काम में जुट गए।

वायरल हो रहा एक संदेश-शहर में इन दिनों एक संदेश भी तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें कहा जा रहा हैं कि 500 के नकली नोट अब बाजार में दिखने लगें हैं। जिन्हें आम आदमी को पहचान पाना मुश्किल सा है। केवल अंग्रेजी में लिखे भारतीय रिज़र्व बैंक की स्पेलिंग में में अंतर है, जिसमें रिजर्व बैंक में रिजर्व की स्पेलिंग गलत लिखी हुई हैं। इस संबंध में एक पत्र भी प्रेषित किया जा रहा हैं हालांकि इस संबंध में किसी भी तरह का अधिकृत बयान फिलहाल जारी नहीं हुआ हैं।

मकर संक्रांति पर रेलवे पटरियों के आसपास पतंगबाजी से बचें

जबलपुर,देशबन्धु। भारत में मकर संक्रांति का पर्व बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। जबलपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में इस अवसर पर पतंगबाजी का प्रचलन भी है। लेकिन, रेलवे ट्रैक के पास पतंगबाजी के कारण हर साल कई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटनाएं होती हैं। जबलपुर मंडल के सभी रेल खंडों पर रेलगाड़ियां विद्युत कर्षण प्रणाली से संचालित हो रही हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा ने बताया कि रेलवे ट्रैक के ऊपर लगी विद्युत तारों में 25,000 वोल्ट की बिजली प्रवाहित होती है। यदि पतंग की डोर इन तारों के संपर्क में आ जाती है तो तेज विद्युत प्रवाह के कारण घातक करंट लग सकता है। विशेष रूप से धातुयुक्त मांझा या गीली डोर के कारण यह करंट पतंग उड़ाने वाले तक सीधे पहुंच सकता है, जो कि जानलेवा हो सकता है। इसके अतिरिक्त, तेज गति से चल रही रेलगाड़ियों के संपर्क में आकर भी गंभीर दुर्घटनाएं हो सकती हैं। रेलवे प्रशासन आम जनता से अपील करता है कि पतंगबाजी के लिए रेलवे ट्रैक और रेलवे परिसर से दूर रहें।

इसके साथ ही, रेलवे ट्रैक को अनाधिकृत स्थानों से पार करना रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 147 के तहत दंडनीय अपराध है। ऐसा करने पर 1,000 तक का आर्थिक दंड, 6 माह का कारावास, या दोनों हो सकते हैं। मंडल रेल प्रबंधक श्री कमल कुमार तलरेजा के मार्गदर्शन में मकर संक्रांति पर्व के मद्देनजर रेलवे सुरक्षा बल और संरक्षा विभाग द्वारा विशेष जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं।

बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत

धनी की कुटिया के पास घटना से आक्रोश, आनन-फानन में निगम प्रबंधन ने हटवाए अतिक्रमण

जबलपुर,देशबन्धु। अधारताल थानांतर्गत धनी की कुटिया के पास कटनी से दमोहनाका की तरफ जा रही एक तेज रफ्तार बस ने एक बाइक सवार को टक्कर मार मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद जहां बस चालक बस छोड़कर मौके से फरार हो गया वहीं पुलिस ने बस जब्त कर मामले की विवेचना शुरु कर दी हैं। आरोपी चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या, हिट एंड रन सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया हैं। शाम करीब साढ़े 6 बजे हुई घटना की जानकारी मिलने के बाद हरकत में आए पुलिस प्रशासन एवं निगम प्रबंधन ने क्षेत्र के अतिक्रमणों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तत्काल जेसीबी से क्षेत्र में रोड किनारे जमे अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान धनी की कुटिया चौक के पास चौराहे के तमाम अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई की गई।

प्रत्यक्षदर्शियों एवं पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शाम करीब साढ़े 6 बजे गढ़ा निवासी विकास ठाकुर नामक युवक अपनी बाइक से कहीं जा रहा था। इसी दौरान कटनी से दमोह नाका की ओर जाती एक तेज रफ्तार बस ने उसे टक्कर मार कर मौत के घाट उतार दिया। वारदात के बाद जहां क्षेत्रीय जनो को एकत्रित होता देख बस चालक बस छोड़ कर भाग गया वहीं हादसे में गंभीर रूप से घायल होकर अचेत अवस्था में पड़े युवक को आनन-फानन में नजदीक के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। पंचनामा कार्रवाई कर शव को पीएम के लिए भेजते हुए प्रकरण दर्ज कर पुलिस ने मामला विवेचना में लिया हैं।

शराब के लिए रुपए न देने पर महिला से मारपीट

जबलपुर,देशबन्धु। पाटन थानांतर्गत ग्राम बिल्थरा में शराब पीने के लिए रुपए न देने पर एक महिला के साथ उसके पड़ोसी ने मारपीट कर दी। इस मामले में पीड़िता 28 वर्षीय सोनल यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई। सोनल ने बताया कि उसके पति सुबह लक्ष्मीबाई साहू कॉलेज मे काम करने चले गए थे। शाम लगभग साढ़े 4 बजे वहे घर के सामने लगे नल से पानी भरने गई थी कि तभी घर के पीछे रहने वाले आरोपी संतोष चौधरी उर्फ बबलू ने उनके साथ गाली-गलौज कर शराब पीने के लिए रुपए मांगे। महिला के रुपए देने से मना करने पर आरोपी ने उसे थप्पड़ मारकर गिरा दिया। क्षेत्र के लोगों के बीच बचाव करने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया। रिपोर्ट पर धारा 296, 115(2), 119(1), 351(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

दंपत्ति का विवाद सुलझाने वाले बड़े पिता से मारपीट

जबलपुर,देशबन्धु। पाटन थानांतर्गत एक दंपत्ति के बीच हो रहे विवाद को शांत कराने वाले बड़े पिता के साथ दंपत्ति के पुत्र ने मारपीट कर दी। मामले में पीड़ित ग्राम आरक्षा निवासी 44 वर्षीय दशरथ बेन ने रिपोर्ट दर्ज कराई। पेशे से श्रमिक दशरथ ने बताया कि बीती रात करीब साढ़े 8 बजे वे काम से लौटे ही थे कि उनका छोटा भाई धर्मेन्द्र और धर्मेन्द्र की पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहा सुनी हो रही थी। इस पर वे धर्मेन्द्र को समझाने लगे। इस बात पर धर्मेन्द्र के लड़के राज बेन ने कहा कि उसके माता पिता के झगड़े में बीच मे बोलने की जरूरत नही हैं। ऐसा कहते हुए आरोपी राज ने धर्मेंद्र पर राज बेन ने घर से तलवार लाकर हमला कर दाहने कान में चोट पहुंचा दी और मारपीट कर दी जिससे धर्मेंद की आंख में चोट आयी। रिपोर्ट पर धारा 296, 115(2), 118(1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

रेस्टोरेंट में तेज आवाज साउंड बॉक्स बजाते हुए परोसी जा रही थी शराब

माढ़ोताल थाना ने संचालक के खिलाफ दर्ज की एफआईआर

जबलपुर,देशबन्धु। जिला दण्डाधिकारी के आदेश का उल्लंघन कर माढ़ोताल क्षेत्र के एक रेस्टोरेंट में तेज आवाज में साउंड बाक्स बजाने एवं शराब पिलाने वाले संचालक के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किया गया।

टीआई माढ़ोताल विपिन ताम्रकार ने बताया कि बीती देर रात सूचना मिली कि दीनदयाल चौक स्थित डिकासा पब बार रेस्टोरेंट में तेज आवाज में साउण्ड बाक्स बज रहा है। सूचना पर दबिश दी गई। डिकासा पब के अंदर तेज आवाज में साउण्ड बाक्स बज रहे थे। बार के संचालक द्वारा अपने पब में लोगों को शराब पिलवाई जा रही थी। पब रेस्टोरेंट के संचालक त्रिपुरी चौक, गढ़ा निवासी आरोपी 41 वर्षीय जितेन्द्र तिवारी द्वारा जिला दण्डाधिकारी के आदेश का उल्लंघन करना पाये जाने से 2 साउण्ड बाक्स एम्पलीफायर सहित, एक डिस्पोजल गिलास, 2 पानी की बाटल, एक अंग्रेजी शराब की बाटल आधी भरी हुयी जब्त करते हुए आरोपी के विरूद्ध धारा 223 बीएनएस, 36 सी आबकारी एक्ट तथा 7/15 कोलाहल एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

जुआं फड़ों से 12 जुआड़ी धराए

जबलपुर,देशबन्धु। शहर के जुए के फड़ों पर छापा मार कर पुलिस ने जहां 12 जुआरियों को धदबोचा वहीं उनके कब्जे से 8 हजार 200 रूपये जब्त किए गए। शहर मे चल रही जुआंफड़ों में धरपकड़ के बीच यह भी खबर हैं कि शहर के जुआंरी आस-पास के जिलों में बैठकर जुआं फड़ लगा रहे हैं।

एसपी सम्पत उपाध्याय द्वारा जिले मे पदस्थ समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को संगठित जुआ, सट्टा खिलाने वालों को चिन्हित करते हुये उनके विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु आदेशित किया गया है। आदेश के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर आनंद कलादगी एवं नगर पुलिस अधीक्षक ओमती पंकज मिश्रा के मार्ग दर्शन में थाना सिविल लाईन की टीम द्वारा 12 जुआडियो को जुआ खेलते हुये रंगे हाथ पकडते हुये 8 हजार 200 रूपये जब्त किये गये है। थाना प्रभारी सिविल लाईन नेहरू सिंह खण्डाते ने बताया कि बीती देर रात मुखबिर से सूचना मिली कि पावर हाउस के पास शंकर मंदिर के पास तथा गोकुलदास घर्मशाला के पास कुछ लोग ताश पत्तों पर रूपये की हारजीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर मुखबिर के बताये स्थानों पर दबिश दी गई। जहां शंकर मंदिर के चबूतरे में लाइट के उजाले में आरोपी बंबा देवी मंदिर के पास घमापुर निवासी अमित सिंह नेगी, चाचा किराना के पीछे पटेल मोहल्ला घमापुर निवासी राहुल पटैल, छुई खदान सिविल लाईन निवासी गोपाल सिंह चंदेल पावर हाउस के पीछे इंद्रामार्केट निवासी संजय पाण्डे, शैलेन्द दुबे, पुरानी बस्ती कांचघर निवासी रामाधार चैधरी उर्फ प्रिंस तथा मालगुजार परिसर अमखेरा गोहलपुर निवासी विजय मिश्रा, शंकर जी मंदिर के सामने तलैया गुजराती कालोनी चेरीताल कोतवाली निवासी सत्यप्रकाश वर्मा, शुक्ला होटल कांचघर घमापुर निवासी पवन ठाकुर जुआ खेलते मिले।

इसी प्रकर गोकुलदास धर्मशाला के पीछे दबिश देते हुये अरूण कोल निवासी पावर हाउस के पीछे सिविल लाईन, प्रदीप चैधरी निवासी झंडा चौक घमापुर, नीरज गोटिया निवासी झंडा चैक कांचघर को ताश पत्तों पर रूपयों की हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेलते पकड़ा गया जुआरियों के पास तथा फडो़ से ताश के 52-52 पत्ते एवं 8200 रूपये जब्त करते हुये जुआरियों के विरूद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

दमोह में मिले शहर के जुआड़ी

इसी तरह दमोह स्थित जटाशंकर क्षेत्र में पुलिस ने एक ऐसे जुआंफड़ पर छापा मारा है। जहां पर जबलपुर सहित आसपास के जिलो से से जुआंड़ी खेलने के लिए आते थे। पुलिस ने जुआंफड़ से 17 जुआडियों से 16 लाख 5 हजार रुपए बरामद किए है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जटाशंकर क्षेत्र में लम्बे समय से जुआंफड़ संचालित हो रहा था, जहां पर जबलपुर, सागर सहित आसपास क्षेत्र के जुआंड़ी खेलने के लिए आते रहे। बीती देर रात भी जुआंड़ी एकत्र हुए थे, इस बात की खबर मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर दबिश दी। पुलिस को देखते ही जुआंडियों में अफरातफरी व भगदड़ मच गई. पुलिस ने मौके से 17 जुआंडियों को गिरफ्तार कर 16 लाख 5 हजार रुपए बरामद कर लिए। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दमोह में यह पहला मौका है जब किसी जुआं फड़ से इतनी अधिक धनराशि जब्त की गई. पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन व मोटर साइकल व कार बरामद किए।

आस्तित्व संकट के दौर से जूझ रहा डीएन जैन कॉलेज

प्रबंधन ने लिया बंद करने का निर्णय, संस्था से जुड़े लोग निराश

जबलपुर,देशबन्धु। शहर का डी एन जैन महाविद्यालय आस्तित्व संकट के दौर से जूझ रहा हैं। संस्था से जुड़े लोगों की मानें तो संस्था आर्थिक संकट के दौर से गुजर रही है। अध्यापन कराने वाले प्राध्यापकों की भी कमी है। इस स्थिति में महाविद्यालय बंद होने की कगार पर आ गया है। महाविद्यालय की प्रबंध समिति के एक सदस्य ने भी इसे बंद करने का प्रस्ताव दे दिया है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. तरुण वाजपेयी ने संस्था की आर्थिक स्थिति का जिक्र करते हुए बताया कि महाविद्यालय में विभिन्न फैकल्टी में प्राध्यापकों की कमी है। संस्थान की आर्थिक स्थिति भी अच्छी नहीं है। संस्थान को आगे चलाना है तो नए संकायों को शुरू किया जाना चाहिए। बताया गया है कि वर्तमान प्रबंधन को ऐसा लगता है कि अब महाविद्यालय लाभ देने की स्थिति में नहीं हैं। बिना आर्थिक लाभ के इस महाविद्यालय को संचालित करना औचित्यहीन है। इसी का नतीजा रहा कि गत दिवस महाविद्यालय को बंद करने का प्रस्ताव गवर्निंग बॉडी के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया । इस प्रस्ताव पर कुछ लोगों ने नाराजगी भी जताई। उनका कहना था कि महाविद्यालय की स्थापना आर्थिक लाभ कमाने के उद्देश्य से नहीं की गई थी। वैसे भी शैक्षणिक संस्थानों को लाभ कमाने के उद्देश्य से स्थापित नहीं किया जाता है।

जानकारी के मुताबिक, डी एन जैन महाविद्यालय की गवर्निंग बॉडी बैठक आयोजित हुई। बताया जाता है कि बैठक के एजेंडे पर चर्चा के दौरान ही एक मेंबर के द्वारा अचानक महाविद्यालय को बंद करने का प्रस्ताव रख दिया गया। उक्त प्रस्ताव को चर्चा के लिए अध्यक्ष रविंद्र कुमार सिंघई द्वारा स्वीकार कर लिया गया लेकिन प्रस्ताव के अचानक रखे जाने का विरोध भी शुरू हो गया।

यह महाविद्यालय जबलपुर के प्रमुख कॉलेजों में से एक है। यहां से कई प्रमुख लोगों ने शिक्षा अर्जित की है। एक जुलाई 1949 को स्थापित हुए महाकौशल के सबसे पुराने महाविद्यालयों में से है। यहां से पढने़ वाले अनेक लोग प्रशासनिक सेवाओं में महत्वपूर्ण पदों पर गए हैं और कई राजनीति के क्षेत्र में बड़ी जिम्मेदारी का निर्वहन कर चुके हैं।

सार्वजनिक स्थल पर गांजा फूंकता युवक धराया

जबलपुर,देशबन्धु। ओमती थाना पुलिस ने सार्वजनिक स्थल पर गांजा फूंकते एक युवक को धर दबोचा। आरोपी से 5 ग्राम गांजा और चिलम जब्त की गई। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि एक करीब 20 वर्षीय युवक पुल नम्बर 3 के पास सार्वजनिक स्थान पर चिलम में गांजा भरकर पीते हुए धुआं उड़ा रहा हैं। सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई।

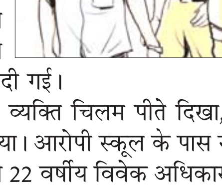

जहां मुखबिर के बताये हुलिये का व्यक्ति चिलम पीते दिखा, जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। आरोपी स्कूल के पास सीता पहाड़ी बजरिया थाना गोराबाजार निवासी 22 वर्षीय विवेक अधिकार को घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से एक चिलम, माचिस की डिब्बी, एक पन्नी में लगभग 5 ग्राम मादक पदार्थ गांजा जब्त किया गया। आरोपी के विरूद्ध धारा 8/27 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। आरोपी की धरपकड़ में उप निरीक्षक रजनीश मिश्रा, सहायक उप निरीक्षक शिवकुमार दाहिया, प्रधान आरक्षक रिम बहादुर, आरक्षक अभिषेक, राजेश, हेमेन्द्र सिंह, कृष्णा कुंतल, महिला आरक्षक नमिता की सराहनीय भूमिका रही।

सूर्य नमस्कार के दिन नहीं हुए सूर्य दर्शन

ठंड से ठिठुर गए लोग, चारों ओर पसरा सन्नाटा

गांधीग्राम, देशबन्धु। स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर योग दिवस को सामूहिक सूर्य नमस्कार के रूप में 12 जनवरी को मनाए जाने के निर्देश के अनुसार समस्त शासकीय शालाओं में सुबह से शिक्षक व बच्चे सामूहिक सूर्य नमस्कार करने के लिए में स्कूल पहुंचे। सुबह 9.30 बजे से आकाशवाणी से रेडियो प्रसारित कार्यक्रम के अनुसार सूर्य नमस्कार का आयोजन के लिए शिक्षक और छात्र शालाओं में पंक्तिबद्ध हो गए, जहां शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने अनुलोम विलोम प्राणायाम के साथ सामूहिक सूर्य नमस्कार की 12 मुद्राओं का आसान किया किंतु सूर्य नमस्कार के दिन सुबह से ही बादल छाए रहने और आसमान में धुंध छाने के कारण छात्र शिक्षकों के साथ आमजन को आसमान से सूर्य के दर्शन नहीं हो सके, हालांकि दोपहर लगभग 12 के करीब आसमान पर कुछ बदल साफ नजर आए और लगने लगा कि सूर्य देव के दर्शन होंगे किंतु फिर से धुंध छाने लगी जो शाम तक जारी रही।

गलन के साथ ठंड में इजाफा-मौसम के बिगड़ते हालत के साथ ही गलन भरी ठंड के साथ चलती ठंडी हवाओं ने दिनभर लोगों को ठिठुरने पर मजबूर कर दिया। सुबह के समय सड़कों पर भी सन्नाटा पसरा रहा।

सुबह हवा के साथ ठंडी हवा ने अपना असर दिखाना शुरू किया। पूरे दिन बदली छाए रहने और पड़ी

ठंड के चलते हर शख्स परेशान दिखा। कई लोग तो आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट आने के साथ ठंड बढ़ने की संभावना जताते नजर आए। दिन निकलने के बाद अचानक ठंड ने तेवर दिखाए। सर्दी के मौसम में अब फिर से जबरदस्त ठंड देखने को मिली। एकाएक तापमान में अधिक गिरावट है। सुबह होते ही घर से बाहर निकलने में लोग ठंड के कारण कांपते दिखे। सड़क किनारे व चौराहों के आसपास लोग आग से हाथ तापते दिखे। चाय की दुकानों पर भी ठंड का असर लोगों पर खासा दिखा। दिनभर सूर्य देवता के दर्शन नहीं होने के कारण खासकर घरेलू महिलाएं परेशान दिखीं। सुबह शाम घर से बाहर टहलने जाने वालों ने भी ठंडी हवाओं के बीच घर से बाहर नहीं निकलने में ही भलाई समझी। मौसम की मार सरकारी विभागों में देखी गई।सरकारी भवनो में अफसरों से लेकर कर्मचारी तक कार्यालय में कैद दिखे। दिनभर मौसम में ठिठुरन बनी रहने के कारण ग्राम के पॉश इलाकों में भी सन्नाटा पसरा रहा। ग्रामवासियों का कहना था कि तापमान में गिरावट के साथ ही ठंड बढ़ने के पूरे आसार दिखने लगे हैं।

पूरे दिन धूप न निकलने के कारण सर्दी में काफी इजाफा हो गया। सर्दी बढ़ जाने से सूर्य नमस्कार में विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति कम रही। सर्दी बढ़ जाने के बावजूद ग्राम प्रशासन ने सार्वजनिक अलाव लगवाने की जहमत नहीं उठाई, जिससे लोगों में ग्राम पंचायतों के प्रति रोष देखा गया।

प्रशासन की ओर से नहीं जलाए गए अलाव- ठंड का प्रकोप बढ़ने के साथ ही प्रशासन द्वारा गांधीग्राम में अभी तक अलाव तक की व्यवस्था नहीं की जा सकी है।ग्रामवासियो ने कहा कि सरकार ठंड से बचाव के लिए अलाव जलाने व इसके साथ ही सार्वजनिक स्थलों पर ठंड से निजात दिलाने के लिए अलाव की व्यवस्था करे।

सूर्यनमस्कार के साथ मनाया गया युवा दिवस

सिहोरा, देशबन्धु। देश भर में युवा शक्ति के प्रणेता स्वामी विवेकानंद जी के जन्म दिवस को युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है इस दिन सभी शासकीय अर्धशासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में सूर्य नमस्कार कार्यक्रम आयोजित किया जाता है इसी तारतम्य में नगर के सी एम राइज राइस पंडित विष्णु दत्त शासकीय उत्कृष्ट उ मा विद्यालय सिहोरा में श्रीमती संध्या दिलीप दुबे अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सिहोरा के मुख्य आथित्य एवं श्रीमती रश्मि मनेंद्र अग्निहोत्री अध्यक्ष जनपद पंचायत सिहोरा एवं श्रीमती नीता शुक्ला वार्ड पार्षद क्रमांक 4 के विशिष्ट आथित्य की उपस्थिति में सूर्यनमस्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती जी की पूजा अर्चना और विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके की गई।

आकाशवाणी भोपाल से प्रसारित सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम जो प्रात: 9.30 बजे प्रारंभ हुआ जिसमें

सर्वप्रथम राष्ट्र गीत , विवेकानंद जी का भाषण , मुख्यमंत्री जी का प्रदेश के नाम संदेश प्रसारित हुआ तत्पश्चात प्रोटोकॉल के तहत विद्यालय के शिक्षकों एवं बच्चों ने सूर्य नमस्कार एवं प्राणायाम की गतिविधियां की । प्राचार्य श्री अशोक कुमार उपाध्याय ने सूर्य नमस्कार और प्राणायाम के महत्व पर प्रकाश डाला। यह बच्चों के स्वस्थ रहने,ऊर्जावान बनाने,और अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए आवश्यक है। नगरपालिका अध्यक्ष एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष ने बच्चों से प्रतिदिन सूर्य नमस्कार ,प्राणायाम करने की अपील की।उप प्राचार्य श्री शैलेंद्र कुमार मिश्रा ने आभार व्यक्त किया। बच्चों को चना,मूंगफली और मूंग नाश्ते के रूप में दिया गया। इस कार्यक्रम में अमित कुमार जैन ,अभिषेक प्यासी मणि शंकर मांझी, संदीप कुमार सोनी, सविता पटेल, सुरेश यादव पंडित रवि प्रकाश मिश्रा, नरेंद्र दुबे ,रामबरन हालदकार ,नीरज जायसवाल, अपूर्वाकुटर ,हर्षिता मिश्रा ,मोहिनी उपाध्याय,सोनाली परोहा, रमेश नापित ,निधि शुक्ला,धीरेन्द्र पांडेय,दीपिका बर्मन आदि शिक्षक उपस्थित थे। सुरक्षा गार्ड संदीप तिवारी,संजय दुबे,गौरव दहिया,सफाई कर्मी अरुण ,घनश्याम गुप्ता, सरस्वती ,प्रियंका ने भी अपनी ड्यूटी पर तैनात रहते हुए कार्यक्रम को सफलता प्रदान करने में अपनी भूमिका निभाई।

सार-समाचार

मकर संक्रांति पर्व पर गोमुख घाट पर लगेगा मेला

बरेला, देशबन्धु। मकर संक्रांति के पावन पर्व के अवसर पर समीपस्त ग्राम पंचायत बिलगड़ा अंतर्गत प्रसिद्ध गोमुख घाट में तीन दिवसीय मेले का आयोजन किया गया है। ग्राम पंचायत बिलाड़ा के सरपंच श्रीमती ज्योति सत्येंद्र लोधी एवं सचिव पंकज परस्ते ने बताया कि विगत वर्षों के अनुसार इस वर्ष भी गोमुख घाट पर मेले का आयोजन 14 जनवरी से 17 जनवरी तक किया जा रहा है। क्षेत्रीय जनपद सदस्य सतेंद्र गर्ग सहित पंचायत के पंचों ने मेले में सभी लोगों से शामिल होकर मेले का आनंद उठाने की अपील की है।

कृष्ण रुकमणि के विवाह में झूम उठे श्रोता

बरेला, देशबन्धु। शारदा मंदिर परिसर बरेला मैं शुक्ला परिवार की ओर से श्रीमद भागवत कथा के आज छाष्टम दिवस पर व्यास पीठ पर विराजमान देवी श्रुति उपाध्याय ने आज श्रीमद् भागवत पुराण में आज की कथा में बताया गोवर्धन पूजा के प्रसाद को लेकर नारद जी इन्द्र के पास पहुंचे और कहा देखो प्रभु ब्रजवासीयो ने आपकी पूजा बन्द कर गोवर्धन पर्वत की पूजा कर रहे इन्द्र ने कुपित हो कर ब्रज में तबाही मचाई वारिस की वही भगवान ने एक उंगली में धारण कर ब्रज वासियों की रक्षा की। आज भी गोबर्धन कथा के चलते (इन्द्र देव ने वर्षा कर व्यवधान डालने का प्रयास किया परन्तु श्री कृष्ण की कृपा से वर्षा रूक गई कथा चलती रही)आगे कथा में गोपियों के साथ रास लीला, राधा कृष्ण के प्रेम, अक्रूर जी नन्द बाबा के कृष्ण और बलराम को लेने आना,भगवान का मथुरा जाना, कुबाड़ी उधधर,धनुष भंग, माल्य युद्ध, कंस का उद्धार कर कृष्ण रोहाणी के विवाह में झूम उठे श्रोता गण उत्साव पूर्ण विवाह का आनन्द लिया।

आज की कथा श्रवण करने जबलपुर जिला पंचायत अध्यक्ष आशा गोटिया, मुकेश गोटिया, वरिष्ठ भाजपा नेता अनील तिवारी, नीरज पांडे सहित विशिष्ठ जन पधारे आयोजक पंडित मनीष दुबे, मुख्य यजमान आशीष शुक्ला, रिंकू शुक्ला, अरविंद तिवारी, प्रसन्न्य उपाध्याय, शारदा तिवारी, लक्ष्मी उपाध्याय, प्रिया, सुष्मिता शुक्ला के साथ बडी संख्या में मातृशक्ति, धर्म प्रेमियों, ग्रामवासियों, जनप्रतिनिधियों, क्षेत्र के प्रतिष्ठित नागरिक गण बड़ी संख्या में उपस्थित हुए कार्यक्रम में सहयोगी कार्यकर्ताओ का सरहनीय योगदान मिल रहा।

स्वयंसेवकों ने पनागर में किया पथ संचलन

पनागर, देशबन्धु। खंड पनागर का स्वामी विवेकानंद जयंती पर युवा पथ संचलन निकला जो कि नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए सरस्वती विद्यालय में वापस समाप्त हुआ इसके पूर्व प्रांत संघ चालक श्री प्रदीप दुबे जी का बौद्धिक हुआ। स्वामी विवेकानंद जी का राष्ट्रीय और धार्मिक विचारों की जानकारी दिए तथा अमरीका यात्रा में भारतीय गौरव प्रतिस्थापन की बात रखी। इस अवसर पर सिहोरा जिला संघ संचालक अमृत वालरे,जिला कार्यवाह जयराज सिंह,विभाग कृषक कार्य प्रमुख उत्तम मिरी ,खंड कार्यवाह दीपक तिवारी, पंकज पटेल ,नगर कार्यवाह विक्रांत सोनी,दीप रजक,नंदकिशोर प्रजापति, प्रमोद हल्दकार,केशव सोनी,नितिन गौतम,रामलखन जी,जितेंद्र पटेल,आशीष प्रजापति, रिंकू रजक,शुभम व्यास, नितिन ठाकुर, अमन लखेरा, स्वप्निल सराफ,मयंक खंपारिया रितुराज तिवारी, प्रहलाद पटेल सहित अनेक स्वयंसेवक उपस्थित थे।

विद्यागुरु विधान किया आयोजन

शहपुरा/भिटोनी, देशबन्धु। नगर के 108 पारसनाथ दिगंबर जैन पंचायती मंदिर में मुनिवर आस्तिकय सागर महाराज के सानिध्य में विधागुरु विधान किया गया, जिसमें सभी जैन बंधुओं ने भाग लिया। आचार्यश्री के साथ प्रणीत सागर महाराज एवं अनेक नर-नारी ने शामिल होकर धर्मलाभ लिया।

शासकीय-अशासकीय शिक्षकों की बैठक

पनागर,देशबन्धु। आचार्यश्री विद्यासागर महाराज के प्रथम समाधि दिवस की स्मृति में उनके परम शिष्य निर्यापक श्रमण मुनिश्री संभव सागर महाराज ससंघ के मार्गदर्शन में आगामी 15/1/25 दिन बुधवार को होने जा रहे विशाल स्वर्ण प्राशन अभियान के लिए पनागर तहसील के समस्त शासकीय और अशासकीय विद्यालयों के प्रभारी शिक्षकों शिक्षिकाओं की महत्वपूर्ण बैठक नगर स्थित मंगल भवन सामुदायिक केंद्र में संपन्न हुई।

बादलों के साए में किया सामूहिक सूर्य नमस्कार

जीवन में योग बहुत जरूरी : निकाय अध्यक्ष

पाटन, देशबन्धु। स्वामी विवेकानंद की जयंती एवं राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर नगर के सीएम राइज स्कूल में सामूहिक सूर्य नमस्कार किया गया। सूर्य नमस्कार का मुख्य कार्यक्रम बेसिक स्कूल के ग्राउंड में सुबह 10 बजे किया गया। बादलो और सर्दी के बीच बड़ी संख्या में सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में शामिल होने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ साथ जनप्रतिनिधि और छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य नागरिक पहुंचे। इस दौरान प्रशिक्षकों ने योग कराकर लोगों को स्वस्थ रहने की जानकारी दी। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष आचार्य जगेंद्र सिंह ठाकुर,उपाध्यक्ष शक्ति देवकुमार यादव,निकाय के पार्षदगण, मानवेंद्र सिंह राजपूत एसडीएम पाटन, प्राचार्य अनुज सेन सहित जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान निकाय अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि सूर्य नमस्कार और योग जीवन के लिए बहुत जरूरी है। हम सभी को स्वास्थ्य रहने के लिए 15-20 मिनट योग करना बहुत जरूरी है।

अगरिया स्कूल में किया सामूहिक सूर्य नमस्कार

गांधीग्राम, देशबन्धु। शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल अगरिया में युवा दिवस /स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिवस के अवसर पर विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य अरविन्द ज्योतिषी, गणमान्य नागरिकों, विद्यालय के समस्त40 शिक्षक -शिक्षिकाओं व लगभग 450 विद्यार्थियों की सहभागिता के साथ रेडियो प्रसारित कार्यक्रम के अनुसार सामूहिक सूर्य नमस्कार संपन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा। पूर्व पीटी आई यू आर हल्दकार, नवीन पवैया, श्री विनय नामदेव, श्रीमती सुंदरी तिर्की, कल्पना पटैल, विजय प्रकाश त्रिपाठी, सुशील नामदेव, राम कुमार दहिया, अजय रजक, सतीश रजक, डी एल साहू, त्रिवेणी यादव, पूजा पटैल, पूजा रजक, प्रिया मिश्रा, प्रिया काछी, रौशनी काछी सभी शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा। आभार वी पी त्रिपाठी ने किया।

मन की शांति, एकाग्रता, रक्त संचार के सुचारू संचालन के लिए योग करें : डॉ. राकेश शर्मा

गांधीग्राम, देशबन्धु। शासकीय दिशा-निर्देशों के परिपालन में 12 जनवरी को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गांधीग्राम में प्राचार्य डॉ राकेश शर्मा की उपस्थिति में शाला के शिक्षकों के साथ छात्र-छात्राओं द्वारा रेडियो प्रसारित कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्रगीत, मप्र शासन के मुख्यमंत्री का संदेश सुना, इसके पश्चात रेडियो प्रसारित सामूहिक सूर्य नमस्कार की समस्त बारह मुद्राएं किया गया।छात्रों ने सूर्य नमस्कार की बारह मुद्राओं में प्रार्थना मुद्रा, हस्त उत्तानासन, पादहस्तासन, अश्व संचालनासन, पर्वतासन,अष्टांग नमस्कार, भुजंगासन, पर्वतासन, अश्वसंचालनासन, पादहस्तासन,हस्त उत्तानासन और अंत में बारह पर प्रार्थना मुद्रा की।सामूहिक सूर्य-नमस्कार के छात्र-छात्राओं द्वारा शपथ ली गई कि हम प्रदेश सूर्य नमस्कार को अपने अपने घरों में अमल में लाएंगे। शाला के प्राचार्य डॉ राकेश शर्मा द्वारा बच्चों को अपने उद्बोधन में कहा गया कि सूर्य नमस्कार से मन शांत और रक्त संचार सुचारू रहता है एवम मन की एकाग्रता भी बढ़ती है। शाला परिवार से प्राचार्य डॉ राकेश शर्मा, श्रीमती प्रभा ,अंजलि खरे, नम्रता चौरसिया, जेके उपाध्याय, अरविंद तंतुवाय ,मनीष दवे ,मेघा जैन, लीला आत्मा रश्मि विश्वकर्मा,दामोदर अहिरवार, श्वेता राय, मंजू सकवार, मुन्ना लाल रजक, रजनीश दुबे, प्रदीप दीक्षित, गुरु प्रकाश बैरागी व छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

चबूतरे से शिवलिंग की पिंडी चुरा ले गए चोर

पाटन, देशबन्धु। जिले के पाटन थाना क्षेत्र के ग्रामीण अंचल से चोरी का हैरान परेशान करने वाला मामला सामने आया है.जहां चोरों ने बड़ी शातिर तरीके से 200 वर्ष पूर्व बने भोलेबाबा के चबूतरे से शिवलिंग ही गायब कर दिया.बताया जा रहा है कि पाटन थानांतर्गत ग्राम जूरीकला गांव में यह घटना घटित हुई है.फिलहाल पाटन पुलिस शिवलिंग की तलाश करने की बजाय शराब ठेकों में पुलिस सिपाहियों की तैनाती करने में ज्यादा दिलचस्पी दिखा रही है इसकी वजह स्थानीय लोग शराब दुकानों से पुलिस को सेवा शुल्क का लिफाफा नहीं मिलना बता रहे है। शिवलिंग चोरी की शिकायत गांव के मिलन मल्लाह ने नामजद की है इस घटना से स्थानीय लोगों

की धार्मिक भावनाएं आहत्हुई है। पुलिस ने शिवलिंग चोरी की शिकायत सादे कागज पर लेकर मौन धारण कर रखा है।

ग्रामीणों ने बताया कि सुबह जब गांव के लोग पूजा करने भोले बाबा के चबूतरे पहुंचे तो शिवलिंग की पिंडी गायब मिली जिसे देखकर गांव वाले हैरान हो गए.मिलन मल्लाह के साथ क्षेत्र के लोगों ने पाटन थाना पुलिस को मामले की लिखित शिकायत दी है.सूचना मिलते ही पुलिस ने शक के आधार पर दो लोगों को थाने बुलाया और उनसे पूछताछ करने के नाम पर अपना सेवा शुल्क दोनों संदेही से लेकर उनको छोड़ दिया। हालांकि पाटन पुलिस ने इस मामले की एफआईआर अभी तक दर्ज नहीं की है.और सादे कागज में चोरी की शिकायत को लेकर, उसे रद्दी की टोकरी में डाल दिया है और पूरे मामले को रफा दफा करने की फिराक में ज़िम्मेदार दिख रहे हैं। वही शिवलिंग चोरी का आरोप ग्रामीणों कुंजन कोटवार और ब्रजेश सिंह पर लगा रहे हैं। इस घटना से लोगों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि चोर अब भगवान को भी नहीं छोड़ रहे हैं। अब देखना होगा भगवान शिव की पिंडी चुराने वाले चोरों का सुराग पाटन पुलिस कब तक लगा पाती है।

रिंग रोड ओवर ब्रिज के पास सड़क की उड़ी धज्जियां

बरेला, देशबन्धु। रिंग रोड के प्रथम चरण में चूल्हा गोलाई से लेकर बरेला के समीप तक रोड का निर्माण किया जा रहा है इस निर्माण अधीन रिंग रोड में जगह-जगह ओवर ब्रिज का भी निर्माण किया जा रहा है इसके आसपास सर्विस रोड की भी बनाई है किंतु इन सर्विस रोड के बनाए जाने के पश्चात अब रोड की धज्जियां उड़ गई हैं जबकि वर्तमान में अभी रोड का काम ही चल रहा है।

बताया जाता है कि नगर के बाहर कैनाल के समीप निर्माण अधिन ओवर ब्रिज के पास बरेला से जबलपुर आने वाले मार्ग पर रोड की पूरी तरह उखड़ गई हैं तथा रोड में आने जाने वाले वाहन चालकों को गड्ढे से होकर गुजरना पड़ रहा है इसी प्रकार कजरवारा मार्ग जाने के लिए हाईवे पर बनाए गए ओवर ब्रिज के समीप भी कुछ गड्ढे हो गए हैं इसके कारण दोपहिया वाहन चालकों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसी प्रकार गौर ब्रिज के समीप निर्माण अधीन रोड को बरेला से जबलपुर आने वाले हिस्से की तरफ पूरी तरह नहीं बनाया गया है तथा रोड को आधा अधूरा छोड़ दिया गया है जिसके कारण आने वाले वाहन चालकों को गड्ढे से

होकर गुजरना पड़ रहा है इस बरेला से जबलपुर की ओर आने वाली रोड को एकता मार्केट तक जाने वाली मुख्य मार्ग से जोड़ा नहीं गया है जिसकी वजह से दोपहिया वाहन चालकों और अन्य वाहन चालकों को भी गड्ढों से गुजरने मजबूर होना पड़ रहा है ।रिंग रोड निर्माण करने वाली कंपनी द्वारा इन सर्विस रोडो को दुरुस्त करने में जमकर हीला हवालीकी जा रही है। जवाब देह जनप्रतिनिधियां और अधिकारियों की अनदेखी का खामियाजा लोगों को इस गड्ढा युक्त रोड में परेशान होकर भुगतना पड़ रहा है ।

इनका कहना है अमृतलाल साहू प्रोजेक्ट डायरेक्टर रिंग रोड. वर्तमान में अभी यह रिंग रोड निर्माण अधीन है शीघ्र ही इस मार्ग को दुरुस्त किया जावेगा।

पीएमश्री बालक शाला बघराजी में योग दिवस पर किया सूर्य नमस्कर

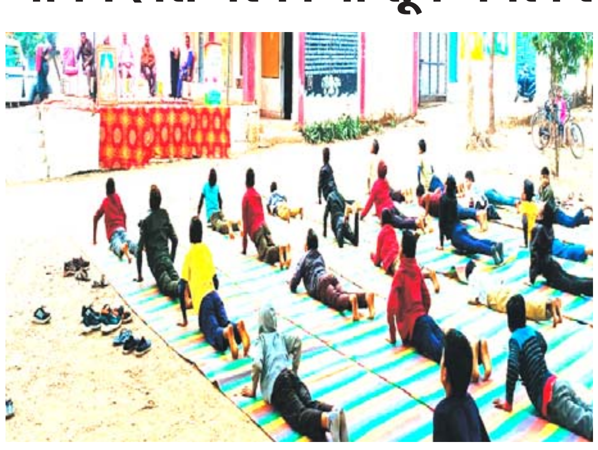

कुंडम, देशबन्धु। बघराजी पीएम श्री बालक शाला में श्री विवेकानंद स्वामी जी की जन्म जयंती पर योग शिविर का आयोजन किया गया जिसमें शाला के सभी छात्रों ने भाग लिया योग शिक्षक बलराम नामदेव ने सभी बच्चों को योगा योगाभ्यास सूर्य नमस्कार प्राणायाम का अभ्यास कराया छात्रों ने एकजुट होकर सारे योगासन सीखे इस कार्यक्रम में प्रमुख अतिथिडॉक्टर आरके चांनपुरिया पूर्व प्राचार्य एम एल बागरी खेल प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष राजेश सोनी उप सरपंच प्रणव सोनी रविंद्र जैन जमुना प्रसाद सोनी शंकर साहू प्राचार्य सुशील दहिया मंचासीन थे सभी अतिथियों नेछात्रों कोनियमित रूप सेसूर्य नमस्कार प्राणायामकरने काआवाहन कियाअतिथियों ने छात्रों के उज्जवलद्व भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी इस अवसर पर.बलराम नामदेव के के विश्वकर्मा राजीवपाठक मनोज पाठकर सहित शाला के सभी शिक्षकउपस्थित थे।

मौसम बिगड़ने, बादल छाने से किसानों की चिंता बढ़ी

गांधीग्राम, देशबन्धु। क्षेत्र में अचानक आसमान में बदरी छाई हुई है। आसमान पर बदरी अभी भी छाए रहने से बारिश होने की आशंका ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। बदली छाने व आसमान की बदलती करवट ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है।गौरतलब है कि इन दिनों क्षेत्र में किसान के खेतों में चना, मटर लगे हुए हैं। ऐसे में मौसम में अचानक से हुए परिवर्तन पर किसानों का चिंता करना भी जाहिर सी बात है। उन्हें भय है कि यदि अचानक बारिश हो गई तो उनकी चने,मटर, अरहर भीग जाएगी।मौसम के मिजाज से किसान परेशान हैं कि यदि इस वक्त हवा के साथ बारिश हुई तो उनकी हुई फसल खराब हो जाएगी और उनके करे कराए मेहनत पर भी पानी फि?र जाएगा।कई किसानों ने बताया कि उनकी चने की फसल इससे उन्हें खासा आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ेगा।

गांधीग्राम व आसपास के ग्रामीणों के किसानों राम निरंजन दुबे, प्रकाश मिश्रा, वासुदेव,राजेश पटेल,भूपत चौरसिया, अरविन्द गौर, भानु प्रताप सिंह, कंछेदी लाल ने बताया कि बारिश के आसार तो लग रहे हैं। यहां आसमान में बादल छाए हुए है जो कि दिन भर बने रहें। यदि हम बात करे फसलों पर इसके असर की तो चने,मटर की फसलों में बादलों के रहने से माहू का प्रकोप हो सकता है, बारिश , हवा से फसल चौपट होगी। उन्होंने बताया कि बदरी के छटते ही तेजी से ठंड बढ़ेगी। इस प्रकार का मौसम एक सप्ताह तक लंबा खिंचने और अच्छी धूप न होने की वजह से दलहनी व तिलहनी फसलों को नुकसान होने के आसार बने हुए हैं।

सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पनागर में विवेकानंद जयंती पर किया सामूहिक योग

पनागर, देशबन्धु। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पनागर में स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार योग कार्यक्रम एवं सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया द्य कार्यक्रम में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पनागर की प्राचार्य तृप्ति सेंगर, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पनागर के प्रभारी प्राचार्य पवन मांझी, विद्यालय समिति सदस्य शैलेंद्र साहू, जिला आर्थिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष सतीश पटेल, किसान मोर्चा अध्यक्ष पवन पटेल, उत्कृष्ट विद्यालय की व्याख्याता कविता दवे, शिक्षक अमृत सिंह वालरे, सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पनागर के प्राचार्य शैलेंद्र गोटिया, प्रधानाचार्य नर्मदा सिंह बघेल एवं नगर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में सरस्वती विद्यालय के प्रांगण में स्थानीय सभी शासकीय एवं आशासकीय सभी विद्यालयों की छात्र/छात्राओं ने योग, प्राणायाम एवं सूर्य नमस्कार किया द्य इस अवसर पर शासकीय उत्कृष्ठ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पनागर की प्राचार्य तृप्ति सेंगर द्वारा योग से होने वाले लाभ पर प्रकाश डाला एवं स्वस्थ जीवन हेतु नियमित रूप से प्राणायाम एवं योग करने का छात्रों से आवाहन किया द्य प्राचार्य शैलेंद्र गोटिया ने कार्यक्रम में स्वामी विवेकानंद के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला एवं उनके जीवन से प्रेरणा लेने हेतु छात्राओं को प्रोत्साहित किया द्य कार्यक्रम में स्वामी विवेकानंद की छवि स्वरूप विद्यालय के छात्र आर्यन यादव एवं अनमोल साहू आकर्षण का केंद्र रहे द्य आभार प्रदर्शन प्रधानाचार्य नर्मदा सिंह द्वारा किया गया। मंच संचालन विद्यालय के व्याख्याता नारायण पटेल द्वारा किया गया।

हमास के साथ बंधक समझौते के लिए कतर जाएगा इजरायली प्रतिनिधिमंडल

यरूशलम, (आईएएनएस)। गाजा पट्टी में बंधक बनाए गए इजरायली नागरिकों की रिहाई के लिए हमास के साथ समझौते को आगे बढ़ाने के लिए इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल को कतर की राजधानी दोहा रवाना होने का निर्देश दिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शनिवार को बताया कि नेतन्याहू ने यह निर्देश रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज और अमेरिकी वार्ताकारों (जिसमें मौजूदा और आने वाला प्रशासन दोनों शामिल है) के साथ स्थिति का आकलन करने के बाद दिया। इस बीच, 10 जनवरी को इजरायल काट्ज़ ने सेना को निर्देश दिया है कि यदि 20 जनवरी तक बंधकों की रिहाई के समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए गए तो वे हमास को पूरी तरह पस्त करने के लिए एक योजना तैयार करें। काट्ज़ ने कहा कि यदि हमास ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पदभार ग्रहण करने तक बंधकों को रिहा नहीं किया तो हमास के खिलाफ योजना तैयार की जाएगी। उन्होंने सेना को मानवीय चिंताओं और अन्य मुद्दों सहित योजना को लागू करने में संभावित बाधाओं की पहचान करने का निर्देश दिया ताकि राजनीतिक नेतृत्व आवश्यक निर्णय ले सके।

रूस की ओर से लड़ रहे उत्तर कोरिया के 2 सैनिकों को यूक्रेनी सेना ने पकड़ा, किस हाल में हैं दोनो

यूक्रेन की सेना ने उत्तर कोरिया के 2 सैनिकों को पकड़ लिया है, जो रूस के कुर्स्क सीमावर्ती क्षेत्र में रूसी सैनिकों के साथ मिलकर लड़ रहे थे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने खुद यह जानकारी दी है। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है, जब कुछ दिनों पहले यूक्रेन ने अगस्त में कुर्स्क में कब्जाई गई जमीन को बरकरार रखने के लिए वहां नए हमले शुरू कर दिए थे।

यूक्रेनी कार्रवाई के चलते द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार रूसी क्षेत्र पर कब्जा हुआ था। हालांकि, रूस के पलटवार से यूक्रेन की सेना की हालत खराब हुई। रूसी सेना ने यूक्रेन के कब्जे में गए 984 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के 40 प्रतिशत हिस्से को फिर अपने कब्जे में ले लिया है। वोलोदिमीर जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर कहा, 'हमारे सैनिकों ने कुर्स्क में उत्तर कोरिया के 2 सैनिकों को पकड़ा है। ये दोनों ऐसे सैनिक हैं जो घायल तो हो गए, लेकिन उनकी जान बच गई।

उन्हें कीव लाया गया है और यूक्रेन की सुरक्षा सेवाएं उनसे बात कर रही है।' उन्होंने एक कमरे में बैठे इन दोनों सैनिकों की तस्वीरें साझा की। उन्होंने कहा कि कुर्स्क में लड़ रहे रूसी सैन्य बल और उत्तर कोरियाई सैन्यबल ने उत्तर कोरियाई सैनिकों की मौजूदगी की बात को छिपाने की कोशिश की है। इसके तहत वे रणभूमि में घायल अपने साथियों को मार भी डालते हैं, ताकि यूक्रेनी सेना उसे पकड़ न ले और उससे पूछताछ न करे।

डोनेट्स्क के ऊपर यूक्रेन ने दागीं मिसाइलें

वहीं, डोनेट्स्क में यूक्रेनी हिमार्स मिसाइल हमले में 2 लोगों की मौत हो गई और अन्य दो घायल हो गए। रूसी जांच समिति ने यह जानकारी दी। एक बयान में कहा गया कि रूसी जांच समिति के जांचकर्ता ने यूक्रेनी सशस्त्र बल की ओर से डोनेट्स्क शहर में घातक हमले किए गए। इसके चलते हुई पूरी क्षति का आकलन किया जा रहा है। यूक्रेनी सशस्त्र बल ने हिमार्स मिसाइल, हिमार्स एमएलआरएस लॉन्चर से कीव की तरफ हमला किया था, जहां रूसी नागरिक रह रहे हैं। हमले में दो लोगों की मौत हो गई और अन्य दो घायल हो गए। बयान में बताया गया कि कीव क्षेत्र के आवास एवं नागरिक बुनियादी सुविधाएं हमले के कारण क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

अफ्रीका में 2024 में एमपॉक्स के 14,700 मामले आए सामनेः डब्ल्यूएचओ

कंपाला, (आईएएनएस)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि जनवरी 2024 से 5 जनवरी 2025 तक 20 अफ्रीकी देशों में एमपॉक्स के 66 मौतों सहित लगभग 14,700 मामले सामने आए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने शनिवार को कहा कि पुष्टि किए गए मामले केवल संदिग्ध हैं।

इससे पहले डब्ल्यूएचओ ने कहा था कि डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) जैसे देशों में संदिग्ध एमपॉक्स मामलों की एक महत्वपूर्ण संख्या सामने नहीं आ पाती, जिससे इस मामले की पुष्टि नहीं हो पाती। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) और पड़ोसी देशों में फैल रहे वायरस के कई वेरिएंट बीमारी का कारण बन रहे हैं। इन मामलों में से अधिकांश मामले अफ्रीका से यात्रा कर रहे लोगों के थे। डब्ल्यूएचओ ने बताया कि ये मामले मुख्य रूप से उन वयस्कों में थे जिन्होंने अपने शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर यात्रा जारी रखी। स्वास्थ्य अधिकारियों को निगरानी रखने और आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी है। डब्ल्यूएचओ की पिछली रिपोर्ट के अनुसार इस वायरस का नया वेरिएंट सितंबर 2023 के मध्य में सामने आने का अनुमान लगाया जा रहा है। यात्रा से संबंधित एमपॉक्स मामले विभिन्न देशों

में अलग-अलग चुनौतियां पैदा करते हैं। डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि सीमित संसाधनों और डायग्नोस्टिक परीक्षण तक सीमित पहुंच के परिणामस्वरूप इसका पता लगाने में देरी हो सकती है।

अगस्त 2024 के मध्य में अफ्रीका रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने अफ्रीका में चल रहे एमपॉक्स के प्रकोप को पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर दिया था। कुछ ही समय बाद डब्ल्यूएचओ ने एमपॉक्स को अंतरराष्ट्रीय हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर दिया, जिससे दो साल में दूसरी बार इस बीमारी के लिए वैश्विक चेतावनी सक्रिय हो गई। एमपॉक्स को मंकीपॉक्स के नाम से भी जाना जाता है। पहली बार 1958 में इसे प्रयोगशाला के बंदरों में पहचाना गया था।

आज का इतिहास

1709- मुगल शासक बहादुर शाह प्रथम ने अपने तीसरे भाई कमबख्श को हैदराबाद में हराया।
1818- उदयपुर के राणा ने मेवाड के संरक्षण के लिये ब्रिटेन से समझौता किया।
1889- असम के युवाओं ने अपनी साहित्यिक पत्रिका %जोनाकी% का प्रकाशन शुरू किया।
1915- इटली के आवेजानो शहर में आये विनाशकारी भूकंप से 30 हजार लोगों की मौत।
1948- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिन्दू-मुस्लिम एकता बनाये रखने के लिये आमरण अनशन शुरू किया।
1963- सैन्य विद्रोह में टोगो गणराज्य के राष्ट्रपति स्यलवानुस ओलयम्पिओ की हत्या।
2004- ब्रिटेन के सबसे कुख्यात सीरियल किलर डाक्टर हेराल्ड शिपमैन को जेल में मृत पाया गया।

सुडोकू 6794

6			1				2	
		4						
	5		6	2	4	7		
2		7		8				
3	4						5	8
				4		1		7
		8	4	5	1		7	
						5		
	6				2			9

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

कौन लेगा जस्टिन ट्रूडो की जगह? अब भारतीय मूल की अनीता आनंद भी रेस से हटीं

भारतीय मूल की अनीता आनंद कनाडा में प्रधानमंत्री पद की रेस से हट गई हैं। अनीता आनंद को जस्टिन ट्रूडो के रिप्लेसमेंट के तौर पर देखा जा रहा था। उनसे पहले दो और लोग भी इस रेस से हट चुके हैं। ऐसे में ट्रूडो की जगह कौन लेगा, यह रेस अब दिलचस्प हो चुकी ह ट्रूडो के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने की पेशकश के कुछ ही दिनों के अंदर अनीता आनंद का बयान आया है। उन्होंने यह भी पुष्टि की है कि वह अगला चुनाव भी नहीं लड़ेंगी। अनीता आनंद ओंटारियो के ओकविले से सांसद हैं। उन्होंने कहाकि जबकि प्रधानमंत्री ने आगे बढ़ने का फैसला कर लिया है, मेरे लिए भी समय आ चुका है कि मैं भी ऐसा ही करूं। तमिल पिता और पंजाबी मां की संतान, 57 वर्षीय अनीता के पास जस्टिन ट्रूडो के कैबिनेट में कई पोर्टफोलियो थे। ट्रूडो कैबिनेट में शामिल किए जाने के बाद से आनंद ने सार्वजनिक सेवा और खरीद और रक्षा जैसे मंत्रालयों को संभाला है। उन्हें 2024 में ट्रेजरी बोर्ड का अध्यक्ष भी बनाया गया था। रक्षा मंत्री के रूप में, आनंद ने रूस के साथ चल रहे युद्ध के बीच यूक्रेन को सहायता प्रदान करने के वैश्विक प्रयासों का नेतृत्व करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपनी जड़ों के बारे में बात करते हुए, उसने कहा कि कई लोगों ने उसे यह कहते हुए लिखा था कि भारतीय मूल का कोई व्यक्ति ओकविले नहीं जीत सकता।

पकड़े जाने पर उत्तर कोरियाई सैनिक बोले, उन्हें लगा वो यूक्रेन युद्ध के लिए नहीं, प्रशिक्षण के लिए आए थे

सोल, (आईएएनएस)। कीव की सुरक्षा सेवा ने बताया कि यूक्रेन द्वारा पकड़े गए दो उत्तर कोरियाई सैनिकों में से एक ने पूछताछ के दौरान दावा किया है कि उसे लगा था कि वह यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के लिए नहीं बल्कि प्रशिक्षण के लिए जा रहा है। शनिवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन ने रूस के पश्चिमी कुर्स्क क्षेत्र में दो घायल उत्तर कोरियाई सैनिकों को पकड़कर उनसे पूछताछ की। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सिक्योरिटी सर्विस ऑफ यूक्रेन (एसबीयू) ने कहा कि उसने दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया सेवा के दुभाषियों की मदद से पूछताछ की। इनकी उम्र कथित तौर पर 20 वर्ष के आसपास है। वे यूक्रेनी, रूसी या अंग्रेजी नहीं बोलते हैं। पकड़े गए सैनिकों में से एक के पास रूस में पंजीकृत किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर रूसी सैन्य पहचान पत्र था। सैनिक ने बताया है कि कुछ उत्तर कोरियाई इकाइयों ने रूसी सेना के साथ एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया था। एसबीयू ने एक विज्ञप्ति में कहा, यह उल्लेखनीय है कि कैदी ने इस बात पर जोर दिया है कि वह कथित तौर पर प्रशिक्षण के लिए जा रहा था, यूक्रेन के खिलाफ युद्ध लड़ने के लिए नहीं। रूसी सैन्य आईडी वाले उत्तर कोरियाई ने कहा कि वह 2005 में पैदा हुआ था और 2021 से उत्तर कोरियाई सेना में सेवा कर रहा है। एसबीयू ने प्रारंभिक जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि दूसरे का जन्म 1999 में हुआ था और वह 2016 से स्काउट स्नाइपर के रूप में सेवा कर रहा है। एसबीयू ने वीडियो फुटेज भी जारी किया है, जिसमें पकड़े गए दोनों व्यक्तियों को दिखाया गया है- दोनों के शरीर पर घाव के कारण पट्टियां बंधी हुई हैं। बताया गया है कि पकड़े जाने के तुरंत बाद विदेशियों को सभी आवश्यक चिकित्सा देखभाल प्रदान की गई।

डोनाल्ड ट्रंप की जिद के आगे झुक गया ग्रीनलैंड

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप के ग्रीनलैंड पर कब्जे वाली बात से यूरोप के हाथ पैर फूले हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक डेनमार्क ने अमेरिका को एक संदेश भेजकर कहा है कि वह चाहें तो ग्रीनलैंड पर और सैन्य अड्डे स्थापित कर सकते हैं लेकिन वह द्वीप की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं कर सकते। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ग्रीनलैंड के कब्जे की मंशा ने पूरे विश्व में एक नई चर्चा को जन्म दिया है। ट्रंप का कहना है कि सुरक्षा की दृष्टि से उन्हें यह द्वीप चाहिए। हालांकि ग्रीनलैंड पर अमेरिका का एक सैन्य अड्डा पहले से ही मौजूद है।

वर्तमान में ग्रीनलैंड, डेनमार्क की राजशाही के अंतर्गत आता है, जो कि अमेरिका का ही सैन्य सहयोगी है। लेकिन तब भी ट्रंप खुलेआम इस पर टैरिफ से या फिर सैन्य सहयोग से कब्जा जमाने की बात कर चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक डेनमार्क ने पहले इस प्रस्ताव का विरोध किया और अमेरिका को साफ शब्दों में कह दिया कि उनका यह द्वीप बिकाऊ नहीं है। हालांकि अब एक्सियोस ने शनिवार को सूत्रों के हवाले से बताया कि डेनमार्क ने ट्रंप की टीम को एक खास संदेश भेजा है। डेनमार्क की तरफ से जारी इस संदेश में कहा गया है कि अगर अमेरिका सुरक्षा बढ़ाने की दृष्टि से ग्रीनलैंड पर सैन्य उपस्थिति बढ़ाना चाहता है तो वह ऐसा कर सकता है। लेकिन वह द्वीप की स्वतंत्रता पर दावा नहीं कर सकता।

रिपोर्ट्स के मुताबिक डेनमार्क सरकार डोनाल्ड ट्रंप के यह भरोसा दिलाना चाहती है कि ग्रीनलैंड पर कब्जा किए बिना भी उनकी सुरक्षा चिंताओं को काउंटर किया जा सकता है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन ने भी इस हफ्ते की शुरुआत में कहा था कि उन्होंने ट्रंप के साथ एक बैठक के लिए कहा है। हालांकि यह बैठक तभी होगी जब ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति पद पर होंगे। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूट एगेडे ने भी कहा कि वह अमेरिकी सुरक्षा चिंताओं के ध्यान में रखकर ट्रंप के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं लेकिन वह द्वीप की स्वतंत्रता के साथ समझौता नहीं करेंगे। ट्रंप के कब्जे वाले बयानों पर डेनमार्क की तरफ से पहले भी कहा जा चुका है कि ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है। इससे पहले अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव जीत चुके डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि वैश्विक सीमाओं को फिर से खींचने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पहले में टैरिफ और आर्थिक रूप से दवाब बनाकर यह करने की कोशिश करूंगा लेकिन तब भी अगर यह नहीं होता है तो फिर मैं सैन्य बल द्वारा ऐसा करने का प्रयास करूंगा। ट्रंप ने ग्रीनलैंड, कनाडा, गल्फ ऑफ मैक्सिकों और पनामा नहर को वापस से अमेरिकी आधिपत्य में लाने की वकालत की है।

ऐसा पिता जेल में मर जाए, अजनबियों से पत्नी का बलात्कार कराने वाले आदमी की बेटी क्या बोली

फ्रांस में बलात्कार का एक सनसनीखेज मामला बीते दिनों सामने आया था। डोमिनिक पेलिकॉट नाम का व्यक्ति अजनबियों से अपनी पत्नी का दुष्कर्म कराने का दोषी पाया गया। डोमिनिक ने स्वीकार किया कि उसने अपनी पत्नी गिसेले पेलिकॉट को नशीली दवाओं की मदद से कई वर्षों तक बेहोशी की हालत में रखा, ताकि वह अजनबी लोगों को बुलाकर उसका बलात्कार करवा सके और पीड़िता के साथ यौन दुर्व्यवहार का वीडियो बना सके। अब इस मामले को लेकर डोमेनिक की बेटी का बयान आया है। उसने कहा कि उसके पिता को जेल में ही मर जाना चाहिए।

टेलीविजन इंटरव्यू में कैरोलिन डेरियन ने कहा कि उसके पिता हमेशा से यौन विकृत आदमी थे। उन्होंने पेलिकॉट ट्रायल:द डॉटर्स स्टोरी में कहा कि उसे जेल में मरना होगा। वह एक खतरनाक आदमी है। कौरोलिन डेरियन ने कहा, इसे बिल्कुल भी स्वीकार नहीं किया जा सकता है कि कोई व्यक्ति अपनी पत्नी को ड्रग्स दे रहा हो। मगर, मेरी मां के साथ ऐसा हुआ। मुझे नहीं पता कि वह राक्षस है या नहीं। हालांकि, वह यह अच्छी तरह से जानता था कि उसने क्या किया है, वह बीमार नहीं था। यह सब उसने जानबूझकर किया। डेरियन का मानना है कि पेलिकॉट ने उसे नशीला पदार्थ दिया और बलात्कार किया, क्योंकि उसके नग्न और बेहोश शरीर की तस्वीरें पिता के पास से मिलीं। हालांकि, वह इससे इनकार करता रहा है। डेरियन ने कहा, वह हमेशा झूठ बोलता है। मुझे पता है कि उसने शायद यौन शोषण के लिए नशीला पदार्थ दिया था,

लेकिन मेरे पास कोई सबूत नहीं है।

यौन उत्पीड़न करने वाले 50 अन्य आरोपी भी दोषी- फ्रांस के एविग्नन शहर की अदालत ने डोमिनिक पेलिकॉट को उस पर लगे बलात्कार सहित अन्य सभी आरोपों में दोषी करार दिया था। उसे 20 साल तक जेल की सजा सुनाई गई।

कोर्ट ने मामले में गिसेले का यौन उत्पीड़न करने वाले 50 अन्य आरोपियों को भी दोषी करार दिया और उनके लिए तीन वर्ष से लेकर 15 साल तक की कैद की सजा तय की थी। तीन महीने से अधिक समय तक चली सुनवाई के बाद दोषी ठहराए गए 50 अन्य आरोपियों में से 17 ने अपनी सजा के खिलाफ अपील करने का फैसला किया है।

वर्ग पहेली 6794

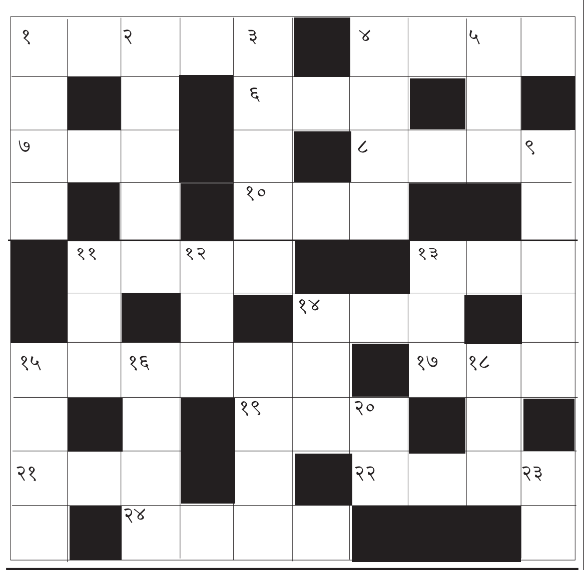

बायें से दायें:-

१. जिसकी अच्छी तरह से योजना बनाकर किया गया हो
४. आवेश में आना, क्रोधित होना
६. सादर, सौगंध (उर्दू)
७. गिनती गिनना
८. श्रीरामचंद्र
१०. योग्यता, लायक
११. परोपकार
१३. मुक्ति, कल्याण
१४. हेतु, लिये
१५. समर्थक, हिमायती, चिड़िया
१७. दक्षिण भारत का एक प्रसिद्ध पर्वत
२०. नियम, तरीका
२१. कमल (उर्दू)
२२. भौंरा, मिलिंद
२४. प्राप्ति के अनुसार

ऊपर से नीचे:-

१. सधवा
२. भावी कार्य पद्धति की रूपरेखा बनाने वाला
३. जांच-पड़ताल (उर्दू)
४. विवरण (उर्दू)
५. कछुआ
९. अंधकारपूर्ण
११. अप्रत्यक्ष
१२. तरंग, लहर
१३. बढ़िया, श्रेष्ठ
१४. फैसला
१५. पढ़ने योग्य
१६. अर्जुन
१८. युद्ध करना, झगड़ना
१९. हत्यारा, बधिक (उर्दू)
२०. कीमत, भाव
२२. संबंध, लगाव

वर्ग पहेली-6793

यूसुफ कुरैशी, मो. 8109948408

चिंता *जम्मू-कश्मीर में बारिश की कमी ने पिछले 50 साल का रिकॉर्ड तोड़ा*

बरसात में पिछले 12 माह में आई 29 फीसदी की कमी

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, (देशबन्धु)। आपको यह जानकर हैरानगी होगी कि लगातार पिछले पांच वर्षों से जम्मू-कश्मीर में अभूतपूर्व रूप से कम बारिश हुई है और 2024 पिछले 50 वर्षों में सबसे सूखा वर्ष रहा है जो अपने आपमें एक रिकार्ड है। पिछले 12 माह में 29 फीसदी बारिश कम हुई।

सभी जानते हैं कि कश्मीर की जीवन रेखा झेलम नदी इस मौसम में अपने सबसे कम जल स्तर में से एक को देख रही है, जिससे क्षेत्र पर जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव के बारे में चिंता बढ़ गई है।

संगम बिंदु पर झेलम वर्तमान में -0.75 फीट के चिंताजनक स्तर पर बह रही है, जबकि राम मुंशी बाग में जल स्तर 3.73 फीट और अशाम में 1.08 फीट है। स्वतंत्र मौसम पूर्वानुमानकर्ता फैजान आरिफ केंग द्वारा साझा किए गए विवरण के अनुसार, 2024 में पांच दशकों में सबसे कम वर्षा हुई और यह 1974 में दर्ज की गई 802.5 मिमी की पिछली न्यूनतम वर्षा के करीब पहुंच गई, जो पिछले 50 वर्षों में सबसे सूखा वर्ष था। वे बताते थे कि 2024 में सामान्य वार्षिक औसत 1232.3 मिमी के मुकाबले वर्षा का स्तर गिरकर केवल 870.9 मिमी रह गया जो 29 परसेंट की महत्वपूर्ण कमी है।

■ झेलम नदी में इस मौसम का सबसे कम जल स्तर

फैजान के अनुसार, 2024 केंद्र शासित प्रदेश में सामान्य से कम वर्षा का लगातार पांचवां वर्ष था। 2023 में 1146.6 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 7 परसेंट की कमी को दर्शाता है, जबकि 2022 में 1040.4 मिमी बारिश हुई, जो 16 परसेंट की कमी को दर्शाता है। उनके द्वारा मुहैया करवाया गया डाटा कहता था कि वर्ष 2021 में 892.5 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 28 परसेंट की कमी को दर्शाता है, और 2020 में 20 परसेंट की कमी के साथ 982.2 मिमी वर्षा हुई। केंग के बकौल, क्षेत्र में वर्षा का स्तर लगातार कम होता जा रहा है। 2024 के लिए मासिक डेटा साझा करते हुए, केंग बताते थे कि जनवरी में 91 परसेंट की भारी कमी दर्ज की गई, जबकि फरवरी और मार्च में क्रमशः 17 परसेंट और 16 परसेंट की कमी देखी गई। हालांकि अप्रैल में 48 परसेंट अधिशेष के साथ कुछ राहत मिली, लेकिन यह एकमात्र महीना था जिसमें अधिक वर्षा देखी गई। वे कहते थे कि मई से घाटा फिर से शुरू हो गया, मई में 67 परसेंट, जून में 38 परसेंट, जुलाई में 36 परसेंट और अगस्त में 2 परसेंट की कमी रही। केंग का कहना था कि वर्ष के अंत में स्थिति और खराब हो गई, सितम्बर में 41 परसेंट, अक्टूबर में 74 परसेंट, नवम्बर में 69 परसेंट और दिसम्बर में 58 परसेंट की कमी आई।

खेल जगत

गेंदबाज़ी एक्शन के दूसरे परीक्षण में भी विफल हुए शाकिब अल हसन

ढाका। उच्च स्तरीय घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाज़ी करने से प्रतिबंधित शाकिब अल हसन गेंदबाज़ी एक्शन के दूसरे परीक्षण में भी विफल साबित हुए हैं। शाकिब के गेंदबाज़ी एक्शन पर नई जांच पिछले महीने चेन्नई के रामचंद्र खेल विज्ञान केंद्र में हुई थी। बीसीबी ने शनिवार को अपने एक बयान में कहा कि लॉफ़बॉरो यूनिवर्सिटी द्वारा शाकिब पर लगाया निलंबन जारी रहेगा। निलंबन की समाप्ति के लिए एक सफल जांच की ज़रूरत है। शाकिब गेंदबाज़ी करने के योग्य नहीं हैं लेकिन वह एक बल्लेबाज़ के रूप में सभी प्रारूप खेल सकते हैं। इंग्लैंड में सितंबर में काउंटी मैच के दौरान शाकिब के गेंदबाज़ी एक्शन को संदिग्ध पाया गया था जिसके बाद पिछले साल दिसंबर में शाकिब को यूके की लॉफ़बॉरो यूनिवर्सिटी द्वारा गेंदबाज़ी एक्शन की जांच में विफल पाया गया था।

वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ समारोह में शामिल हुए कई दिग्गज

मुंबई, 12 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ के जश्न के सप्ताह की शुरुआत मुंबई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तानों, पुरुष और महिला, दोनों को सम्मानित करने के लिए

- 50वीं वर्षगांठ का जश्न पूरे सप्ताह जारी रहेगा
- 1974 में स्टेडियम में मैच खेलने वाली टीम के सदस्य भी थे गावस्कर

एक भव्य सम्मान समारोह के साथ की। स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में क्रिकेट के दिग्गज शामिल हुए, जिनमें सुनील गावस्कर भी शामिल थे, जो 1974 में वेस्टइंडीज के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में पहला टेस्ट मैच खेलने वाली भारतीय टीम के सदस्य भी थे। समारोह के दौरान गावस्कर ने अपनी हार्दिक भावनाओं को व्यक्त किया। इस प्रतिष्ठित स्थल पर वापस आना बहुत अच्छा है, एक ऐसा स्थल जिसने भारतीय क्रिकेट को ऐसे शानदार पल दिए हैं। आज प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम के 50वें वर्षगांठ समारोह की शुरुआत है और एक सलामी बल्लेबाज के रूप में, मैं इसकी शुरुआत को मिस नहीं कर सकता था। मैं एमसीए को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और मेरे स्कूल के दिनों से मुझे जो अवसर प्रदान किए हैं, उसके लिए अपना गहरा आभार व्यक्त करता हूं। मैं अपनी सफलता का श्रेय एमसीए से प्राप्त समर्थन और प्रोत्साहन को देता हूं। सम्मान समारोह एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक के साथ एमसीए उपाध्यक्ष संजय नाइक, सचिव अभय हडप, कोषाध्यक्ष अरमान मलिक, संयुक्त सचिव दीपक पाटिल और पूर्व अध्यक्ष विजय पाटिल की उपस्थिति में हुआ। समारोह में संजय मांजरेकर, वसीम जाफर, राजू कुलकर्णी, चंद्रकांत पंडित, लालचंद राजपूत, शोभा पंडित और अरुंधति घोष सहित कई क्रिकेट दिग्गजों ने भाग लिया, जिन्होंने मुंबई क्रिकेट की समृद्ध विरासत में योगदान दिया। मुंबई के खेल पत्रकार संघ (एसजेएएम) को भी मुंबई क्रिकेट में उनके समर्थन और योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सप्ताह भर चलने वाले समारोह के हिस्से के रूप में, दो रोमांचक क्रिकेट मैच आयोजित किए गए, जिसमें मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए), स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ मुंबई (एसजेएएम), महावाणिज्य दूत और आईएएस अधिकारियों की टीमों ने हिस्सा लिया। पहले मैच में, एमसीए ने स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ मुंबई को पांच रनों से हराया, जबकि आईएएस अधिकारियों की टीम ने दूसरे मैच में महावाणिज्य दूत टीम को 20 रनों से हराया। इस अवसर पर, एमसीए के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा कि वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ हमारे लिए एक विशेष अवसर है। आज भव्य समारोह की शुरुआत हुई और इस सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम के पीछे हमारा मुख्य लक्ष्य अगली पीढ़ी को मुंबई के क्रिकेट इतिहास और मुंबई के लिए खेलने वाले पुरुष और महिला खिलाड़ियों के योगदान के बारे में बताना और युवा पीढ़ी को इस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करना है। 50वीं वर्षगांठ का जश्न पूरे सप्ताह जारी रहेगा। एमसीए 15 जनवरी को एमसीए के क्लबों और मैदानों के ग्राउंड्समैन को सम्मानित करेगा और उनके लिए पॉली उमरीगर स्वास्थ्य शिविर और विशेष लंच का आयोजन करेगा, उसके बाद 1974 में वानखेड़े स्टेडियम में पहला प्रथम श्रेणी मैच खेलने वाली मुंबई टीम के सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा।

ये लोग हुए शामिल

समारोह में संजय मांजरेकर, वसीम जाफर, राजू कुलकर्णी, चंद्रकांत पंडित, लालचंद राजपूत, शोभा पंडित और अरुंधति घोष सहित कई क्रिकेट दिग्गजों ने भाग लिया।

भारतीय महिला टीम ने आयरलैंड को 116 रनों से हराया

राजकोट, 12 जनवरी (एजेंसियां)। जेमिमाह रॉड्रिग्स (102), हरलीन देओल (89), कप्तान स्मृति मंधाना (73), प्रतिका रावल (67) की शानदार बल्लेबाजी के बाद दीप्ति शर्मा(तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारतीय महिला टीम ने दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में आयरलैंड को 116 रनों से हरा दिया है।

इसी के साथ भारतीय टीम ने तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं। 370 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने आठवें ही ओवर में कप्तान गैबी लुईस (12) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी क्रिस्टिना कुल्टर रीली ने सारा फोर्ब्स के साथ पारी संभालने का प्रयास किया। 21वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने सारा फोर्ब्स (38) को आउट कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। 27वें ओवर में प्रिया मिश्रा ने ऑर्ला प्रेंडरगस्ट (तीन) को आउट किया। 41वें ओवर में शतक की ओर बढ़ रही क्रिस्टिना कुल्टर रीली को तितास साधु ने बोल्ड कर पवेलियन भेजा।

टीम इंडिया में शमी की वापसी, क्रिकेट फैंस ने मिठाई खिलाकर जताई खुशी

अमरोहा, 12 जनवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो गया है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की टीम इंडिया में वापसी हुई है। इस घोषणा के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी के पैतृक गांव सहसपुर अलीनगर में लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की। मोहम्मद शमी के टीम इंडिया में चुने जाने पर क्रिकेट प्रशंसक तंजील ने खुशी जताई। उन्होंने बताया कि वह काफी समय तक चोट के कारण टीम से बाहर थे, लेकिन अब उनका चयन इंग्लैंड दौरे के लिए हुआ है। पूरे देश के क्रिकेट प्रेमियों में खुशी की लहर है। हमें उम्मीद है कि जिस तरह का प्रदर्शन शमी ने वर्ल्ड कप में किया था, वैसा ही प्रदर्शन वह इंग्लैंड के खिलाफ करेंगे। क्रिकेट प्रशंसक अफ्फान जैदी ने कहा कि वर्ल्ड कप की तरह शमी एक बार फिर अपने आप को साबित करने में सफल होंगे और शानदार प्रदर्शन कर देश के लिए खेलते हुए अमरोहा का नाम रोशन करेंगे। क्रिकेट प्रशंसक गुफरान आबिद ने कहा कि मोहम्मद शमी एक अनुभवी खिलाड़ी हैं। उन्होंने वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का नाम रोशन किया था। हमें उम्मीद है कि शमी इंग्लैंड में शानदार प्रदर्शन करेंगे। उनका भारतीय क्रिकेट टीम में चयन सराहनीय कदम है। भारतीय क्रिकेट टीम में अमरोहा निवासी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की चौदह महीने बाद वापसी हुई है। वह वर्ल्ड कप 2023 के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में पहली बार खेलेंगे। हाल ही में शमी रणजी ट्रॉफी, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी खेलते नजर आए।

- शम्मी के इंडिया टीम में शामिल होने पर पूरे देश के क्रिकेट प्रेमियों में खुशी की लहर

रिचर्डसन को कंधे की सर्जरी करानी होगी, 2024-25 के बाकी सत्र से बाहर रहेंगे

सिडनी, 12 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज झाई रिचर्डसन को इस सप्ताह के अंत में अपने कंधे की सर्जरी करवाने की तैयारी के लिए क्रिकेट से लंबे समय तक दूर रहना होगा, क्योंकि नवंबर में कंधे में समस्या हो गई थी। शेफील्ड शील्ड मैच के दौरान एक अजीबोगरीब घटना में रिचर्डसन का कंधा खिसक गया, जब वह विकेट लेने के जश्न में अपने

- शेफील्ड शील्ड मैच के दौरान एक अजीबोगरीब घटना में रिचर्डसन का कंधा खिसक गया

साथी खिलाड़ी को हाई-फाइव दे रहे थे। नतीजतन, रिचर्डसन बिग बैश के बाकी सत्र से बाहर रहेंगे, लेकिन चिकित्सा विशेषज्ञों और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से परामर्श के बाद, वह अगली गर्मियों में एशेज के साथ वापसी करने का लक्ष्य बना रहे हैं। पर्थ स्कॉर्चर्स ने एक्स पर पोस्ट किया, इस सप्ताह अपने दाहिने कंधे को स्थिर करने के लिए सर्जरी कराने के बाद झाई रिचर्डसन 24-25 सीज़न के बाकी बचे मैचों से बाहर रहेंगे। रिचर्डसन ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ गहन परामर्श के बाद यह निर्णय लिया। पिछले सप्ताह रिचर्डसन ने पर्थ स्कॉर्चर्स के साथ अपने भविष्य के लिए फिर से प्रतिबद्धता जताई है, उन्होंने बीबीएल 16 के अंत तक दो साल के अनुबंध विस्तार पर हस्ताक्षर किए हैं। 28 वर्षीय खिलाड़ी का अंतरराष्ट्रीय करियर चोटों से प्रभावित रहा है, जिसमें बार-बार हैमस्ट्रिंग की समस्या भी शामिल है। 2017 में अपने पदार्पण के बाद से, रिचर्डसन ऑस्ट्रेलिया के लिए सभी प्रारूपों में केवल 36 मैच खेल पाए हैं।

नीरज चोपड़ा स्टार-स्टडेड इवेंट के लिए भारत में भाला फेंक के शीर्ष एथलीटों को लाएंगे

मुंबई, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय खेल में एक ऐतिहासिक क्षण होने का वादा करते हुए, दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा भारत में एक कॉन्टिनेंटल टूर भाला फेंक प्रतियोगिता लाएंगे। हालांकि आयोजन स्थल को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है, लेकिन यह आयोजन इस साल मई में होने वाला है।

भारत में एक विश्व स्तरीय भाला फेंक प्रतियोगिता आयोजित करना और लाना मेरा लंबे समय से सपना रहा है: चोपड़ा

विश्व एथलेटिक्स और भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के समर्थन के साथ जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सहयोग से आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में दुनिया भर के कुछ सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला भाला फेंक खिलाड़ी-चोपड़ा की अगुवाई में-पहली बार भारतीय धरती पर प्रतिस्पर्धा करेंगे। इस आयोजन के बारे में बात करते हुए, चोपड़ा ने कहा कि भारत में एक विश्व स्तरीय भाला फेंक प्रतियोगिता आयोजित करना और लाना मेरा लंबे समय से सपना रहा है। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स और भारतीय एथलेटिक्स महासंघ की मदद से, हम इसे साकार कर रहे हैं। मुझे यकीन है कि मेरे साथी एथलीट और भारत में प्रशंसक दोनों ही एक ऐसा अनुभव बनाएंगे जिसके बारे में लंबे समय तक बात की जाएगी। मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि हम इसे कितना बड़ा बना सकते हैं। चोपड़ा और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स इस आयोजन को विश्व एथलेटिक्स कैलेंडर में एक वार्षिक कार्यक्रम बनाने के लिए उत्सुक हैं।

जिसमें मीट में और अधिक ट्रैक और फील्ड विषयों को जोड़ने पर ध्यान दिया गया है। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के संस्थापक पार्थ जिंदल ने कहा कि मैं एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया और उनके नेतृत्व को भारत में एक विश्व स्तरीय कार्यक्रम लाने का यह शानदार अवसर देने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

लो स्कोरिंग मैच को जीत कर सेमीफाइनल में पहुंचा हरियाणा

वड़ोदरा, 12 जनवरी (एजेंसियां)। आख़िर के ओवरों में 19 रनों के भीतर पांच विकेट गंवाने के बावजूद हरियाणा विजय हज़ारे ट्रॉफ़ी के सेमीफ़ाइनल में पहुंचने में सफल रहा। क्वार्टरफ़ाइनल भिड़त में निशांत सिंधू और अनुज ठकराल की शानदार गेंदबाज़ी की बदौलत हरियाणा के गेंदबाज़ों ने गुजरात को सिर्फ़ 196 रनों पर समेट दिया। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए अंतिम ओवरों के दौरान हरियाणा ने पांच विकेट काफ़ी जल्दी गंवा दिए, लेकिन विकेटों का यह पतझड़ उन्हें जीतने से नहीं रोक सका। अंत में उन्होंने 44 ओवर में 197 रनों के लक्ष्य को पूरा कर लिया। 197 रनों का पीछा करते हुए अर्श रंगा ने टीम को तेज़ शुरुआत दिलाते हुए 16 गेंदों में 25 रन बनाए। लेकिन वह एक अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाए। उनके सलामी साझेदार हिमांशु राणा ने 66 रनों की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने कप्तान अंकित कुमार और पार्थ वत्स के साथ क्रमश: 54 और 55 रनों की साझेदारी की। रवि बिश्नोई ने राणा का विकेट निकाल गुजरात को वापसी करने का मौक़ा ज़रूर दिया था, लेकिन वत्स ने सिंधू के साथ 35 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी करते हुए मैच को गुजरात की पहुंच से दूर कर दिया। जब सिंधु का विकेट गिरा तो हरियाणा का स्कोर 173 पर दो था। हालांकि इसके बाद बिश्नोई ने एक बार फिर से काउंटर अटैक करते हुए तीन और विकेट निकाले, लेकिन तब तक काफ़ी देर हो चुकी थी।

सार संक्षेप

आईएलसी 24 फरवरी से देहरादून में, 7 टीमें करेंगी प्रतिस्पर्धा

देहरादून (उत्तराखंड)। 24 फरवरी से होने वाली इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप (आईएलसी) देश और दुनिया भर में प्रशंसकों को रोमांचित करने के लिए तैयार है। इसमें 7 महाद्वीपों की 7 टीमें वैश्विक स्तर पर बल्ले और गेंद के साथ प्रतिस्पर्धा करती नजर आएंगी। देहरादून के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाने वाले इस सीजन में 24 फरवरी से 9 मार्च तक कुल 24 मुकाबले खेले जाएंगे, जिसमें 7 महाद्वीपों की 7 टीमें शिरकत करेंगी। इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप (आईएलसी) के बारे में बोलते हुए आईएलसी के संस्थापक प्रदीप सांगवान ने कहा कि इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप हमारे लिए सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि ऐसा उत्सव है, जो दुनियाभर के क्रिकेट प्रेमियों को एकजुट करने का काम करेगा। इन प्रशंसकों को एक ही धागे में पिरोने के लिए हम सोनी नेटवर्क द्वारा प्रसारण के साथ इस ऐतिहासिक तमाशे को विश्व स्तर पर सामने लाने जा रहे हैं।

लो स्कोरिंग मैच को जीत कर सेमीफाइनल में पहुंचा हरियाणा

वड़ोदरा। आख़िर के ओवरों में 19 रनों के भीतर पांच विकेट गंवाने के बावजूद हरियाणा विजय हज़ारे ट्रॉफ़ी के सेमीफ़ाइनल में पहुंचने में सफल रहा। क्वार्टरफ़ाइनल भिड़त में निशांत सिंधू और अनुज ठकराल की शानदार गेंदबाज़ी की बदौलत हरियाणा के गेंदबाज़ों ने गुजरात को सिर्फ़ 196 रनों पर समेट दिया। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए अंतिम ओवरों के दौरान हरियाणा ने पांच विकेट काफ़ी जल्दी गंवा दिए, लेकिन विकेटों का यह पतझड़ उन्हें जीतने से नहीं रोक सका। अंत में उन्होंने 44 ओवर में 197 रनों के लक्ष्य को पूरा कर लिया। 197 रनों का पीछा करते हुए अर्श रंगा ने टीम को तेज़ शुरुआत दिलाते हुए 16 गेंदों में 25 रन बनाए। लेकिन वह एक अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाए। उनके सलामी साझेदार हिमांशु राणा ने 66 रनों की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने कप्तान अंकित कुमार और पार्थ वत्स के साथ क्रमश: 54 और 55 रनों की साझेदारी की।

ऑस्ट्रेलिया ओपन के शुरुआती दौर में हारे सुमित नागल

मेलबर्न। भारत के सुमित नागल रविवार को मेलबर्न पार्क में पुरुष एकल स्पर्धा के पहले दौर में चेक गणराज्य के टॉमस माचैक से लगातार सेटों में हारकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन से बाहर हो गए।

एचआईएल: सूरमा हॉकी क्लब महिला हॉकी अभियान के लिए तैयार

रांची, 12 जनवरी (एजेंसियां)। सूरमा हॉकी क्लब सोमवार को रांची के मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में बहुप्रतीक्षित महिला हॉकी इंडिया लीग में अपना सफर शुरू करेगी। उनका पहला मैच श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स के खिलाफ होगा, जो कागज पर काफी मजबूत टीम है। सूरमा के पास एक मजबूत टीम भी है, जिसमें भारतीय दिग्गज सविता गोलकीपर और सह-कप्तान के रूप में चुस्त मिडफील्डर सलीमा टेटे के साथ जिम्मेदारी संभाल रही हैं। उन्होंने मारिया वर्शूर, चार्लोट स्टेपेनहॉर्स्ट, चार्लोट एंगलबर्ट और पेनी स्क्विब जैसी अंतरराष्ट्रीय सितारों की सेवाएं भी हासिल की हैं। मुख्य कोच जूड मेनेजेस ने टिप्पणी की, हमने 27 दिसंबर को चंडीगढ़ में भारतीय खिलाड़ियों के साथ शिविर शुरू किया और 2 जनवरी को विदेशी खिलाड़ी हमारे साथ जुड़ गए। यह हमारे लिए तैयारी के चरण में अच्छा रहा, शिविर ने हमें टीम तैयार करने में मदद की और खिलाड़ियों ने पिछले दो सप्ताह में अपने संबंध बनाए हैं। एथलीटों के लिए दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना बहुत अच्छा है, यह विशेष रूप से युवा भारतीय खिलाड़ियों के लिए उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने और उनसे सीखने का एक शानदार अवसर होगा। उन्होंने कहा कि हम कुछ दिन पहले रांची आए थे, हमारे पहले गेम से पहले एक प्रशिक्षण सत्र था और हम इसमें शामिल होने के लिए उत्सुक हैं। श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स के खिलाफ पहले मैच में हमारा ध्यान खुद पर होगा, हम वही करने का लक्ष्य रखेंगे जो हम अच्छा करते हैं और सब कुछ अपने आप ठीक हो जाएगा और जैसे-जैसे हमें टीमों के खेलने के तरीके के बारे में अधिक जानकारी मिलेगी, हम इस पर अधिक गहराई से विचार करेंगे। भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान सविता भी महिलाओं के लिए एचआईएल के शुरू होने का बेसब्री

सबालेंका ने स्टीफंस पर सीधे सेटों में जीत के साथ खिताब की रक्षा शुरू की

मेलबर्न, 12 जनवरी (एजेंसियां)। दो बार की गत विजेता आर्यना सबालेंका ने रविवार को यहां पहले दौर में स्लोएन स्टीफंस पर सीधे सेटों में 6-3, 6-2 से जीत के साथ ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब की रक्षा शुरू की। विश्व की नंबर 1 सबालेंका मेलबर्न में मार्टिना हिंगिस के बाद तीन बार लगातार खिताब जीतने वाली पहली महिला बनने की कोशिश कर रही हैं। स्विस स्टार ने 1997 से 1999 तक सीजन के पहले मेजर में लगातार तीन खिताब जीते। ग्रैंड स्लैम में पहली बार नंबर 1 पर पहुंची सबालेंका डब्ल्यूटीए के आंकड़ों के अनुसार 2022 में एश्ले बार्टी द्वारा अपने घरेलू स्लैम को सील करने के बाद ऑस्ट्रेलियाई ओपन महिला एकल खिताब जीतने वाली पहली शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बनने की भी कोशिश कर रही हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन की मौजूदा चैंपियन सबालेंका ने रविवार को जीत हासिल की, जिससे हार्ड-कोर्ट मेजर में उनकी जीत का सिलसिला 15 तक पहुंच गया। 2023 सीज़न की शुरुआत से, हार्ड-कोर्ट स्लैम में उनका जीत/हार का रिकॉर्ड 28-1 का रहा है, जिसमें उनकी एकमात्र हार 2023 यूएस ओपन के फाइनल में युवा अमेरिकी सनसनी कोको गॉफ़ से तीन सेटों में हुई थी। सबालेंका ने सिर्फ़ सात मिनट में 3-0 की बढ़त हासिल कर ली, और हालांकि स्टीफेंस ने वापसी करते हुए 4-3 का स्कोर बनाया, लेकिन सबालेंका ने नियंत्रण बनाए रखने के लिए फिर से उनकी सर्विस तोड़ दी।

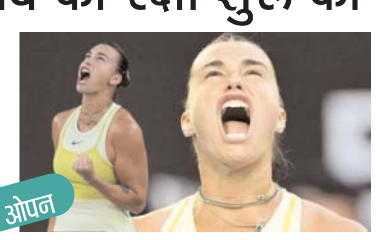

ऑस्ट्रेलियन ओपन

यूपी रुद्राज की टीम ने दिल्ली एसजी पाइपर्स को 3-1 से हराया

- दिल्ली एसजी पाइपर्स ने 29 वें मिनट में जैक व्हिटन के खूबसूरती मैदानी गोल से खाता खोला

सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 12 जनवरी (देशबन्धु)। ललित उपाध्याय, मनमीत सिंह और सुदीप चिरिमाको की हॉकी की कलाकारी और अपने तीनों विदेशी खिलाड़ियों फ्लोरिस वूरटेलबोएरयूफ, केन रसेल और तांगए कुजिंस के एक एक गोल की बदौलत यूपी रुद्राज पिछड़ने के बाद दिल्ली एसजी पाइपर्स राउरकेला में पुरुष हॉकी इंडिया (एचआईएल) के मैच में शनिवार को बिरसामुंडा स्टेडियम में 3-1 से हरा कर लगातार दो हार के बाद जीत की राह पर वापस लौट आई। दिल्ली एसजी पाइपर्स ने 29 वें मिनट में जैक व्हिटन के खूबसूरती मैदानी गोल से खाता खोला। फ्लोरिस वूरटेलबोए ने अगले ही मिनट दाएं से तेज फर्राटा लगा मैदानी गोल कर यूपी रुद्राज को एक एक की बराबरी दिलाई और इसके बाद रुद्रासज की टीम पूरी तरह छाई रही। यूपी रुद्राज पांच मैचों में तीसरी जीत के साथ अपने बेहतर गोल अंतर के कारण बंगाल टाइगर्स के बराबर अंक बावजूद दूसरे स्थान पर पहुंच गई। अपनी पहली जीत की बाट जोह रही दिल्ली एसजी पाइपर्स पांच मैचों में दो हार और तीन ड्रॉ के साथ कुल चार अंक लेकर आठवें और अंतिम स्थान पर है। यूपी रुद्राज को चार पेनल्टी कॉर्नर मिले और उसने मात्र एक को गोल में बदला जबकि दिल्ली एसजी पाइपर्स मिले आधा दर्जन पेनल्टी कॉर्नर में से एक को भी गोल में नहीं बदल पाई। ओडिशा के बाशिंदे स्ट्राइकर सुदीप चिरिमाको ने यूपी रुद्राज के अनुभवी ललित उपाध्याय के साथ मिलकर बढ़िया खेल दिखा दिल्ली एजसी पाइपर्स के गोल पर दबाव बना यूपी रुद्राज को पहले क्वॉर्टर में पेनल्टी कॉर्नर लेकिन केन रसेल और सैम इसे गोल में तब्दील करने में नाकाम रही।

जाधव ने अंडर-19 महिला 50 ओवर के मैच में 346 रन बनाकर इतिहास रचा

अलूर (आंध्र प्रदेश), 12 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई की 14 वर्षीय इरा जाधव ने 157 गेंदों पर 42 चौकों और 16 छक्कों की मदद से नाबाद 346 रन बनाकर महिला अंडर-19 वनडे ट्रॉफी के इतिहास में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर दर्ज करके इतिहास रच दिया। रविवार को अलूर क्रिकेट ग्राउंड पर मेघालय के खिलाफ़ खेलते हुए इरा जाधव ने 220.38 की स्ट्राइक रेट से गेंद को हिट किया। जाधव ने किसी भारतीय द्वारा अंडर-19 में सर्वोच्च स्कोर बनाने का स्मृति मंधाना का आयु-समूह रिकॉर्ड भी तोड़ दिया क्योंकि वह बीसीसीआई द्वारा आयोजित किसी भी सीमित ओवर के टूर्नामेंट में तिहरा शतक बनाने वाली पहली भारतीय (पुरुष या महिला) बन गईं। उनके तिहरे शतक की बदौलत मुंबई ने 50 ओवरों में 563/3 का विशाल स्कोर बनाया - जो सभी टूर्नामेंटों और आयु समूहों में किसी भी भारतीय महिला घरेलू टीम द्वारा बनाया गया सर्वोच्च स्कोर है। महिला अंडर-19 मैच में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का समग्र रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका की लिजेल ली के नाम है।

सुडोकू 6794 का हल

6	8	3	1	9	7	4	2	5
7	2	4	8	3	5	9	1	6
1	5	9	6	2	4	7	8	3
2	1	7	5	8	6	3	9	4
3	4	6	7	1	9	2	5	8
8	9	5	2	4	3	1	6	7
9	3	8	4	5	1	6	7	2
4	7	2	9	6	8	5	3	1
5	6	1	3	7	2	8	4	9

कृषि जगत

लाल मिर्च की खेती कैसे की जाती है?

खेत को तैयार करने के लिए मिट्टी-

मिर्च हल्की से भारी हर तरह की मिट्टी में उगाई जा सकती है। अच्छे विकास के लिए हल्की उपजाऊ और पानी के अच्छे निकास वाली ज़मीन जिस में नमी हो, इसके लिए अनुकूल होती है। हल्की ज़मीनें भारी ज़मीनों के मुकाबले अच्छी क्वालिटी की पैदावार देती हैं। मिर्च के अच्छे विकास के लिए ज़मीन की पी एच 6-7 अनुकूल है।

खेत को तैयार करने के लिए 2-3 बार जोताई करें और प्रत्येक जोताई के बाद कंकड़ों को तोड़ें। बिजाई से 15-20 दिन पहले रूड़ी की खाद 150-200 क्विंटल प्रति एकड़ डालकर मिट्टी में अच्छी तरह मिला दें। खेत में 60 सैं.मी. के फासले पर मेंड़ और खालियां बनाएं। एज़ोसपीरीलियम 800 ग्राम प्रति एकड़ और फासफोबैक्टीरिया 800 ग्राम प्रति एकड़ को रूड़ी की खाद में मिलाकर खेत में डालें।

नोट- टमाटर और मिर्च की खेती एक ही या नज़दीक वाले खेत में ना करें, क्योंकि दोनों की बीमारियां एक जैसी होती हैं और इस कारण एंथ्राक्नोस और बैक्टीरिया वाली बीमारियों के बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है। मिर्च के साथ प्याज और धनिये की खेती करने से आमदन में वृद्धि होती है और नदीनों को रोका जा सकता है। कीड़ों की रोकथाम के लिए मिर्च के साथ प्याज, लहसुन या मैरी गोल्ड की खेती करें।

पनीरी की देख-रेख और रोपण

पनीरी तैयार करना - 1 मीटर चौड़े और आवश्यकतानुसार लंबे बैड बनाएं। कीटाणु रहित कोकोपिट 300 किलो, 5 किलो नीम केक को मिलाएं और 1-1 किलो एज़ोसपीरिलियम और फासफोबैक्टीरिया भी डालें।एक ट्रे भरने के लिए लगभग 1.2 किलो कोकोपिट की जरूरत होती है। 11,600 नए पौधे तैयार करने के लिए 120 ट्रे की जरूरत होती है, जो कि एक एकड़ के लिए प्रयोग की जाती है। उपचार किए हुए बीज ट्रे में एक बीज प्रति सैल बोयें। बीज को कोकोपिट से ढक दें और ट्रे एक- दूसरे के साथ रखें। बीज अंकुरन तक इन्हें पॉलीथीन से ढक दें। नर्सरी में बीज बीजने के बाद बैडों को 400 मैश नाइलोन जाल या पतले सफेद कपड़े से ढक दें। यह नए पौधों को कीड़े-मकौड़े और बीमारियों के हमले से बचाता है। 6 दिनों के बाद ट्रे में लगे नए पौधों को एक एक करके जाल की छांव के नीचे बैडों में लगाएं। बीज अंकुरन तक पानी देने वाले बर्तन की मदद से पानी दें। बिजाई के 18 दिन बाद 19:19:19 की 0.5 प्रतिशत (5 ग्राम प्रति लीटर) की स्प्रे करें।

खेत में पनीरी लगाना :30-40 दिनों के बाद पौधे पनीरी के लिए तैयार हो जाते हैं। पनीरी खेत में लगाने के लिए 6-8 सप्ताह पुराने और 15-20 सैं.मी. वाले कद के पौधे ही चुनें।

बिजाई का समय- नर्सरी लगाने का उचित समय अक्तूबर के आखिर से मध्य नवंबर तक होता है। नर्सरी को 50 प्रतिशत छांव वाले जाल से ढक दें और इर्द गिर्द कीट पतंगे रोकने वाला 40/50 मैश नाइलोन का जाल लगाएं। पनीरी वाले पौधे 30-40 दिनों में आमतौर पर फरवरी मार्च में तैयार हो जाते हैं।

बिजाई का फासला- कतारों का फासला 75 सैं.मी. और पौधों का फासला 45 सैं.मी. रखें।

बीज की गहराई

पनीरी 1-2 सैं.मी. गहराई में बोयें।

बिजाई का ढंग

मिर्च की बिजाई पनीरी लगाकर की जाती है।

बीज की मात्रा

हाइब्रिड किस्मों के लिए बीज की मात्रा 80-100 ग्राम और बाकी किस्मों के लिए 200 ग्राम प्रति एकड़ होनी चाहिए।

बीज का उपचार- फसल को मिट्टी से पैदा होने वाली बीमारियों से बचाने के लिए बीज का उपचार करना बहुत जरूरी है। बिजाई से पहले बीज को 3 ग्राम थीरम या 2 ग्राम कार्बेनडाज़िम प्रति किलो बीज से उपचार करें। रासायनिक उपचार के बाद बीज को 5 ग्राम ट्राइकोडरमा या 10 ग्राम सीडियूमोनस फ्लोरीसैन्स प्रति किलो बीज से उपचार करें और छांव में रखें। फिर यह बीज, बिजाई के लिए प्रयोग करें। फूलों को पानी देने वाले बर्तन से पानी दें। ऑक्सीक्लोराइड 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी नर्सरी में 15 दिनों के फासले पर डालें। इससे मुरझाना रोग से पौधों को बचाया जा सकता है।

फसल को उखेड़ा रोग और रस चूसने वाले कीड़ों से बचाने के लिए बिजाई से पहले जड़ों को 15 मिनट के लिए ट्राइकोर्डमा हर्जीनम 20 ग्राम प्रति लीटर+0.5 मि.ली. प्रति लीटर इमीडाक्लोप्रिड में डुबोयें। पौधों को तंदरूस्त रखने के लिए वी ए एम के साथ नाइट्रोजन फिक्सिंग बैक्टीरिया डालें। इस तरह करने से हम 50 प्रतिशत सुपर फासफेट और 25 प्रतिशत नाइट्रोजन बचा सकते हैं।

खाद

खादें (किलोग्राम प्रति एकड़)

55 75 20

तत्व(किलोग्राम प्रति एकड़)

नाइट्रोजन 25 किलो (55 किलो यूरिया), फासफोरस 12 किलो (सिंगल सुपर फासफेट 75 किलो) और पोटाश 12 किलो (म्यूरेट ऑफ पोटाश 20 किलो) प्रति एकड़ डालें। नाइट्रोजन की आधी मात्रा, फासफोरस और पोटाश की पूरी मात्रा पनीरी खेत में लगाने के समय डालें। बाकी बची नाइट्रोजन पहली तुड़ाई के बाद डालें। अच्छी पैदावार लेने के लिए, टहनियां निकलने के 40-45 दिनों के बाद मोनो अमोनियम फासफेट 12:61:00 की 75 ग्राम प्रति 15 लीटर पानी की स्प्रे करें। अधिक पैदावार के साथ साथ अधिक तुड़ाइयां करने के लिए, फूल निकलने के समय सलफर/बैनसल्फ 10 किलो प्रति एकड़ डालें और कैल्शियम नाइट्रेट 10 ग्राम प्रति लीटर पानी की स्प्रे करें। पानी में घुलनशील खादें :पनीरी खेत में लगाने के 10-15 दिनों के बाद 19:19:19 जैसे सूक्ष्म तत्वों की 2.5-3 ग्राम प्रति लीटर पानी की स्प्रे करें। फिर 40-45 दिनों के बाद 20 प्रतिशत बोरोन 1 ग्राम + सूक्ष्म तत्व 2.5-3 ग्राम प्रति लीटर पानी की स्प्रे करें। फूल निकलने के समय 0:52:34 की 4-5 ग्राम + सूक्ष्म तत्व 2.5-3 ग्राम प्रति लीटर पानी की स्प्रे करें। फूल निकलने के समय 0:52:34 की 4-5 ग्राम + बोरोन 1 ग्राम प्रति लीटर पानी की स्प्रे करें। फल तैयार होने के समय 13:0:45 की 4-5 ग्राम + कैल्शियम नाइट्रेट की 2-2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की स्प्रे करें।

विकास दर बढ़ाने के लिए प्रयोग किए जाने वाले हारमोन = फूल गिरने से रोकने के लिए और फल की अच्छी क्वालिटी लेने के लिए , फूल निकलने के समय एन एन ए 40 पी पी एम 40 एम जी प्रति लीटर पानी की स्प्रे करें। फूल और फलों के गुच्छे बनने के समय फसल का ध्यान रखने से 20 प्रतिशत अधिक पैदावार मिलती है। फूल निकलने के समय 15 दिनों के फासले पर होमोबरासिनालाइड 5 मि.ली. प्रति 10 लीटर की तीन स्प्रे करें। अच्छी क्वालिटी वाले अधिक फलों के गुच्छे लेने के लिए बिजाई के 20,40,60 और 80 दिन पर ट्राइकोंटानोल की स्प्रे विकास दर बढ़ाने के लिए 1.25 पी पी एम (1.25 मि.ली. प्रति लीटर) करें।

खरपतवार नियंत्रण- बिजाई से पहले पैंडीमैथालीन 1 लीटर प्रति एकड़ या फलूक्लोरालिन 800 मि.ली. प्रति एकड़ नदीन नाशक के तौर पर डालें और बिजाई के 30 दिन बाद एक बार हाथों से गोडाई करें। नदीनों की मात्रा के अनुसार दोबारा गोडाई करें और खेत को नदीन मुक्त रखें।

सिंचाई- यह फसल अधिक पानी में नहीं उग सकती इसलिए सिंचाई आवश्यकतानुसार ही करें। अधिक पानी देने के कारण पौधे के हिस्से लंबे और पतले आकार में बढ़ते हैं और फूल गिरने लग जाते हैं। सिंचाई की मात्रा और फासला मिट्टी और मौसम की स्थिति पर निर्भर करता है। यदि पौधा शाम के 4 बजे के करीब मुरझा रहा हो तो इससे सिद्ध होता है कि पौधे को सिंचाई की जरूरत है। फूल निकलने और फल बनने के समय सिंचाई बहुत जरूरी है। कभी भी खेत या नर्सरी में पानी खड़ा ना होने दें। इससे फंगस पैदा होने का खतरा बढ़ जाता है।

हानिकारक कीट और रोकथाम- फल छेदक :इसकी सुंडियां फल के पत्ते खाती हैं फिर फल में दाखिल होकर पैदावार का भारी नुकसान करती हैं। प्रभावित फलों और पैदा हुई सुंडियों को इक्ट्ठा करके नष्ट कर दें। हैलीकोवेरपा आरमीगेरा या स्पोडोपटेरा लिटूरा के लिए फेरोमोन जाल 5 एन ओ एस प्रति एकड़ लगाएं। इस कीट को रोकने के लिए ज़हर की गोलियां जो कि बरैन 5 किलो, कार्बरिल 500 ग्राम, गुड़ 500 ग्राम और आवश्यकतानुसार पानी की बनी होती है, डालें। यदि इसका नुकसान दिखे तो क्लोरपाइरीफॉस + साइपरमैथरिन 30 मि.ली.+टीपोल 0.5 मि.ली. को 12 लीटर पानी में डालकर पावर स्प्रेयर से स्प्रे करें या एमामैक्टिन बैंजोएट 5 प्रतिशत एस जी 4 ग्राम प्रति 10 लीटर पानी या फलूबैंडीआमाइड 20 डब्लयु डी जी 6 ग्राम को प्रति 10 लीटर पानी में डालकर स्प्रे करें।

मकौड़ा जुंएं- मकौड़ा जुंएं : यह सारे संसार में पाया जाने वाला कीट है। यह बहुत सारी फसलों जैसे आलू, मिर्चें, दालें, नर्मा, तंबाकू, कद्दू, अरिंड, जूट, कॉफी, निंबू, संतरे, उड़द, काली मिर्च, टमाटर, शकरकंदी, आम, पपीता, बैंगन, अमरूद आदि को नुकसान करता है। नए जन्में और बड़े कीट पत्तों को नीचे की ओर से खाते हैं। प्रभावित पत्ते कप के आकार के हो जाते हैं। नुकसान बढ़ने पर पत्ते झड़ने और सूखना, टहनियों का टूटना आदि शुरू हो जाता है। यदि खेत में पील जुंएं और भूरी जुंएं का हमला दिखे तो क्लोरफैनापायर 1.5 मि.ली. प्रति लीटर एबामैक्टिन 1.5 मि.ली. प्रति लीटर की स्प्रे करें। यह खतरनाक कीड़ा है जो कि फसल के पैदावार का 80 प्रतिशत तक नुकसान करता है। इसे रोकने के लिए स्पाइरोमैसीफेन 22.9 एस सी 200 मि.ली. प्रति एकड़ प्रति 180 लीटर पानी की स्प्रे करें।

फूल वाले पौधों पर लगने वाले रोग और बचाव

आर्थिक दृष्टि से फूलों की खेती बहुत लाभदायक है. इसे आय का अच्छा स्रोत कहा जा सकता है. लेकिन कम समय में अधिक मुनाफा देने वाले ये फूल अक्सर किसी बीमारी के शिकार हो जाते हैं, जिससे किसानों को बड़ा नुकसान होता है. चलिए आपको हम आज फूलों में लगने वाली कुछ प्रमुख बीमारियों के बारे में बताते हैं.

तनगलन रोग- फफूंद के रूप में लगने वाले इस रोग से फूल खराब हो जाते हैं। तनगलन रोग फूलों की जड़ों को प्रभावित करते हुए बेलों की निचली सतह को सड़ाना शुरू कर देता है। इस रोग से पौधे मुरझाकर नष्ट हो जाते हैं।

रोकथाम- इसकी रोकथाम के लिए पानी की निकासी को बेहतर करना जरूरी है। जहां पर पौधा लगा है वहां से पानी की निकासी का मार्ग बनाएं। रोगी पौधे को सामान्यत: जड़ से उखाड़कर जला देना सही है। रोगी पौधों को अन्य पौधों के संपर्क में न आने दें। तनगलन की समस्या से बचने के लिए 0.5 प्रतिशत बोर्डो मिश्रण का छिड़काव किया जा सकता है।

पर्णगलन रोग- यह रोग भी फफूंद के कारण ही होता है। इस रोग से फूलों की पत्तियां प्रभावित होती हैं और उनमें छोटे-छोटे धब्बे बनना शुरू हो जाते हैं। बाद में ये बड़े होकर फूल को नष्ट कर देते हैं।

रोकथाम- पर्णगलन को रोकने के लिए रोगी पौधों को उखाड़कर अलग कर देना सही है। सिंचाई के लिए साफ पानी का उपयोग करें। फसलों को अधिक गीला न होना दें। पानी की निकासी का मार्ग बनाएं।

चूर्णिल आसिता- इस रोग के कारण पौधों के पत्ती, फूल, तना और कलियां खराब हो जाती हैं। रोग के होने पर फूलों पर सफेदी की एक परत दिखाई देती है। रोग के प्रभाव में आकर फूलों की कलियां खिलना बंद हो जाती हैं।

रोकथाम- चूर्णिल रोग को रोकने के लिए फफूंद नाशक का उपयोग सही मात्रा में करना जरूरी है। केराथेन 1.0 मि।ली। का उपयोग 12 से 15 दिन के अंतराल पर किया जा सकता है।

पत्ती धब्बा- इस रोग में पौधे की पत्ती, तना और फूल पर भूरे या काले रंग के धब्बे दिखाई देते हैं। कभी-कभी धब्बों का रंग बैंगनी भी होता है। रोगग्रस्त पत्तियां धीरे-धीरे पीली हो जाती हैं।

रोकथाम- इसकी रोकथाम के लिए 2 मि.ली./लीटर 15 दिन के अंतराल पर छिड़कना सही है। ध्यान रहे कि पौधों पर मैंकोजेब का छिड़काव 3 बार से अधिक न हो।

उर्द की बुवाई का समय व तरीका

भूमि का चुनाव एवं तैयारी

उड़द की खेती विभिन्न प्रकार की भूमि मे होती है। हल्की रेतीली, दोमट या मध्यम प्रकार की भूमि जिसमे पानी का निकास अच्छा हो उड़द के लिये अधिक उपयुक्त होती है। पी.एच. मान 6.5-7.8 के बीच वाली भूमि उड़द के लिये उपयुक्त होती है। अम्लीय व क्षारीय भूमि उपयुक्त नही है। वर्षा आरम्भ होने के बाद दो-तीन बार हल या बखर चलाकर खेत को समतल करें। वर्षा आरम्भ होने के पहले बोनी करने से पौधों की बढ़वार अच्छी होती है।

उन्नतशील प्रजातियां- पीला चितकबरा रोग रोधी प्रजातियां- वी.बी.एन.-6, वी.बी.जी.-04-008, को.-6, माश-114, माश-479, आई.पी.यू..-02-43, पंत उर्द-31, ए.डी.टी.-4, ए.डी.टी.-5, वांबन-1, एल.बी.जी.-20

शीघ्र पकने वाली- पंत उर्द-40, प्रसाद, वी.बी.एन.-5

बुवाई का समय व तरीका- मानसून के आगमन पर या जून के अंतिम सप्ताह मे पर्याप्त वर्षा होने पर बुवाई करें। बोनी नारी से करें, कतारों की दूरी 30 सेमी. तथा पौधों से पौधों की दूरी 10 सेमी. रखें तथा बीज 4-6 सेमी की गहराई पर बोयें।

बीज की मात्रा- खरीफ में उड़द का बीज 12-15 किलो प्रति हेक्टेयर की दर से बोयें।

बीज शोधन- मृदा एवं बीज जनित रोगों से बचाव के लिए 2 ग्राम थायरम एवं 1 ग्राम कार्बेन्डाजिम मिश्रण 2:1 प्रति कि.ग्रा. बीज अथवा कार्बेन्डाजिम 2.5 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से शोधित कर लें। इसके बाद बीज को इमिडाक्लोप्रिड 70 डब्लू. एस. से 7 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज के हिसाब से उपचारित करें। बीज शोधन कल्चर से उपचारित करने के 2-3 दिन पूर्व करें।

बीजोपचार- राइजोबियम कल्चर का एक पैकेट 250 ग्रा. प्रति 10 किग्रा बीज के लिए पर्याप्त होता है। 50 ग्राम गुड़ या शक्कर को 1/2 लीटर जल में घोलकर उबालें व ठण्डा कर लें। ठण्डा हो जाने पर ही इस घोल में एक पैकेट राइजोबियम कल्चर मिला लें। बाल्टी में 10 किग्रा बीज डाल कर अच्छी तरह से मिला लें ताकि कल्चर के लेप सभी बीजों पर चिपक जाएं उपचारित बीजों को 8-10 घंटे तक छाया में फेला देते हैं। उपचारित बीज को धूप में नहीं सुखायें। बीज उपचार दोपहर में करें ताकि शाम को अथवा दूसरे दिन बुआई की जा सके। कवकनाशी या कीटनाशी आदि का प्रयोग करने पर राइजोबियम कल्चर की दुगनी मात्रा का प्रयोग करें तथा बीजोपचार कवकनाशी-कीटनाशी एवं राइजोबियम कल्चर के क्रम में ही करें।

उर्वरक- एकल फसल के लिए 15 से 20 कि.ग्रा. नत्रजन, 40 से 50 कि.ग्रा. फास्फोरस, 30 से 40 ग्राम पोटाश, प्रति हे. की दर से अंतिम जुताई के समय खेत में मिला दें। उर्वरकों की मात्रा मृदा परीक्षण के आधार पर दें। नाइट्रोजन एवं फास्फोरस की पूर्ति के लिए 100 कि.ग्रा डी.ए.पी. प्रति हे. प्रयोग करें। उर्वरकों को अंतिम जुताई के समय ही बीज से 5-7 से.मी. की गहराई व 3-4 से.मी. साइड पर ही प्रयोग करें।

गौण एवं सूक्ष्म पोषक तत्व- गंधक (सल्फर)- काली एवं दोमट मृदाओं में 20 कि.ग्रा. गंधक (154 कि.ग्रा. जिप्सम/फॉस्फो-जिप्सम या 22 कि.ग्रा. बेन्टोनाइट सल्फर) प्रति हेक्टर की दर से बुवाई के समय प्रत्येक फसल के लिये देना पर्याप्त होगा। कमी ज्ञात होने पर लाल बलुई मृदाओं हेतु 40 कि.ग्रा. गंधक (300 कि.ग्रा. जिप्सम/ फॉस्फो-जिप्सम या 44 कि.ग्रा. बेन्टोनाइट सल्फर) प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें।

जिंक -जिंक की मात्रा का निर्धारण मृदा के प्रकार एवं उसकी उपलब्धता पर के अनुसार की जानी चाहिए।

लाल बलुई व दोमट मृदा- 2.5 कि.ग्रा. जिंक (12.5 कि.ग्रा. जिंक सल्फेट हेप्टा हाइड्रेट या 7.5 कि.ग्रा. जिंक सल्फेट मोनो हाइड्रेट) प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें।

काली मृदा- 1.5 से 2.0 कि.ग्रा. जिंक (7.5 से 10 कि.ग्रा. जिंक सल्फेट) प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें।

लैटेराइटिक,जलोढ़ एवं मध्यम मृदा- 2.5 कि.ग्रा. जिंक (12.5 कि.ग्रा. जिंक सल्फेट हेप्टा हाइड्रेट या 7.5 कि.ग्रा. जिंक सल्फेट मोनो हाइड्रेट) के साथ 200 कि.ग्रा. गोबर की खाद का प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें।

- उच्च कार्बनिक पदार्थ वाली तराई क्षेत्रों की मृदा- बुवाई के पूर्व 3 कि.ग्रा. जिंक (15 कि.ग्रा. जिंक सल्फेट हेप्टा हाइड्रेट या 9 कि.ग्रा. जिंक सल्फेट मोनो हाइड्रेट) प्रति हेक्टर की दर से तीन वर्ष के अन्तराल पर दें।

- कम कार्बनिक पदार्थ वाली पहाड़ी बलुई दोमट मृदा-2.5 कि.ग्रा. जिंक (12.5 कि.ग्रा. जिंक सल्फेट हेप्टा हाइड्रेट या 7.5 कि.ग्रा. जिंक सल्फेट मोनो हाइड्रेट) प्रति हेक्टर की दर से एक वर्ष के अन्तराल में प्रयोग करें।

मैंगनीज-मैंगनीज की कमी वाली बलुई दोमट मृदाओं में 2त्न मैंगनीज सल्फेट के घोल का बीज उपचार या मैंगनीज सल्फेट के 1त्न घोल का पर्णीय छिड़काव लाभदायक पाया गया है।

मॉलिब्डेनम-मॉलिब्डेनम की कमी वाली मृदाओं में 0.5 कि.ग्रा. सोडियम मॉलिब्डेट प्रति हेक्टर की दर से आधार उर्वरक के रूप में या 0.1त्न सोडियम मॉलिब्डेट के घोल का दो बार पर्णीय छिड़काव करें अथवा मॉलिब्डेनम के घोल में बीज शोषित करें। ध्यान रहे कि अमोनियम मॉलिब्डेनम का प्रयोग तभी किया जाये जब मृदा में मॉलिब्डेनम तत्व की कमी हो।

सिंचाई

सामान्यत: खरीफ की फसल को सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती है। यदि वर्षा का अभाव हो तो एक सिंचाई फलियाँ बनते समय अवश्य दें।

भिंडी : खेती की सम्पूर्ण जानकारी

भिंडी जिसे लेडीफिंगर या ओकरा के नाम से भी जाना जाता है, भारत में एक प्रमुख सब्जी फसल है। यह सब्जी अपने पौष्टिक गुणों और स्वाद के कारण बेहद लोकप्रिय है। भिंडी में विटामिन ए, विटामिन सी, फाइबर, कैल्शियम, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। यह पाचन तंत्र को बेहतर बनाने के साथ ही इम्यूनिटी को भी बढ़ाने में सहायक होती है। इसके अलावा, भिंडी का इस्तेमाल कई प्रकार के व्यंजनों में किया जाता है। भिंडी की खेती से किसानों को अच्छा आर्थिक लाभ होता है क्योंकि यह बाजार में अच्छी कीमत पर बिकती है।

भारत में भिंडी की खेती - भिंडी की खेती पूरे भारत में की जाती है, विशेषकर उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और गुजरात में। इन राज्यों में भिंडी की खेती बड़े पैमाने पर होती है, जहां इसे विशेषकर गर्मियों और वर्षा ऋतु के दौरान उगाया जाता है।

भिंडी की खेती का समय- 1. भिंडी की खेती के लिए मुख्य रूप से तीन मौसम होते ह। 2. ग्रीष्मकालीन- फरवरी-मार्च 3. वर्षाकालीन: जून-जुलाई 4. रबी (सर्दियों की फसल)- अक्टूबर-नवंबर

मौसम और जलवायु- भिंडी की खेती के लिए गर्म और आर्द्र जलवायु सबसे उपयुक्त मानी जाती है। इसकी खेती 25 ℃ से 35 ℃ तापमान वाले क्षेत्रों में अच्छी होती है। अत्यधिक ठंड और पाला भिंडी के पौधों को नुकसान पहुंचा सकते हैं, इसलिए भिंडी की खेती के लिए गर्म मौसम की आवश्यकता होती है।

खेत की तैयारी- 1. खेत की तैयारी के लिए सबसे पहले मिट्टी की गहरी जुताई करनी चाहिए।

2. खेत को समतल करना जरूरी होता है ताकि जल निकासी सही से हो सके। 3. गोबर की खाद या जैविक खाद का उपयोग करके मिट्टी की उर्वरकता बढ़ाई जा सकती है। 4. बुवाई से पहले 2-3 बार खेत की हल्की जुताई कर खेत को अच्छी तरह से तैयार करें।

भिंडी की खेती के लिए मिट्टी - भिंडी की खेती लगभग सभी प्रकार की मिट्टी में की जा सकती है, लेकिन अच्छी जल निकासी वाली बलुई दोमट मिट्टी सर्वोत्तम मानी जाती है। मिट्टी का पीएच स्तर 6.0 से 7.5 के बीच होना चाहिए ताकि पौधे सही प्रकार से विकसित हो सकें।

भिड़ी की बेस्ट टॉप किस्मे - 1. राधिका भिंडी - यह एक संकर किस्म है, जिसकी मध्यम ऊंचाई और 2-4 शाखाएं होती हैं। इसके गहरे हरे, पांच-धारीदार फल 12-14 सेमी लंबे और 1.5-1.8 सेमी चौड़े होते हैं। पहली तुड़ाई 45-50 दिनों में होती है, और यह किस्म मॉसाइक वायरस के प्रति मध्यम सहनशीलता दिखाती है। फल लंबे समय तक ताजे रहते हैं और यह साल भर के लिए उपयुक्त है। **2. सम्राट भिंडी** - यह लम्बा और स्वस्थ पौधा के प्रति उच्च प्रतिरोध रखता है। इसके वजनदार, गहरे हरे रंग के मोटे फल उच्च उपज वाले होते हैं, जो सभी मौसमों में अच्छी खेती के लिए उपयुक्त हैं। **3. एनएस 862 भिंडी (नामधारी)** - यह संकर किस्म भी मध्यम ऊंचाई की है, जिसमें 2-4 शाखाएं होती हैं। इसके गहरे हरे, पांच-धारीदार फल 45-50 दिनों में पकते हैं और अधिक उत्पादन देने के साथ बाजार में इसकी मांग भी अधिक है। **4. लावण्या एफ1 हाइब्रिड भिंडी** - यह मजबूत, लंबा पौधा 1-2 उत्पादक शाखाओं वाला होता है। इसके आकर्षक गहरे हरे फल 45-50 दिनों में आते हैं, जिनका औसत आकार 10-11 सेमी और वजन 9-10 ग्राम होता है। यह फल उच्च गुणवत्ता और उपज प्रदान करते हैं, जो लंबे समय तक परिवहन के लिए भी उपयुक्त हैं। **5. माहिको नंबर 10 भिंडी (माहिको)** - यह चमकदार गहरे हरे रंग की फसल प्राकृतिक कोमलता के साथ होती है और अधिक उपज देती है। यह ताजा और निर्यात दोनों बाजारों के लिए उपयुक्त है।

भिंडी की खेती के बीज दर प्रति एकड़- भिंडी की खेती के लिए 3 से 4 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ की आवश्यकता होती है। बीज को बुवाई से पहले 12 घंटे तक पानी में भिगोना चाहिए, जिससे अंकुरण दर अच्छी हो सके।

भिंडी के पौधों की रोपाई और दूरी- भिंडी की बुवाई 30-45 सेंटीमीटर की दूरी पर पंक्तियों में की जाती है। पौधों के बीच की दूरी 15-20 सेंटीमीटर रखनी चाहिए। बुवाई के बाद लगभग 7-10 दिनों में बीज अंकुरित हो जाते हैं।

खाद और उर्वरक - 1. प्रति एकड़ 8-10 टन गोबर की खाद या जैविक खाद। 2. 60 किलोग्राम नाइट्रोजन, 40 किलोग्राम फास्फोरस और 30 किलोग्राम पोटाश। 3. 50 प्रतिशत नाइट्रोजन की मात्रा बुवाई के समय और शेष 50त्न मात्रा 30-35 दिनों बाद देनी चाहिए।

भिंडी के फसल में रोगों की समस्या

रोगों के नाम

बेस्ट फफूंदनाशी

उपयोग मात्रा

उखटा रोग

आईएफएससी ट्रायको शील्ड

500 ग्राम प्रति एकड़ अनुसार ड्रेंचिंग करें

कॉलर रॉट

क्रिस्टल बाविस्टिन फफूंदनाशी

150 ग्राम प्रति एकड़ अनुसार छिड़काव करें

पाउडरी माइल्ड्यू

भिंडी की तुड़ाई और समय

भिंडी की कटाई फूल आने के 45-50 दिनों बाद शुरू होती है। भिंडी के फलों को कोमल अवस्था में ही तोड़ना चाहिए। इसे हर 2-3 दिनों के अंतराल में तोड़ा जाता है।

भिंडी का उत्पादन

भिंडी की फसल से प्रति एकड़ 40-60 क्विंटल उत्पादन प्राप्त होता है, जो किस्म और खेती की तकनीक पर निर्भर करता है।

गाजर खेती की जानकारी

गाजर एक महत्वपूर्ण जड़वाली सब्जी की फ़सल है द्ब गाजर की खेती पूरे भारतवर्ष में की जाती है गाजर को कच्चा एवं पकाकर दोनों ही तरह से लोग प्रयोग करते है गाजर में कैरोटीन एवं विटामिन ए पाया जाता है जो कि मनुष्य के शरीर के लिए बहुत ही लाभदायक है नारंगी रंग की गाजर में कैरोटीन की मात्रा अधिक पाई जाती है गाजर की हरी पत्तियों में बहुत ज्यादा पोषक तत्व पाये जाते है जैसे कि प्रोटीन, मिनिरल्स एवं विटामिन्स आदि जो कि जानवरों को खिलाने पर लाभ पहुंचाते हैं गाजर की हरी पत्तियां मुर्गियों के चारा बनाने में काम आती है गाजर मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश, असम, कर्नाटक, आंध्रा प्रदेश, पंजाब एवं हरियाणा में उगाई जाती है।

जलवायु- गाजर मूलत ठंडी जलवायु कि फसल है इसका बीज 7.5 से 28 डिग्री सेल्सियस तापमान पर सफलतापूर्वक उग सकता है जड़ों कि बृद्धि और उनका रंग तापमान से बहुत अधिक प्रभावित होता है 15-20 डिग्री तापमान पर जड़ों का आकार छोटा होता है परन्तु रंग सर्वोत्तम होता है विभिन्न किस्मों पर तापमान का प्रभाव - भिन्न भिन्न होता है यूरोपियन किस्मों 4-6 सप्ताह तक 4.8 -10 डिग्री से 0 ग्रेड तापमान को जड़ बनते समय चाहिए।

भूमि - गाजर की खेती दोमट भूमि में अच्छी होती है। बुआई के समय खेत की मिट्टी अच्छी तरह भुरभुरी होनी चाहिए जिससे जड़ें अच्छी बनती है भूमि में पानी का निकास होना अतिआवश्यक है।

भूमि कि तैयारी- शुरू में खेत को दो बार विक्ट्री हल से जोतना चाहिए, इसके 3-4 जुताइयाँ देशी हल से करें प्रत्येक जुताई के उपरांत पाटा अवश्य लगाएं , ताकि मिटटी भुरभुरी हो जाए 30 सेमी 0 गहराई तक भुरभुरी होना चाहिए। **उत्तम क़िस्में**

पूसा केसर- यह लाल रंग की उत्तम गाजर की क़िस्म है। पत्तियां छोटी एवं जड़ें लम्बी, आकर्षक लाल रंग केन्द्रीय भाग व संकरा होता है। फ़सल 90-110 दिन में तैयार हो जाती है। पैदावार - 300-350 क्विंटल प्रति हेक्टेअर होती है।

घाली- यह नारंगी गूदे, छोटी टॉप तथा कैरोटीन की अधिक मात्रा वाली संकर प्रजाति है। अगेती बुआई, अगस्त-सितम्बर तक इसकी बुआई अक्ठुबर तक कर सकते हैं। मैदान में बीज उत्पन्न होता है। फ़सल बोने के 100-110 दिन में तैयार हो जाती है पैदावार 250-300 क्विंटल प्रति हेक्टेअर होती है।

पूसा यमदाग्नि- यह प्रजाति आई0 ए0 आर0 आई0 के क्षेत्रीय केन्द्र कटराइन द्वारा विकसित की गयी है। इसकी पैदावार 150-200 क्विंटल प्रति हेक्टेअर होती है।

नैन्टस- इस क़िस्म की जडें बेलनाकार नांरगी रंग की होती है। जड़ के अन्दर का केन्द्रीय भाग मुलायम, मीठा और सुवासयुक्त होता है। 110-112 दिन में तैयार होती है। पैदावार 100-125 क्विंटल प्रति हेक्टेअर होती है।

बुआई का समय- मैदानी इलाकों में एशियाई क़िस्मों की बुआई अगस्त से अक्टूबर तक और यूरोपियन क़िस्मों की बुआई अक्टूबर से नवम्बर से करते हैं।

बीज की मात्रा- एक हेक्टेअर क्षेत्र के लिए 6-8 कि.ग्रा. बीज की आवश्यकता पड़ती है।

बुआई और दूरी- इसकी बुआई या तो छोटी-छोटी समतल क्यारियों में या 30-40 से0मी0 की दूरी पर मेंड पर करते हैं।

निराई-गुड़ाई व सिंचाई

बुआई के समय खेत में पर्याप्त नमी होनी चाहिए। पहली सिंचाई बीज उगने के बाद करें। शुरू में 8-10 दिन के अन्तर पर तथा बाद के 12-15 दिन के अन्तर पर सिंचाई करें।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

जबलपुर में युवा दिवस पर सामूहिक सूर्य नमस्कार

सूर्य नमस्कार ऊर्जा का उद्गम और युवा ऊर्जा का प्रवाह: राकेश सिंह

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर जिले में स्वामी विवेकानंद की जयंती युवा दिवस पर रविवार को पंडित लज्जा शंकर झा शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मॉडल स्कूल में आयोजित सामूहिक सूर्य नमस्कार के जिला स्तरीय कार्यक्रम में लगभग एक हजार छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सामूहिक सूर्य नमस्कार एवं प्राणायाम किया। इसमें स्कूली बच्चों और जबलपुर शहर के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने भाग लिया। सभी ने स्वस्थ्य रहने योग विद्या के उपयोगी टिप्स के साथ योगासन किये। आलोम-विलोम से लेकर कपाल भारती एवं योगसाधना के सभी ऑसनों को किया गया, जिससे मानसिक और शरीरिक रूप से व्यक्ति मजबूती के साथ कार्य कर सकते हैं। गौरतलब है कि मौजूदा समय में बीपी, शुगर से बचने के लिये योग में सरल उपाय हैं।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में सांसद आशीष दुबे, विधायक अशोक रोहाणी, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा मुकेश गोटिया, संभागायुक्त अभय वर्मा, कलेक्टर दीपक सक्सेना एवं पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय शामिल हुए. सभी ने विद्यार्थियों के साथ सूर्य नमस्कार व प्राणायाम किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस मौके पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व से कोई भी अनभिज्ञ नहीं है। उनका नाम सुनकर ह्रदय में श्रद्धा भाव की उत्पत्ति होती है। स्वामी विवेकानंद युवाओं के आइकन हैं पर उन्हें सिर्फ आइकन के रूप में ही नहीं बल्कि कैरेक्टर के रूप में आत्मसात करने की आवश्यकता है।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद हमेशा कहा करते थे कि युवाओं को आगे बढना है, ऊंचाइयों पर जाना है तो चरित्र निर्माण के साथ आगे बढना होगा। युवा चरित्र और संस्कार से पूर्ण होंगे तो देश का भविष्य उज्वल होगा।

मुख्यमंत्री के संदेश का प्रसारण- कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव का सन्देश आकाशवाणी के माध्यम से प्रसारण किया गया। स्वामी विवेकानंद द्वारा शिकागो धर्म सम्मेलन में दिए गए भाषण का हिंदी अनुवाद भी कार्यक्रम में प्रसारित किया गया। सूर्य नमस्कार के कार्यक्रम के प्रारम्भ में राष्ट्र गीत वन्देमातरम का रेडियो से प्रसारण किया गया।

आकाशवाणी भोपाल से प्रसारित सन्देश के अनुरूप स्कूली बच्चों ने सूर्य नमस्कार के आसन किये साथ ही प्राणायाम भी किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान की प्रस्तुति से हुआ।

सामूहिक सूर्य नमस्कार के कार्यक्रम के समापन पर जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन संदीपा स्थापक पचौरी ने किया। प्रारम्भ में कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर मॉडल स्कूल के प्राचार्य मुकेश कुमार तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया। जिले के मुख्य कार्यक्रम के साथ ही जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में स्थित सभी शैक्षणिक संस्थाओं में भी 12 जनवरी को सामूहिक सूर्य नमस्कार के कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अंगीठी और हीटर के सहारे लोगों ने काटा समय, सड़कों पर चहल-पहल रही कम

जबलपुर के साथ ही 16 जिलों में बूंदाबादी, 14 जनवरी मकर संक्राति के बाद तेज ठंड की चेतावनी

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिमी विक्षोभ के कारण प्रदेश में मौसम का मिजाज बदल गया है। इसका असर रविवार को सुबह से देखने को मिला। पूरे दिन आसमान में बादल छाये रहे। बीच-बीच में हल्की बारिश हुई। मौसम की मार से बचने के लिये लोगों ने पूरे दिन और शाम ढलने के बाद से अलाव और हीटर के सहारा लिया। गरम कपड़ों का इस्तेमाल भी बढ़ गया था। मौसम बदलने का असर बाजार और सार्वजनिक स्थलों पर देखा गया, यहां पर चहल पहल गायब रही। वैसे भी रविवार अवकाश का दिन था, जिसका शासकीय काम काज वालों ने जमकर लाभ उठाया और ठंड से बचने सुरक्षित स्थान पर समय बिताया। सड़कों पर ज्यादातर वाहनों ने लाइट जला रखी थी, कई जगह रोशनी न होने से सामने स्पष्ट कुछ भी दिखलाई नहीं दे रहा था।

मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के चलते भोपाल, ग्वालियर सहित 16 जिलों में हल्की बारिश हुई है, आंधी भी चली। वहीं जबलपुर, टीकमगढ़, छतरपुर में बूंदाबादी हुई, बादल छाए रहे, ठंड का असर तेज हो गया। मौसम वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि मकर संक्राति के बाद मध्यप्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

इधर पश्चिमी विक्षोभ के कारण ग्वालियर, भिंड, दतिया के रतनगढ़, श्योपुर, शिवपुरी, मुरैना व गुना में हल्की बारिश और आंधी की स्थिति बनी रही। भोपाल में भी बूंदाबांदी हुई है, वहीं विदिशा, राजगढ़, रायसेन के सांची, निवाड़ी के ओरछा, टीकमगढ़, छतरपुर भी हल्की बारिश होती रही। ऐसा ही हाल खजुराहो, छिंदवाड़ा व जबलपुर में दोपहर के वक्त बूंदाबांदी शुरु हो गई थी।

प्रदेश की राजधानी भोपाल में रविवार को भी बादल छाए रहे। मौसम विशेषज्ञों की माने तो वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण बारिश का अलर्ट है।

इस दौरान दिन-रात के तापमान में बढ़ोतरी होगी, लेकिन सिस्टम के आगे जाने के बाद ठंड का असर बढ़ जाएगा। अगले 2 दिन बाद फिर से पारा लुढ़क जाएगा। मकर संक्राति के बाद प्रदेश में ठंड का असर एक बार फिर तेज हो जाएगा।

मौसम के बदलाव के चलते वहीं हवा की रफ्तार भी बढ़ेगी। ऐसा कहा जा है कि 13 जनवरी को मौसम खुला रहेगा, कही बारिश के आसार नही है लेकिन 14 जनवरी को भोपाल, राजगढ़, आगर-मालवा, मंदसौर, नीमच, श्योपुर, ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया व शिवपुरी में बादल रहेंगे, कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हो सकती है।

सड़क और रेल और हवाई यातायात पर असर- जिस तरह मौसम का रूख बदला है, उसके चलते हवाई और सड़क के साथ रेल मार्ग का यातायात प्रभावित हुआ है। यूपी की तरफ से आने वाली यात्री ट्रेने भी कोहरा के कारण लेट लतीफी का शिकार हो रही हैं। इसी तरह सड़क मार्ग पर चलने वाले वाहन भी कम गति से चल रहे थे, इंदौर की तरफ से आने वाली फ्लाइट मौसम के कारण तय समय से आधा से एक घंटे के विलंब से डुमना विमानतल पर उतरी। चूंकि विमानतल में विमान के उतरने और उड़ने के दौरान तकनीकी रूप से बेहतर इंतजाम हैं, इस कारण मौसम के बदले मिजाज का ज्यादा असर नहीं हुआ है।

छिवकी रेस्ट हाउस : असुविधाओं में रहने को मजबूर टीटीई

पलंग, तकिया-कंबल का आभाव, पानी की भी परेशानी

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेलवे के उच्च अधिकारियों की मनमानी लगातार बढ़ती जा रही है। अधिकारियों की उदासीनता और लापरवाही के कारण छिवकी रेस्ट हाउस में टीटीई को ठहरने के लिए जो व्यवस्थाएं रेलवे द्वारा की करायी गई हैं, वह कागजों तक ही सीमित बताई जा रही हैं। छिवकी रेस्ट हाउस में अव्यवस्थाओं के चलते में यहां विश्राम करने वाले टिकट निरीक्षक आए दिन बीमार पड़ रहे हैं।

स्मरणीय है कि पमरे के मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में पदस्थ उच्च अधिकारियों ने ट्रेन टिकट निरीक्षकों के लिए एक निजी ठेकेदार से प्रतिवर्ष करोड़ों रुपयों का भुगतान करने की शर्त पर छिवकी प्रयागराज स्टेशन परिसर के सामने निजी भवन किराए पर लिया है। बताया जा रहा है कि इस निजी रेस्ट हाउस में जबलपुर मंडल के अंतर्गत आने वाले जबलपुर स्टेशन और कटनी स्टेशन में पदस्थ ट्रेन टिकट निरीक्षकों को इस रेस्ट हाउस में ठहरने की व्यवस्था विभाग द्वारा कराई जा रही है, लेकिन यहां पर व्यवस्थाएं कम और अव्यवस्थाओं का आलम ज्यादा है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक निजी ठेकेदार और रेलवे प्रबंधन के बीच एक इकरारनामा किया गया है, इसमें कौन-कौन सी सुविधाएं मुहैया कराई जानी हैं, उनको सूचीबृद्ध किया गया है।

जानकारी के अनुसार टिकट निरीक्षक जो कि प्रतिदिन मुम्बई हावड़ा मेल, मुम्बई बनारस महानगरी सुपर फास्ट एक्सप्रेस, एलटीटी दानापुर, पुणे दानापुर, एलटीटी प्रयागराज, सारनाथ एक्सप्रेस, पवन एक्सप्रेस, बैंगलुरू पटना एक्सप्रेस व अन्य ट्रेनों से छिवकी रेस्ट हाउस में विश्राम के लिए जब टिकट निरीक्षक हारे थके आते हैं, तो उन्हें आराम की बजाय असुविधाओं सामना करना पड़ता है।

पलंग-चादर और पानी की परेशानी-जानकारी के अनुसार रेस्ट हाउस में पलंग की दयनीय दशा, चादर, कंबल, मच्छरदानी और पीने की पानी की सबसे ज्यादा कमी रोज देखी जा रही है। ट्रेन टिकट निरीक्षक यदि कंट्रोल को फोन करने के संबंध में विचार करता भी है तो उसे किसी भी प्रकार की कोई राहत नहीं मिलती है। यह सिलसिला बीते कई सालों से लगातार यू ही चल रहा है। विगत 11 जनवरी को तो पलंग पर बिस्तर ही नहीं बिछाया गया है। गद्दा तकिया, चादर भी नहीं थे। निजी ठेकेदार का कोई भी सहायक विश्राम गृह में मौजूद नहीं था। यह एक दिन की बात नहीं है, अक्सर ऐसी ही अव्यवस्थाएं रेस्टा हाउस में देखी जा सकती हैं।

देशबन्धु पड़ताल

पमरे के एक प्रभावशाली यूनियन के एक जिम्मेदार पदाधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जबलपुर मंडल के कुछ अधिकारियों का निजी ठेकेदार पर हाथ होने के कारण उसकी कितनी भी शिकायतें कर दो, उससे उसे कोई फर्क नहीं पड़ता है।

उल्लेखनीय है कि पमरे के मंडल में कल्याण अधिकारी, सीसीआई, सीटीआई, सीसीएम स्क्वॉड के अलावा सेनेटरी इंस्पेक्टर, सहायक वाणिज्य प्रबंधक आदि अन्य अधिकारियों की फौज होने के बाद भी किसी भी अधिकारी द्वारा इस गंभीर मामले को सामान्य मानते हुए आज तक इस विषय पर कोई भी संज्ञान नहीं लेना कई प्रकार की शंकाओं को जन्म दे रहा है। उच्च अधिकारियों का यही उदासीन रवैया ठेकेदार के लिए फायदेबंद साबित हो रहा है।

यहां इस बात का उल्लेख करना जरूरी है कि तत्कालीन मंडल रेल प्रबंधक संजय विश्वास ने 'देशबन्धु' प्रतिनिधि से चर्चा करते हुए बताया था कि छिवकी के अलावा जिन-जिन शहरों में ट्रेन टिकट निरीक्षकों के ठहरने की व्यवस्था की गई है, वहां पर समय-समय पर औचक छापामार कार्रवाई भी की जाएगी, जिससे कि टीटीई विश्राम गृहों में आराम से विश्राम कर सकें। मंडल रेल प्रबंधक संजय विश्वास के स्थानांतरण होने के बाद तो डीआरएम कार्यालय में किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने इस संबंध में मौन रहना ही उचित समझा है।

गौरतलब है कि जब रेलवे उक्त ठेकेदार को प्रतिमाह लाखों रुपए का भुगतान अब तक करता आ रहा है, तो इससे यह स्पष्ट हो रहा है कि ठेकेदार कितनी भी मनमानी कर ले, उसका कोई भी नुकसान नहीं कर सकता है।

पमरे की महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय एक कुशल प्रशासक के रूप में अपनी अलग पहचान बनाए हुए हैं। वे इस संबंध में आवश्यक सुधार करवाकर विभागीय कर्मचारियों को एक बड़ी राहत प्रदान कराएंगी, इसकी सभी को उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि छिवकी स्टेशन परिसर में विभाग के पास बहुत सी जमीन खाली पड़ी हुई है। यदि रेलवे अपना स्वयं का विश्राम गृह बनवा ले तो विभाग को प्रतिवर्ष करोड़ों रुपए के राजस्व की बचत होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

कोलकाता महाप्रबंधक को नहीं मिला प्रोटोकाल

जबलपुर, देशबन्धु। पमरे के मुख्य रेलवे स्टेशन में कर्मचारियों के बीच दिनों दिन अनुशासनहीनता बढ़ती ही जा रही है। कर्मचारियों की जिस काम के लिए पदस्थापना की गई है उसी कार्य की अनदेखी करना आजकल फैशन ही बढ़ता जा रहा है।

इसका एक ज्वलंत उदाहरण 11 जनवरी शनिवार को स्टेशन परिसर में देखने मिला है। मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक का आगमन स्टेशन में शक्तिपुंज से हुआ था। नियमानुसार इनको प्रोटोकाल पमरे के द्वारा दिया जाना था परंतु नहीं दिया गया ।

मुख्य स्टेशन में स्टेशन डायरेक्टर स्टेशन प्रबंधक जो कि प्लेटफार्म नम्बर 6 में और एक स्टेशन प्रबंधक नम्बर 1 में पदस्थ होने के बावजूद इनको किसी को फुर्सत नहीं मिली, इसी बीच स्टेशन में मुख्य टिकट निरीक्षक मुख्यालय संदीप श्रोती ने आनन फानन में मोर्चा सम्हालते हुए प्रोटोकाल के अन्र्तगत महाप्रबंधक कोलकाता की अगवानी की।

इसी प्रकार मंडल रेल प्रबंधक कमल तलरेजा एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ.मधुर वर्मा एवं उनकी टीम जब सोनतलाई से निरीक्षण करके वन्दे भारत से जबलपुर वापस आए तब भी प्रोटोकाल की व्यवस्था में कई तरह की कमी की चर्चा स्टेशन परिसर में चलती रही।

नियमों का पालन नहीं करने वाले कर्मियों पर होगी कार्रवाई रेलवे कर्मियों में दहशत

जबलपुर,देशबन्धु। पमरे के जबलपुर मंडल में अनुशासनहीनता बरतने वाले कर्मचारियों पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ.मधुर वर्मा द्वारा अपना शिकंजा कसने की तैयारियां की जा रही है।

इसमें मुख्य सतर्कता अधिकारी के निर्देशन में विगत दिवस मुख्य टिकट (डी)के स्टेशन के रिकार्ड का भौतिकी सत्यापन करने पर कई प्रकार की अनियमितताऐं पायी थी। इसका वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ.मधुर वर्मा ने गंभीरता से लिया और आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये हैं। इसी के साथ ही साथ मुख्य टिकट निरीक्षक पिपरिया वाएएस बड़कुल और वीर सिंह बुंदेला उप मुख्य टिकट निरीक्षक को भी सोमवार आज तलब किया है। डॉ.वर्मा की कार्यप्रणाली से कर्मचारियों में तरह तरह की चर्चाओं का दौर शुरु हो गया है। मुख्य स्टेशन परिसर कुछ टिकट निरीक्षक यह चर्चा भी करने में व्यस्त हो गए हैं इनके पूर्व जो वाणिज्य के मुख्य पदस्थ उनकी पुनः पदस्थापना का सपना देखने में वयस्त देखे जा रहे हैं।

J.B.F.A.

जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन

मुर्गा छोटा - रु. 128
मुर्गा मीडियम - रु. 118
मुर्गा बड़ा - रु. 106
मुर्गा जम्बो - रु. 106
मो.-9039925000, 9425800409

सोनू पोल्ट्री

बड़ा ब्रॉयलर - रु. 102
मीडियम ब्रॉयलर - रु. 114
छोटा ब्रॉयलर - रु. 124
मोबाइल नं. 9300692405

14 आयुर्वेदिक दर्द नाशक तेलों का मिश्रण
मामजेसिक
तीव्र दर्द नाशक तेल
अत्यंत प्रभावशाली एवं गहराई तक असरदार...
जोड़ों का दर्द, घुटने का दर्द, कमर एवं पीठ दर्द, सूजन, गर्दन का दर्द, लचकना, कंधे एवं कूल्हों का दर्द, मांस पेशियों में खिचाव, मोच, पिंडलियों, पंजो हड्डियों एवं पसलियों में दर्द, हाथ पैर में झुनझुनी, कमजोरी एवं कंपन्न, जांघो में दर्द, सिरदर्द, सर्दी जुकाम हेतु
उपयोग करते ही असर प्रारंभ
लकवा रोगियों हेतु अत्यंत असरकारक
जबलपुर 9826035091 | कटनी 9303092693 | अनूपपुर 9993902291
सभी मेडिकल स्टोर्स पर उपलब्ध

पुलिस व वन कर्मियों पर लगे गंभीर आरोप

पैसे लेकर शासकीय भूमि पर कराया कब्जा

दमोह, देशबन्धु। जिस शासकीय भूमि को प्रशासन ने खासी मशक्कत कर अतिक्रमण मुक्त कराया उस भूमि पर जमे अतिक्रमणकारियों ने पुलिस एवं वन कर्मियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अतिक्रमणकारियों का आरोप हैं कि उनसे वन एवं पुलिस कर्मियों ने पैसे लेकर भूमि दी थी जिस पर उन्होंने आशियाने बनाए। जमीन राजस्व विभाग की है, जिसकी कीमत करोड़ों में है। वहीं वन एवं पुलिस कर्मियों पर पैसे लेने के आरोप लगे हैं, इसलिए उपवन मंडल अधिकारी के द्वारा भी जांच कराई जा रही है वहीं तेंदूखेड़ा एसडीएम सौरभ गंधर्व का कहना है कि कर्मचारी किसी भी विभाग का हो कार्रवाई होगी। मामला जिले के तेंदूखेड़ा ब्लाक के 27 मील का बताया जा रहा हैं जिस पर शनिवार को प्रशासन के द्वारा शासकीय जमीन से अतिक्रमण हटाया गया था। अब इस मामले में अतिक्रमणकारी ने पुलिस और वन कर्मियों पर पैसों के लेनदेन के आरोप लगाए हैं। जिसके बाद एसडीएम के द्वारा इस मामले की जांच शुरू करवा दी है। शनिवार को हुई कार्रवाई में तीन निर्माणधीन भवन और छह फाउंडेशन तहसीलदार द्वारा तोड़े गये थे। करीब 84 लाख रुपए की 40 डिसमिल जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई थी। अब अतिक्रमणकारी ने उन लोगों के नाम खोले है, जिन्होंने उनसे पैसे लिए थे। तेंदूखेड़ा तहसीलदार की मौजूदगी में पंचनामा बनाया गया है। पंचनामा कार्रवाई में अतिक्रमणधारी हरिराम अहिरवार ने खुलासा किया है कि अतिक्रमण करने की एवज में पुलिस को पैसा दिया गया। उसके बाद वन विभाग से एक डिप्टी रेंजर और वीटगार्ड पहुंचे, उन्होंने भी निर्माण कार्य वन भूमि पर होना बताया और बाद में उन्होंने भी पैसा लिया। उसकी मांग है कि अब उन कर्मचारियों से पैसा वापिस दिलाया जाये, जिन्होंने अतिक्रमण करने घर बनाने की एवज में पैसा लिया है। अतिक्रमणकारी ने कहा कि उसका घर तो टूट गया इसलिए या तो उन सभी कर्मचारियों पर कार्रवाई हो या फिर मुझे उसे जमीन का पट्टा दिया जाये।

ऐसे हुआ लेनदेन-अतिक्रमणकारी हरिराम पिता गुलाब अहिरवार ने बताया कि जैसे ही उन्होंने राजस्व विभाग पर मकान बनाना शुरू किया तो पुलिस आ गई। उन्होंने निर्माण कार्य को अवैध बताया और बाद में तेंदूखेड़ा थाने में पदस्थ उपनिरीक्षक गोस्वामी ने उन्हें थाने बुलाया और पटवारी के नाम पर दस हजार रुपये लिए। उसके बाद अभी दस दिन पहले वन विभाग तेंदूखेड़ा से डिप्टी रेंजर महेंद्र खरे और नरगवा वीटगार्ड आया मुझसे पंद्रह हजार रुपये लिए।

दलित के हाथों से प्रसाद खाने पर 20 परिवारों का हुक्का पानी बंद

छतरपुर। एक दलित के हाथों से प्रसाद खाने पर एक गांव के 20 परिवारों का हुक्का पानी बंद कर दिया गया। छतरपुर जिले के अतरार गांव में छुआछूत और जातिगत भेदभाव से जुड़ा मामला सामने आया है। यहां दलित के हाथों से प्रसाद लेने और खाने पर सरपंच ने फरमान जारी कर 20 परिवारों का हुक्का-पानी बंद कर समाज से बहिष्कार कर दिया है। ग्रामीणों ने एकजुट होकर आरोपी सरपंच संतोष तिवारी पर आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक को शिकायत दर्ज कराई है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच के फरमान के कारण लोग उनको सामाजिक कार्यों में भी नहीं बुला रहे हैं।

मंदिर में चढ़ाया था प्रसाद-मामले को लेकर एसडीओपी बिजावर शशांक जैन ने गांव में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से चर्चा की और मौके पर ही बयान दर्ज किए गए हैं। एसडीओपी का कहना है कि शिकायत के आधार पर जांच जारी हैं, जो भी दोषी होगा, कार्रवाई की जाएगी। अतरार गांव निवासी जगत अहिरवार ने आरोप लगाया है कि उन्होंने 20 अगस्त 2024 को एक मंदिर में प्रसाद चढ़ाया था। पुजारी ने प्रसाद चढ़ाया, उसके बाद प्रसाद लोगों में बांटा गया। जिनको प्रसाद बांटा गया, उनमें जगदीश तिवारी, महेश अवस्थी, लल्लू यादव सहित करीब 20 परिवार के लोग रहे। इसके बाद सरपंच ने सभी प्रसाद लेने वालों को समाज से बहिष्कृत करने की फरमान सुना दिया। इनको इस फरमान के कारण अब सामाजिक कार्यों में नहीं बुलाया जा रहा है। गांव से होते हुए मामला पुलिस अधीक्षक तक पहुंचा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मामले की जांच कर रही पुलिस- सरपंच के फैसले के खिलाफ ग्रामीण एकजुट होकर एसपी के पास शिकायत करने भी पहुंचे। जहां उन्होंने अपनी बात सामने रखी। मामला छुआछूत और जातिगत भेदभाव से जुड़ा है। इसलिए पुलिस आवेदन के आधार पर अभी मामले की जांच कर रही है।

FOR PRIVATE SCREENING CALL +91 79999 68989
FOR ONLINE BOOKING & OFFER BOOK FROM BOOKMYSHOW
CALL BOOKING 0761-4069888
BOOKING NUMBER 0761-4069888 4069889
समदड़िया सिनेमा

PUSHPA-2: 10:00AM, 2:15PM, 6:00PM, 10:00PM
GAME CHANGER: 10:00AM, 1:15PM, 4:15PM, 7:30PM, 9:30PM, 10:30PM (TELEGU) 6:30PM
FATEH: 10:00AM, 12:30PM, 3:00PM, 8:30PM, 10:55PM
KAHO NA PYAR HAI: 5:30PM
MARCO: 1:30PM
MUFASA 3D(Hindi): 4:15PM
BABY JOHN: 10:30AM